● वर्ष-3
● अंक-242
रायपुर, रविवार
19 मई 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› करोड़ों की मालकिन मलायका...

लालू यादव दोनों बेटे के साथ चले जाए पाकिस्तानः हिमंता

मैं मुल्ला बनने का दुकान खुलने नहीं दूंगा

नई दिल्ली। असम के सीएम और बीजेपी नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने आज बिहार में ताबड़तोड़ रैलियों को संबोधित किया। सीवान के रघुनाथपुर में एक चुनावी सभा में बोलते हुए हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि हमने असम में 700 मदरसों को बंद कर दिया और किसी ने इसके खिलाफ आवाज नहीं उठाई। क्यों? क्योंकि यह नया भारत है। आज मुल्ला बनने का दुकान खुलने नहीं दूंगा। डॉक्टर, इंजीनियर बनने का काम करूंगा। हमें 400 सीटें चाहिए ताकि हम समान नागरिक संहिता ला सकें, कृष्ण जन्मभूमि मंदिर का निर्माण कर सकें, ज्ञानवापी मंदिर का निर्माण कर सकें और मुसलमानों को आरक्षण बंद कर सकें। रायबरेली में सोनिया गांधी की मैनें बेटे को आपको सौंप दी की अपील पर असम के सीएम और बीजेपी नेता हिमंत बिस्वा सरमा कहा कि उसे 150-200 बार री-लॉन्च किया गया है। लेकिन आपके बेटे को कौन लेगा? जो कोई आपके पुत्र को अपने घर ले जाएगा वह नष्ट हो जाएगा। उन्होंने ऐलान करते हुए कहा कि कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान में है। मोदी जी को 400 सीटें दीजिए और हम कश्मीर पाकिस्तान से ले लेंगे। स्वाति मालीवाल मारपीट मामले पर सरमा ने कहा कि केजरीवाल के आवास पर जो कुछ भी होता है, वह कहते हैं कि यह बीजेपी की साजिश है लेकिन स्वाति मालीवाल बीजेपी की नहीं, आम आदमी पार्टी की सांसद हैं।

सरमा ने मुजफ्फरपुर में बीजेपी प्रत्याशी के पक्ष में वोट की अपील करते हुए लालू यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कहा कि मुसलमान को आरक्षण देना चाहते हैं, लेकिन, यह नया भारत है। यहां मुसलमान को आरक्षण नहीं मिलेगा। अगर इतना ही वह हमदर्द बनते हैं तो अपने दोनों बेटों को लेकर पाकिस्तान चले जाएं। फिर वहां सभी मुसलमानों को वहीं से आरक्षण दिलवा दें। इस दौरान में सीएम सरमा ने आरोप लगाते हुए यह भी कहा कि यह लोग मुस्लिम समुदाय के आरक्षण की बात को कहकर बाबा साहब अंबेडकर के संविधान का अपमान कर रहे हैं।

इससे पहले हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि हिंदू लंबे समय के बाद जग गए हैं और उन्हें अब सतर्क रहना चाहिए। सरमा ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण ने कुछ हद तक हिंदुओं के साथ होने वाले अन्याय को कम कर दिया है, लेकिन कृष्ण जन्मभूमि मुद्दा और ज्ञानवापी मस्जिद मामला अब तक अनसुलझा है। हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि हिंदुओं को सक्रिय होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हिंदू को ठंडा मत करो। हिंदू अभी गरम हुआ है, गरम रहने दो। अभी लोगों ने जय श्री राम बोलना शुरू किया है बहुत सालो बाद।

चुनाव में बीजेपी का हो जाएगा सफायाः लालू

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) सुप्रीमो और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने कहा कि देश भर में हालात इंडिया गुट के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा कि पूरा बिहार विपक्षी गठबंधन के साथ खड़ा है और लोकसभा चुनाव में राज्य से देशविरोधी बीजेपी का सफाया हो जाएगा। अपनी बेटी और राजद उम्मीदवार रोहिणी आचार्य के लिए सारण लोकसभा सीट पर प्रचार के दौरान उन्होंने कहा कि पूरे देश में स्थिति इंडिया गुट के पक्ष में है। खासकर बिहार में, लोग पूरे राज्य में इंडिया ब्लॉक का समर्थन करते हैं। इंडिया गठबंधन सरकार बनाएगा और राष्ट्रविरोधी और संविधान विरोधी भाजपा हार जाएगी। लालू यादव ने विश्वास जताया कि आचार्य सारण सीट जीतेंगी, जहां 20 मई को लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में मतदान होगा। उन्होंने कहा कि मैं सारण की जनता से अपील करता हूं कि भारी संख्या में इंडिया गठबंधन और रोहिणी आचार्य के पक्ष में वोट करें और संविधान, लोकतंत्र को बचाएं। पीएम मोदी का बार-बार (बिहार आना) यह दर्शाता है कि वह अब खत्म हो गए हैं...इंडिया गठबंधन हर तरफ जीत रहा है।

पांचवें चरण के लिए चुनाव प्रचार समाप्त

49 लोकसभा सीटों पर सोमवार को होगा मतदान

नई दिल्ली। चल रहे लोकसभा चुनावों में चार चरणों का मतदान संपन्न हो चुका है और पांचवां चरण 20 मई को होगा। इस चरण में, 8 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की 49 लोकसभा सीटों पर मतदान होना है। इसके लिए आज चुनाव प्रचार खत्म हो गया है। चरण 5 में बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र जैसे प्रमुख राज्यों में मतदान होगा। इस चरण में, बिहार में 5 सीटें, जम्मू और कश्मीर में 1 सीट, झारखंड में 3 सीटें, लद्दाख में 1, में 13 सीटें हैं। महाराष्ट्र में 5 सीटें, ओडिशा में 5 सीटें, उत्तर प्रदेश में 14 सीटें और पश्चिम बंगाल में 7 सीटों पर चुनाव होने हैं। इस चरण में 8 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कुल 695 उम्मीदवार मैदान में हैं। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के अनुसार, सात चरण के लोकसभा चुनाव 2024 का पांचवां चरण 20 मई को होगा।

चुनावी प्रक्रिया 19 अप्रैल को पहले चरण से शुरू हुई। वोटों की गिनती होनी है 4 जून को लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में आम चुनाव के पांचवें चरण की 14 सीट और विधानसभा उपचुनाव की एक सीट के लिए चुनाव प्रचार शनिवार शाम छह बजे समाप्त हो गया। इन सीटों पर 20 मई को मतदान होगा। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि पांचवें चरण के 14 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों तथा लखनऊ पूर्व विधानसभा उप निर्वाचन के लिए 20 मई, सोमवार को मतदान होना है।

वोट बैंक के लिए समझौता कर रही ममता: नड्डा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने वोट बैंक की राजनीति को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला और कहा कि ममता अपने वोट बैंक के लिए देश के साथ समझौता कर रही हैं। नड्डा ने ममता बनर्जी पर घुसपैठियों को शरण देने और उन्हें आईडी कार्ड और राशन कार्ड देकर मतदाता बनाने का आरोप लगाया और इस तरह के कार्यों को राष्ट्र-विरोधी बताया। शाहजहां शेख के केस में आपने (ममता बनर्जी) इतने दिन चुप्पी रखी, हाईकोर्ट को सीबीआई को जांच सौपनी पड़ी। महिलाएं बोल रही थीं, डेलीगेशन जा रहे थे। आपके (ममता बनर्जी) कान में जूं तक नहीं रेंगी। हम एक राष्ट्रवादी पार्टी हैं. हमारे सदस्यों की अपनी-अपनी आस्थाएं हैं जिनके प्रति वे प्रतिबद्ध हैं। हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को अपनाकर आगे बढ़ें। इससे जो उभरता है वह भारतीय है, मूलत: हिंदू नहीं।

बीजेपी अध्यक्ष ने कथित संदेशखाली घटना को लेकर पश्चिम बंगाल की सीएम को आड़े हाथों लिया और उनकी चुप्पी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि शेख शाहजहां के मामले पर वह चुप थीं, हाई कोर्ट को जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को देनी पड़ी. महिलाएं चिल्ला रही थीं और आपने इसकी परवाह भी नहीं की। ममता बनर्जी के इस आरोप के बारे में पूछे जाने पर कि संदेशखाली घटना भाजपा की साजिश थी, नड्डा ने कहा कि बेईमान प्रशासक, बेईमान राजनेता। अगर मैं सीएम हूं और इस तरह का मामला मेरे पास आता है, तो मैं कहूंगा किमैं इसकी जांच करूंगा। मैं इसके विवरण में जाऊंगा। वह पहले चुप क्यों थीं और बाद में उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया।

उन्होंने वोट बैंक के लिए देश के साथ समझौता किया। टीएमसी घुसपैठियों को आश्रय दे रही है और उन्हें आईडी कार्ड और राशन कार्ड देकर मतदाता बना रही है, यह राष्ट्र विरोधी गतिविधियां है।

दिलीप घोष के पोलिंग एजेंट की हत्या मामले में एक्टिव हुई एनआईए

भाजपा बूथ अध्यक्ष विजय कृष्ण भुइयां की हत्या के मामले की जांच के लिए एनआईए की एक टीम आज पूर्व मेदिनीपुर के मोयना पहुंची। मई 2023 में भुइयां का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। परिवार के सदस्यों ने मैना पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज़ कराई और फिर परिवार ने एनआईए जांच की मांग करते हुए कोलकाता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। बता दें कि 15 मई की रात से लापता एक भाजपा कार्यकर्ता का शव गुरुवार को पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्दवान जिले में मिला। इसके बाद से एक नया विवाद पैदा हो गया और स्थानीय भाजपा नेताओं ने दावा किया कि उसकी हत्या टीएमसी कार्यकर्ताओं ने की है। हालांकि, सत्तारूढ़ टीएमसी ने इस आरोप से इनकार किया है। अभिजीत रॉय मंतेश्वर के जमना क्षेत्र में भाजपा बूथ अध्यक्ष और बूथ संख्या 168 के पोलिंग एजेंट थे। मंतेश्वर बर्दवान-दुर्गापुर लोकसभा सीट के अंतर्गत आता है जहां दिलीप घोष भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं।

मोदी की चुनावी रैली में विदेशी प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली। सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग और नेपाली राजदूत डॉ. शंकर पी शर्मा सहित कई विदेशी प्रतिनिधियों का एक प्रतिनिधिमंडल आज उत्तर पूर्वी दिल्ली में पीएम मोदी की सार्वजनिक बैठक में भाग लिया। भारत में नेपाली राजदूत डॉ. शंकर पी शर्मा ने कहा कि चुनावी रैली कैसी होगी, यह देखने के लिए विभिन्न देशों के 6 राजदूतों समेत 20 विदेशी प्रतिनिधि आज यहां हैं। उन्होंने कहा कि हमें पीएम की रैली में शामिल होने और इसका प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने पर गर्व है। भारत लोकतंत्र की जननी है।

पीएम मोदी की आज उनके समर्थन में हुई रैली पर बीजेपी उम्मीदवार और दिल्ली नॉर्थ ईस्ट से मौजूदा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि पहली बार देश के पीएम इस क्षेत्र में आ रहे हैं. यह हमारे संसदीय क्षेत्र का सौभाग्य है कि आज एक विदेशी प्रतिनिधिमंडल भी यहां आया है। इस दौरान मोदी ने विपक्ष पर वार करते हुए कहा कि यहां हो रहे विकास कार्यों के बीच, इंडिया गठबंधन दिल्ली को बर्बाद करने में लगा हुआ है...वे दिल्ली के लोगों को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। ये लोग भ्रष्टाचार खत्म करने के नाम पर आए थे, लेकिन आज करोड़ों रुपये के घोटालों के कारण जेल में हैं। कांग्रेस की चार पीढ़ियों ने दिल्ली में राज किया, लेकिन आज पार्टी की ऐसी हालत हो गई है कि ये भी नहीं कर पा रहे हैं यहां 4 सीटों पर चुनाव लड़ें।

उन्होंने कहा कि मोदी दिल्ली में लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए समर्पित हैं।

प्रमुख समाचार

विपक्षी नेताओं को जेल भेजने में कांग्रेस अव्वलः मोहन

मुंबई मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी आम आदमी पार्टी (आप) का कांग्रेस के साथ गठबंधन है, जिसका विपक्षी दलों के नेताओं को जेल भेजने का रिकॉर्ड रहा है। मोहन यादव ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में केजरीवाल के उस दावे को लेकर उनकी आलोचना की कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को तीसरा कार्यकाल मिलता है, तो वह विपक्षी दलों के नेताओं को जेल में डाल देगी। केजरीवाल ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के भिवंडी में एक रैली के दौरान दावा किया कि अगर चार जून को भाजपा सत्ता में आई तो वह विपक्षी नेताओं-शरद पवार, उद्धव ठाकरे और अन्य को जेल में डाल देगी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा, ''पूरे विपक्ष को जेल में डालने का रिकॉर्ड कांग्रेस के पास है। केजरीवाल उन्हीं लोगों के साथ गठबंधन में हैं और भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं। मुझे एक उदाहरण दिखाइए जहां आपातकाल के समय की तरह विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार किया गया हो।''

मोदी ने की मतदाताओं का ध्रुवीकरण कर रहे : पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को कहा कि विनायक दामोदर सावरकर कोई चुनावी मुद्दा नहीं हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां अपनी प्रचार रैली के दौरान उनके बारे में बात करके लोगों का ध्रुवीकरण करने की कोशिश की। मोदी ने शुक्रवार को यहां अपने भाषण में पवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से यह वादा लेने की चुनौती दी कि वह दिवंगत स्वतंत्रता सेनानी और हिंदुत्व विचारक की फिर कभी आलोचना नहीं करेंगे। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के प्रचार के आखिरी दिन कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे और शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में पवार ने कहा, सावरकर कोई चुनावी मुद्दा नहीं हैं और राहुल ने (हाल ही में) उनके बारे में कुछ नहीं कहा है। लेकिन मोदी का भाषण विभाजनकारी और भड़काने वाला, ध्रुवीकरण करने वाला था। मैंने ऐसा प्रधानमंत्री कभी नहीं देखा। राहुल गांधी ने अक्सर सावरकर पर निशाना साधते हुए दावा किया है कि जब उन्हें अंडमान द्वीप पर कैद किया गया था तो उन्होंने ब्रिटिश शासकों की मदद की और दया याचिकाएं लिखीं।

कसाब को फांसी दिलवाई, अब पाकिस्तान देता है सफाईःयोगी

मुंबई। उत्तर मध्य लोक सभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि फिर एक बार मोदी सरकार के स्वर से पूरा महाराष्ट्र गूंज रहा है। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूरे देश के अंदर जो माहौल है, वही उत्साह जो यूपी, उत्तराखंड, बंगाल, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश,असम, कर्नाटक में है वही उत्साह मुझे महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है। चारों ओर एक ही नारा गूंज रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी 400 पार। जब हम ये नारा लगाते हैं तो कांग्रेस समेत सभी दलों की नीचे की जमीन खिसक जाती है और वे घबरा जाते हैं। मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने दीजिए, अगले 6 महीने के अंदर %पाक अधिकृत कश्मीर% भी भारत का हिस्सा होगा। भारत के अंदर छत्रपति शिवाजी महाराज के द्वारा जिस %हिंदवी स्वराज% की स्थापना की गई थी। मोदी जी के नेतृत्व में अब वह बनकर रहेगा। कोई माई का लाल उसको रोक नहीं पाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मुंबई हमले के कसूरवार कसाब को फांसी दिलावने का श्रेय उज्जवल निकम को दिया।

आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रही है: उद्धव

मुंबई। शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी तीसरी बार चुनाव जीतने के बाद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रही है। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान के समापन से पहले यहां अपनी आखिरी रैली को संबोधित करते हुए ठाकरे ने यह भी कहा कि ''मोदी के नौकर की तरह व्यवहार कर रहे'' निर्वाचन आयुक्त को विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के सत्ता में आने के बाद हटा दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''जिस तरह उन्होंने शिवसेना का 'उपयोग करो और फेंक दो' तरीके से इस्तेमाल किया, वही खेल भविष्य में (आरएसएस के साथ) खेला जाएगा और यह बात (भाजपा अध्यक्ष जे पी) नड्डा ने कही है।'' ठाकरे एक अखबार में छपे नड्डा के इस बयान का हवाला दे रहे थे कि जब भाजपा छोटी पार्टी थी और कम ताकतवर थी, तब उसे आरएसएस की जरूरत थी लेकिन अब भाजपा बड़ी एवं अधिक मजबूत हो गयी है तथा वह ''अपना संचालन खुद'' करती है। ठाकरे ने दावा किया, ''नड्डा ने दावा किया कि अबतक आरएसएस की जरूरत थी.

यूपी गैंगस्टर्स एक्ट के तहत आरोप पत्र को रद्द करने याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया है, जिसने उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स और असामाजिक गतिविधियां अधिनियम, 1986 के तहत दर्ज एक मामले में आरोप पत्र और कार्यवाही को रद्द करने की मांग करने वाली एक अर्जी खारिज कर दी थी। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने याचिकाकर्ता राज खान द्वारा दायर याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा, जिनके खिलाफ यूपी गैंगस्टर अधिनियम के प्रावधान के तहत पीलीभीत जिले में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। याचिका में कहा गया है कि सीआरपीसी की धारा 482 के तहत याचिकाकर्ता के आवेदन को खारिज करने के उच्च न्यायालय के आदेश से याचिकाकर्ता को भारी कठिनाई और अन्याय हो रहा है क्योंकि भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उसकी जीवन की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर रोक लगा दी गई है। इसमें आरोप लगाया गया कि यूपी गैंगस्टर्स एक्ट के तहत एफआईआर केवल पहले की एफआईआर के आधार पर दर्ज की गई है.

केजरीवाल एंड कंपनी में लात-घूंसों से स्वागत का अंदाज बहुत पुराना है

अभिनय आकाश

मुझे दिल्ली के लोगों की सेवा करनी है, मैं अकेला कुछ नहीं कर सकता। मैं बहुत छोटा आदमी हूं। साधारण सी वेशभूषा में खुद को परिभाषित करने के लिए न जाने कितनी बार इन शब्दों का इस्तेमाल किया होगा। आप का उदय आशा की किरण के समान था। जिसे भारतीय राजनीति में आदर्शवाद की वापसी के रूप में देखा गया। इसमें बीजेपी और कांग्रेस के राष्ट्रीय विकल्प के रूप में उभरने की क्षमता भी कई वर्गों में नजर आई। लेकिन इतिहास की समझ की कमी, राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की कमी के कारण आज पार्टी जिस स्थिति में है वो निराशा का कारण बन गई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पहली बार भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन (2011) करते हुए तिहाड़ जेल गए थे। वर्तमान में वह भ्रष्टाचार से जुड़े एक मामले की वजह से उसी तिहाड़ से बेल पर बाहर हैं। वहीं इस दौरान उनके आवास पर 13 मई को हुई घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सीएम हाउस में स्वाति मालीवाल के साथ हुई अभद्रता का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। इसकी चपेट में केजरीवाल आ गए हैं। सवाल केजरीवाल की चुप्पी को लेकर है? एक तरफ एनसीडब्लयू की तरफ से नोटिस जारी कर केजरीवाल के पीए विभव कुमार को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। वहीं दूसरी तरफ साढ़े चार घंटे स्वाति मालीवाल के घर पर जाकर उनका बयान दिल्ली पुलिस की तरफ से दर्ज किया गया। फिर धारा 354, 506,509 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। एम्स में ले जाकर उनका मेडिकल कराया गया। लेकिन ये मामला बेहद गंभीर है। घटना के तीन दिन बाद अपनी चुप्पी तोड़ते हुए स्वाति मालीवाल ने एक्स पर लिखा कि मेरे साथ जो हुआ वो बहुत बुरा था। मेरे साथ हुई घटना पर मैंने पुलिस को अपना स्टेटमेंट दिया है। मुझे आशा है कि उचित कार्यवाही होगी। पिछले दिन मेरे लिए बहुत कठिन रहे हैं। जिन लोगों ने प्रार्थना की उनका धन्यवाद करती हूँ। जिन लोगों ने करेक्टर असैनिनेशन करने की कोशिश की, ये बोला की दूसरी पार्टी के इशारे पर कर रही है, भगवान उन्हें भी खुश रखे।

एफआईआर आईपीसी की धारा 308 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास) / 341 (गलत तरीके से रोकने के लिए सजा) / 354 बी महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से हमला या आपराधिक बल का प्रयोग / (506 आपराधिक धमकी के लिए सजा / 509 (शब्द, इशारा) या किसी महिला की गरिमा का अपमान करने के इरादे से किया गया कृत्य) के तहत दर्ज की गई है। एफआईआर की कॉपी से खुलासा हुआ है कि स्वाति मालीवाल को विभव कुमार ने सात से आठ थप्पड़ मारे, पेट पर वार किया। वो टेबल से टकराकर नीचे भी गिर गई। जिसको लेकर उनके सिर पर भी चोट आई। मालीवाल का एम्स ले जाकर मेडिकल करा लिया गया है। स्वाति मालीवाल की एक वीडियो फुटेज भी सामने आई जिसमें वो सही तरीके से चल भी नहीं पा रही हैं। पुलिस अब केजरीवाल के घर पर जाएगी और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाला जाएगा। मारपीट के आरोप इस पार्टी के ऊपर पहले भी लग चुके हैं। आज आम आदमी पार्टी के इतिहास पर नजर डालें तो पहले भी मारपीट के कलंक उनके ऊपर लग चुके हैं। 2015 में योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण और अरविंद केजरीवाल के बीच भयंकर बवाल छिड़ गया था। पार्टी दो फाड़ हो चुकी थी। आम आदमी पार्टी ने नेशनल एग्जीक्यूटिव की मीटिंग बुलाई थी। इस मीटिंग में क्या कुछ हुआ था खुद योगेंद्र यादव ने बताया था। उन्होंने आरोप लगाया था की मीटिंग में बाउंसर बुलाए गए और नेताओं से मारपीट की गई। योगेंद्र यादव ने तब चीख चीखकर कहा था कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लोकतंत्र की हत्या हुई है। यहां मारपीट चल रही है। हमारे साथ नेशनल काउंसिल के मेंबर रमजान चौधरी है। इनको काउंसिल की मीटिंग में से घसीटकर बाउंसर ने लात मारी। उनकी हड्डी में चोट पहुंची है। धक्का-मुक्की हुई है, लोगों को मारा गया। अरविंद केजरीवाल के मुख्य सचिव अंशु प्रकाश की पिटाई का प्रकरण आपको याद होगा। साल 2018 में मुख्य सचिव अंशु प्रकाश ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर पिटाई करने का आरोप लगाया था। इस मामले में ओखला से विधायक अमानतुल्लाह खान और देवली से विधायक प्रकाश जरवाल को तिहाड़ जेल की हवा भी खानी पड़ी थी। आरोप लगे थे कि अंशु प्रकाश पर केजरीवाल की मौजूदगी में उनकी पार्टी के विधायकों ने हमला किया था। इस मामले में सीएम और डिप्टी सीएम समेत कुल 13 आरोपी थे, जिनमें से 11 को बरी करने का आदेश कोर्ट ने दिया था। दरअसल, फरवरी 2018 में दिल्ली के मुख्य सचिव आईएएस अंशु प्रकाश ने आरोप लगाया था कि 19-20 फरवरी की दरम्यानी रात को उन्हें सीएम केजरीवाल के आधिकारिक आवास पर एक बैठक के नाम पर बुलाया गया। इस बैठक में सीएम अरविंद केजरीवाल, डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और आप विधायक अमातुल्लाह खान समेत अन्य कई विधायक मौजूद थे। 1986 बैच के आईएएस अंशु प्रकाश ने अपनी शिकायत में कहा था कि उन्हें आप सरकार के लिए किए जाने विज्ञापन को लेकर एक मीटिंग में बुलाया गया था। अंशु प्रकाश ने आरोप लगाया कि इसी बैठक में उनके साथ आप विधायक अमानतुल्लाह खान समेत अन्य ने उन पर हमला बोला। अंशु प्रकाश ने आरोप लगाया कि उनके मुंह और सर पर कई घूंसे मारे गए।

सुकमा में टेटराई तोलनाई के जंगल में मुठभेड़

डीआरजी जवानों ने नक्सली को मार गिराया, भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

सुकमा। बस्तर संभाग के सुकमा में जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। टेटराई तोलनाई के जंगल में तड़के सुबह डीआरजी जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। मुठभेड़ में डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) के जवानों ने एक नक्सली को मार गिराया। जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली जंगल की आड़ लेकर फरार हो गए। मुठभेड़ के बाद जंगल में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। उन्होंने बताया शुक्रवार रात को टेटराई तोलनाई के जंगल में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना मिली थी। इस इनपुट पर डीआरजी के जवान ऑपरेशन के लिए रवाना हुए। मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया। जिसका शव बरामद कर लिया गया है। नक्सली के शव के पास 1 बंदूक और भारी मात्रा में विस्फोटक मिला है। नक्सली की शिनाख्त कार्रवाई चल रही है। मुठभेड़ स्थल व आस पास एरिया की सर्चिंग जारी है।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ जवानों का अभियान युद्ध स्तर पर चल रहा है। शुक्रवार को सुरक्षाबलों ने गरियाबंद के कोदोमाली, इचराडी, गरीबा और सहबिनकछार गांवों के जंगलों में नक्सलियों के बड़े ठिकानों को तहस नहस कर दिया। गरियाबंद और ओडिशा की सीमा से सटे शोभा पुलिस थाने के जंगल से जवानों ने तीन आईईडी भी बरामद किया।

इससे पहले मंगलवार को नक्सल प्रभावित अबूझमाड़ के मोहंदी गांव में सुरक्षाबलों का नया कैंप

खोला गया। नए कैंप खुलने से एक तरफ एंटी नक्सल ऑपरेशन में तेजी आएगी तो दूसरी तरफ कैंप के आसपास के 5 किलोमीटर गांवों के लोगों को मूलभूत सुविधाएं जैसे सड़क, पानी, बिजली, स्कूल, अस्पताल की सुविधाएं मिलने लगेंगी। मोहंदी गांव ओरछा ब्लॉक, कोहकामेटा तहसील व थाना कोहकामेटा क्षेत्रान्तर्गत स्थित है। मोहंदी गांव में नया कैंप बनने से गांव वालों में सुरक्षा और उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है।

जवान व ग्रामीण के हत्या में शामिल 2 नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियाान के तहत हत्या की वारदात में शामिल फरार नक्सलियों की पता तलाश एवं सूचना के आधार पर जैगुर से 2 नक्सलियों दशरू आरकी(डीएकेएमएसअध्यक्ष) पिता सोमा आरकी उम्र 32 वर्ष निवासी जैगुर नरगोपारा थाना जांगला एवं मंगलू कवासी (मिलिशिया डिप्टी कमाण्डर) पिता मंगडू कवासी उम्र 30 वर्ष निवासी जैगुर डोंगरपारा थाना जांगला को गिरफ्तार किया गया है।

उक्त दोनों गिरफ्तार नक्सली 7 फरवरी 2024 को थाना जांगला क्षेत्रान्तर्गत बेंचरम में स्थापित जिओ मोबाइल टावर में आगजनी की वारदात एवं 18 फरवरी 2024 को छसबल कैम्प दरभा में पदस्थ छसबल का जवान तिजउ राम भुआर्य की नक्सलियों के स्माल एक्शन टीम द्वारा कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दिये थे, इस वारदात में भी शामिल थे। थाना कुटरू क्षेत्रान्तर्गत 08 मार्च 2024 को तेलीपेंठा के ग्रामीण पुसु हेमला की हत्या की वारदात में भी शामिल थे। गिरफ्तार नक्सलियों के कब्जे से मेमोरण्डम कथन के आधार पर घटना में प्रयुक्त आलाजरब बरामद किया गया। थाना जांगला में अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही उपरान्त शनिवार को न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

मोदी के संकल्प को पूरा करने हमें कृत संकल्पित होकर श्रम रूपी आहुति देनी होगी : अमर सुल्तानिया

जांजगीर । झारखंड राज्य के जमशेदपुर संसदीय क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी को विजयी बनाने जमशेदपुर लोकसभा के घाटशिला विधानसभा के छत्तीसगढ़ प्रवासी टोली के प्रभारी अमर सुल्तानिया के मार्गदर्शन में घाटशिला के विधानसभा कार्यालय में प्रबंधन समिति, कोर ग्रुप, मंडल अध्यक्ष, सभी मोर्चा अध्यक्ष एवं जिला पदाधिकारियों की बैठक ली गई।

इस दौरान घाटशिला विधानसभा प्रभारी अमर सुल्तानिया ने मार्गदर्शन देते हुए कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर पुरे देश में उत्साह का वातावरण बना हुआ है यही माहौल हमारे जमशेदपुर लोकसभा में भी है हमें इस चुनावी समर में बढ़ चढ़ कर भाग लेना है और मोदी जी के संकल्प अबकी बार चार सौ पार को पूरा करने के लिए अपनी श्रम रूपी आहुति देनी है। उन्होने कहा कि यह घाटशिला विधानसभा का सौभाग्य है कि देश एवं विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की सभा आपके ग्रामीण क्षेत्र में प्रस्तावित है ऐसे में आपकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। उन्होने यह भी कहा कि हम सभी को बूथ स्तर पर जाकर मोदी जी की सभा को भव्य व ऐतिहासिक बनाने के लिए एक लाख से ज्यादा आम जनता को इस ऐतिहासिक आयोजन में शामिल करने पुरी ताकत झोकनी है।

अमर सुल्तानिया ने आगे कहा कि लोकसभा चुनाव में घाटशिला विधानसभा में बड़ी बढत के लिए हमको शक्ति केन्द्र से लेकर बूथ स्तर तक तथा बूथ स्तर से प्रत्येक मतदाता के घर तक जाकर भाजपा एवं नरेन्द्र मोदी के पक्ष में मतदान करने की अपील करनी है।

बैठक के दौरान शक्ति केन्द्र से बूथ स्तर तक जाने की कार्य योजना बनाई गई जिसमें विधानसभा प्रभारी सुमन मंडल, संयोजक हराहर सिंह, सहसंयोजक बुद्धेश्वर भार्डी, सहसंयोजक संजय तिवारी, छ.ग. प्रवासी टोली के विधानसभा सहप्रभारी हितेश यादव, जिला उपाध्यक्ष मनोज प्रताप सिंह, दिनेश साव, राहुल पाण्डेय, हिमांशु मिश्रा सहित बड़ी संख्या में घाटशिला विधानसभा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दुर्ग आईजी रामगोपाल गर्ग ने लगाया दरबार

पुलिसकर्मियों की सुनी समस्याएं दिए जरुरी दिशा निर्देश

दुर्ग। दुर्ग रेंज आईजी रामगोपाल गर्ग ने वार्षिक निरीक्षण कार्यक्रम के तहत दरबार लगाया गया। जिसमें पुलिस अफसर समेत 100 से अधिक पुलिसकर्मी दरबार में शामिल हुए।आईजी रामगोपाल गर्ग से पहली बार रुबरु हुए पुलिस स्टॉफ ने अपनी समस्याएं बताईं। इस दौरान दुर्ग रेंज आईजी रामगोपाल गर्ग ने सभी पुलिसकर्मियों को निर्धारित वेशभूषा धारण करने के निर्देश दिए।

आईजी के मुताबिक जनता में अच्छी वेषभूषा धारण करने से पुलिस की छवि अच्छी बनती है। इसलिए ड्यूटी में व्यस्तता के बाद अच्छी वेशभूषा धारण करें।आम जनता के साथ सद्व्यवहार करें। इस दौरान अच्छा काम करने वाले अधिकारी और कर्मचारियों को पुरस्कृत करने की बात कही।

आईजी के मुताबिक थाने में यदि कोई व्यक्ति रिपोर्ट लिखवाने आता है तो उससे अच्छा व्यवहार किया जाए,आगन्तुक व्यक्ति को गाईड करें और इस सबंध में थाना प्रभारी को बताएं। थाना प्रभारी थाने में जाएं तो डीओ/एनओ अधिकारी/मुंशी/मददगार से जानकारी प्राप्त करें कि उनकी अनुपस्थिति में कोई आया तो नहीं था। उसके आधार पर कार्रवाई करें।इस दौरान आईजी ने अधिकारियों और कर्मचारियों की समस्याएं भी सुनीं।

रक्षित केन्द्र, दुर्ग के निरीक्षण के बाद पुलिस महानिरीक्षक, दुर्ग रेंज ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय, दुर्ग का निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय, दुर्ग के समस्त अधिकारी कर्मचारियों को अनियमितता नहीं बरतने हेतु हिदायत दिया गया।

चिरमिरी में गंदा पानी पीकर बीमार पड़ रहे लोग

■ सो रहे नेता और अफसर

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। चिरमिरी नगर पालिका को बने कई साल हो चुके हैं।लेकिन आज भी चिरमिरी के वार्डों में मूलभूत सुविधाएं इकट्ठी नहीं हो सकीं हैं।आज भी नगर पालिका के कई वार्ड ऐसे हैं जो गंदे हैं।कई वार्डों में पानी की समस्या खड़ी है। नगरपालिका में 40 वार्ड हैं।जहां करोड़ों रुपए खर्च करके पानी की पाइप लाइन बिछाई गई है।लेकिन आज भी कई घरों तक पीने का साफ पानी नहीं पहुंच सका है। वहीं जनप्रतिनिधि और नगर पालिक निगम चिरमिरी के कर्मचारी अधिकारी चिरमिरी क्षेत्र में पेयजल की गंगा बहाने की बात कह कर खुद की ही पीठ थपथपा रहे हैं। लेकिन नगर पालिका चिरमिरी का वार्ड क्रमांक 8 पलथाजाम के जैसे अनेक ऐसे वार्ड हैं, जहां पर के वार्ड वासी गंदा पानी पीने को मजबूर हैं।

वार्ड क्रमांक 8 की हालत ये है कि यहां रहने वाले रहवासी गंदा पानी पीकर अपना जीवन काट रहे हैं। इनकी समस्या को ना तो पार्षद सुनता है और ना ही अफसर। वार्ड क्रमांक 8 के कई बच्चे और रहवासी इसी गंदे पानी के कारण घातक बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। लेकिन इनके जीवन में गंदा पानी पीने के अलावा कोई दूसरा चारा नहीं है।एक तरफ चिरमिरी निगम लोगों के बीच पानी की गंगा बहाने की बात कहता है।लेकिन वार्ड क्रमांक 8 की तस्वीरें ये बताने के लिए काफी है कि गंगा की बातें कहना और उसका पानी जनमानस तक पहुंचाना आसान नहीं हैं।

चिरमिरी में पेयजल को लेकर स्थानीय निवासी पतिराज सिंह चौहान का भी कहना है कि नगर पालिका निगम चिरमिरी के 40 वार्ड में पानी की समस्या है। प्री

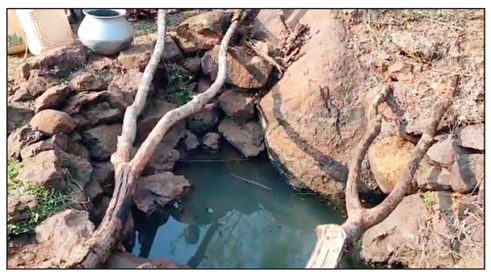

प्लानिंग पेयजल की व्यवस्था नहीं होने के कारण करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी हालात जस के तस हैं। ठेकेदारों ने पैसे कमाने के उद्देश्य से काम किया है।जिसके कारण योजना का लाभ रहवासियों को नहीं मिल सका है। चिरमिरी में आज कई ऐसे वार्ड हैं जहां के लोग दूषित पानी के भरोसे अपना जीवन काट रहे हैं। इस मामले में नगर पालिका निगम के नेता प्रतिपक्ष संतोष सिंह का कहना है कि निगम सरकार में भ्रष्टाचार हुआ है।

नेता प्रतिपक्ष संतोष सिंह ने कहा नगर पालिक निगम में विकास के नाम पर सिर्फ भ्रष्टाचार पसरा हुआ है।जनप्रतिनिधि से लेकर अफसर कमीशनखोरी के दलदल में आकंठ तक डूबे हैं।ऐसे में पेयजल की समस्या का निदान कैसे होगा।

वहीं दूसरी और नगर पालिका निगम चिरमिरी की पार्षद और कांग्रेस पार्टी की नेत्री बबीता सिंह का भी कहना है कि नगर पालिका निगम चिरमिरी पेयजल संकट को दूर करने के लिए बिना किसी प्लानिंग का काम करती है। वहीं इस पूरे मामले में नगर पालिका निगम आयुक्त ने आचार संहिता का हवाला देते हुए पल्ला झाड़ लिया है।

नक्सल दंपती ने सरेंडर के बाद 10वीं पास की, डिप्टी सीएम ने दी बधाई

कवर्धा। कबीरधाम जिले में पुलिस अधीक्षक डॉ। अभिषेक पल्लव के प्रयास से नक्सली न केवल मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं, बल्कि अब पढ़ाई लिखाई में भी विशेष ध्यान दे रहे हैं। साल 2021 में आत्मसमर्पण करने वाले दंपति लिबरू उर्फ दिवाकर और लक्ष्मी दिवाकर ने तकरीबन 12 वर्ष बाद दसवीं की ओपन परीक्षा दी, जिसमें दिवाकर 35 प्रतिशत अंकों के साथ पास हुए हैं।

बताया जा रहा है लिबरु उर्फ दिवाकर कोर्राम 14 लाख का इनामी नक्सली था। 2021 में लिबरु ने समाज के मुख्यधारा पर जुड़े और वह अब बहुत खुश है। पूर्व नक्सली लिबरु ने पुलिस की नौकरी करने की मंशा जताई है। वहीं आज डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने पूर्व नक्सल दंपति से वीडियो काल में बात कर बधाई दी और पुनर्वास योजना का विस्तार करने पुलिस अधीक्षक को निर्देशित किया। पुलिस अधीक्षक डॉ। अभिषेक पल्लव ने बताया कि आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए पुनर्वास योजना के तहत उन्हें मकान के लिए जमीन और पैसे देने का प्रावधान है। इसका लाभ मिलने से आने वाले दिनों में निश्चित ही अन्य माओवादी भी मुख्यधारा से जुड़ेंगे। उन्होंने बताया कि इस साल वनांचल में निवासरत 200 बैगा युवक युवतियों को भी ओपन परीक्षा का फार्म भरवाए गए, जिसमें अभी तक 140 बच्चों के पास होने की खबर है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

आईपीएल सट्टा कानून के हाथ सटोरियों की पहुँच से हुए दूर

खरसिया। आईपीएल के इस दौर में 2 माह से ज्यादा बीत जाने के बाद भी खरसिया पुलिस के हाथ अभी तक खाली है खरसिया क्षेत्र में चल रहे क्रिकेट सट्टे के अवैध काले कारोबार को देखकर ऐसा लग रहा है की पूरे छेत्र को इन कुख्यात सटोरियों के भरोसे छोड़कर प्रशासन आंख मूंदकर सो रहा है जिससे आम जनमानस में खाखी के प्रति विश्वास निरंतर घटता जा रहा है। गंज पीछे के छोटे छोटे बच्चे छत्तीसगढ़ से बाहर बैठकर आईपीएल सट्टा संचालित कर रहे है और कुछ लोग घर मे ही रहकर बैटिंग कर रहे है ऐसा नही है कि इसकी जानकारी पुलिस महकमा को नही है पूर्व में भी कुछ पर कार्यवाही हो चुकी है। आईपीएल की बैटिंग करने वालो पर प्रदेश भर में कार्यवाही की गूंज सुनाई दे रही है परंतु अभी तक खरसिया पुलिस के हाथ खाली नजर आ रहे है । ये कुख्यात सटोरिये ईडी आईटी वालो की आंखों में धूल झोंकर नगर व आसपास सिंडिकेट बनाकर सैकड़ो करोड़ की जमीन की खरीद फरोख्त कर अवैध प्लाटिंग कर रहे है। इसके साथ ही पुलिस वाले इन पर किसी प्रकार की कोई ठोस कार्यवाही नही करते।

क्रेशर संचालकों द्वारा बिना अनुमति हो रहा बोर ब्लास्टिंग

चांपा। जांजगीर चाम्पा जिला के बलौदा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बिरगहनी (च) में क्रेशर मशीन संचालित करने वाले खादान मालिकों के द्वारा अवैध रूप से ब्लास्टिंग की जा रही है। बिना अनुमति की जा रही अवैध ब्लास्टिंग के चलते खनिज संपदा को नुकसान हो रहा है। पिछले कई महीनों से की जा रही ब्लास्टिंग किए जाने के मामले की अनदेखी खनिज विभाग सहित प्रशासन द्वारा की जा रही है। जिला प्रशासन की ओर से ब्लास्टिंग की कोई अनुमति नहीं दी गई है। इसके बाद भी क्रेशर संचालक बेरोकटोक विस्फोट करने में जुटा हुआ है। ऐसे में बिरगहनी गांव की कई हेक्टेयर भूमि में गहरी खाइयां बन गई हैं। अवैध विस्फोट और खनन का यह जिले में पहला मामला नहीं है, पूरे क्षेत्र में इसी तरह की गतिविधियां संचालित हो रही हैं। चांपा जांजगीर मुख्य मार्ग के किनारे बोल्डर निकालने के चक्कर में क्रेशर संचालक द्वारा रोड के किनारे बड़ा गड्ढा कर दिया गया है। बरसात के दिनों में पानी भर जाने पर कभी भी हादसा हो सकता है। अवैध खदान में दिनदहाड़े हो रही ब्लास्टिंग से लोग डरे सहमे हैं।

हमसफर एक्सप्रेस में दो अतिरिक्त स्लीपर की सुविधा

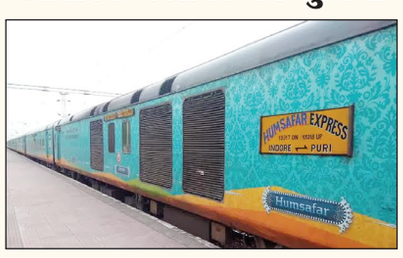

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफ़र्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर चलने वाली गाड़ी संख्या 20917/20918 इंदौर-पुरी-इंदौर हमसफर एक्सप्रेस में दो अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है। यह सुविधा गाड़ी संख्या 20917 इंदौर-पुरी हमसफर एक्सप्रेस में 21 मई को तथा गाड़ी संख्या 20918 पुरी-इंदौर हमसफर एक्सप्रेस में 24 मई को उपलब्ध रहेगी। इस सुविधा की उपलब्धता से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे।

सारंगढ़ में एक ही परिवार के 5 लोगों की हत्या

बलौदाबाजार/सारंगढ़-बिलाईगढ़। बलौदा बाजार से सटे सारंगढ़ में एक ही परिवार के 5 लोगों की हत्या का मामला सामने आया है। मृतकों में 3 महिला एक पुरुष और एक बच्चा शामिल है। हत्या की जानकारी के बाद पूरे क्षेत्र में खौफ का माहौल है। वहीं, हत्यारे ने भी खुदकुशी कर ली है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। ये पूरा मामला सलीहा थाना क्षेत्र का है। यहां के थारगांव में एक ही परिवार के पांच लोगों की हथौड़ा और टांगिया से वार कर बेरहमी से हत्या कर दी गई। हत्यारा मृतकों का पड़ोसी बताया जा रहा है, जिसने हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद खुदकुशी कर ली। फिलहाल इस हत्या के कारण का पता नहीं चल पाया है। वहीं, गांव में इस घटना के बाद से ही दहशत का माहौल है। गांव वालों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। बलौदाबाजार भाटापारा एएसपी अविनाश ठाकुर ने कहा सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले की ये घटना है। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर

जगदलपुर। जगदलपुर के परपा थाना क्षेत्र के हाईवे के पास एक तेज रफ्तार कार ने एक बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। वहीं, घायल को इलाज के लिए मेकाज अस्पताल लाया गया है। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि पामेला निवासी हरिराम मौर्य 30 वर्ष शनिवार की सुबह अपनी बाइक से सवार होकर पामेला से जगदलपुर की ओर सुबह नौ बजे के लगभग जा रहा था कि जैसे ही वह ठाबा के पास पहुंचा तो जगदलपुर की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में युवक को सिर, पैर, हाथ में गंभीर चोट आई है। घटना के बाद वाहन चालक मौके से भाग निकला, वहीं आसपास के लोगों ने मामले की जानकारी परपा थाना पुलिस के दी। घायल को बेहतर उपचार के लिए मेकाज लाया गया। जहां उसका इलाज जारी है।

रेडी टू ईट फूड पशु खाकर बन रहे हैं फिट, पशु आहार केंद्र में बिक रहे पैकेट

■ दोषियों पर नहीं हुई कार्रवाई

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ में सरकार ने मातृत्व शिशु मृत्यु दर कम करने के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों की मदद से रेडी टू ईट योजना शुरु की। जिसमें गर्भवती महिलाओं को अच्छी सेहत के लिए पौष्टिक आहार निशुल्क बांटा जाता है। इस योजना का मकसद सिर्फ इतना था कि जो माताएं आर्थिक तंगी झेल रही हैं कम से कम उन्हें गर्भावस्था में पोषण आहार मिल सके। ताकि जच्चा और बच्चा दोनों ही स्वस्थ्य हो। लेकिन इस योजना का बलौदाबाजार जिले में हाल ये है कि जो फूड गर्भवती माताओं को मिलना चाहिए,वो पशुओं का आहार बन रहा है। यानी रेडी टू ईट के पैकेट्स पशु आहार केंद्र में धड़ल्ले से बेचे जा रहे हैं। जिसे खाकर पशु अपना वजन बढ़ा रहे।

आंगनबाड़ी केंद्र में मिलने वाले रेडी टू ईट फूड की जानकारी जिम्मेदारों से की गई, तो उनकी नींद टूटी। शिकायत होने पर महिला एवं बाल विकास विभाग के अफसरों ने संबंधित पशु आहार केंद्र से 11 रेडी टू ईट फूड पैकेट की जब्ती की। आपको बता दें कि रेडी टू ईट फूट

के पैकेट में साफ तौर पर निर्देशित है कि इसे खरीदा या बेचा जाना दंडनीय अपराध है।फिर भी ये पैकैट्स पशु आहार केंद्र तक कैसे पहुंचे ये जांच का विषय है।

भाटापारा के रहने वाले शिकायतकर्ता सुरेश अग्रवाल का कहना है कि उन्होंने तीन माह पहले रेडी टू ईट फूड भाटापारा के बाजार में बिकने की शिकायत की थी।उन्होंने पांच पैकेट फूड बैच नंबर के साथ विभाग को दिया, लेकिन ना तो उस पर कोई जांच हुई और ना ही कोई कार्रवाई की गई। बाद में फिर उन्होंने शिकायत की तब भाटापारा के अग्रवाल पशु आहार केंद्र से विभाग के जिला अधिकारी आदित्य शर्मा ने 11 पैकेट फूड जब्त किया। जिसमें शिशु आहार, बाल आहार और महतारी आहार मिला था।

शिकायतकर्ता सुरेश अग्रवाल ने कहा जिस दुकान में जब्ती की कार्रवाई की गई उस दुकान में कार्रवाई के समय कम से कम 70 पैकेट फूड मौजूद था। अधिकारियों ने लेनदेन कर अपनी कार्रवाई में कम पैकेट की जब्ती दिखाई है।

इस मामले में हैरान करने वाली बात ये है कि अधिकारियों के पैकेट्स जब्त करने के बाद भी मामले की शिकायत पुलिस से नहीं की गई है।यही नहीं खुद भी अब तक अफसरों ने रिपोर्ट बनाकर कलेक्टर को नहीं सौंपी है।ऐसे में अब आरोप लग रहे हैं कि अधिकारी ही पशु आहार की दुकान चलाने वाले संचालक को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।इस पूरे मामले की जानकारी जब ईटीवी भारत को लगी तो महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी टिकवेंद्र जाटवार से सवाल पूछा गया।जिसमें जवाब मिला कि संबंधित मामले को थाने में भेजा जा रहा है। वहीं कलेक्टर केएल चौहान ने इस पूरे मामले की जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी से लेने का आश्वासन दिया है।

तेंदूपत्ता तोड़ने गई दो महिलाओं पर भालुओं ने किया हमला

■ दोनों को जिला मेडिकल कॉलेज में कराया गया भर्ती

कोरबा। कोरबा जिले के बालको वन परिक्षेत्र के टापरा गांव के शैगोंन जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ने गई दो महिलाओं पर दो भालुओं ने हमला कर दिया। घायल 50 वर्षीय फूलकुंवर और घायल 55 वर्षीय चंद्रमति दोनों बालको वन परिक्षेत्र के टापरा गांव की रहने वाली हैं। दोनों रिश्ते में मितानिन होते हैं और सुबह 9:00 बजे लगभग एक साथ तेंदूपत्ता तोड़ने गांव से लगे जंगल में गए हुए थे। तेंदूपत्ता तोड़ते समय अचानक भालुओं ने हमला कर दिया।

घायल फुलकुंवर खून से लतपथ किसी तरह घर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी दी इसके बाद घायल पड़ी महिला को घर लेकर आए और इसकी सूचना 112 और वन विभाग को दी गई। जहां मौके पर पहुंचे घायलों को वन कर्मियों के द्वारा जिला मेडिकल कॉलेज के लिए रवाना किया गया।

बालको वनपरी क्षेत्र के टापरा वित्त प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते हैं घटना स्थल पहुंचकर घटनाक्रम की जानकारी लिए वहीं गालुक अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनका बयान दर्ज कर उन्हें वन विभाग से मिलने वाली सहायता राशि रू. 500 प्रदान की गई।

संक्षिप्त समाचार

गिरौदपुरी जैतखाम को काटने पर बवाल दोषियों पर कार्रवाई करे सरकार: गुरु रुद्र

रायपुर। गिरौदपुरी धाम की घटना को लेकर

पूर्व मंत्री गुरु रूद्र कुमार ने प्रेसवार्ता ली। उन्होंने भाजपा सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा, भाजपा सरकार ने गिरौदपुरी के साथ हमेशा खिलवाड़ किया है। भाजपा सरकार आने के बाद मेला समिति का राजनीतिकरण किया गया। मेला शुरू होने से पहले समिति की बैठक भी नहीं ली गई। असामाजिक तत्वों ने जैतखाम को काट दिया है। गुरु रुद्र ने कहा, भाजपा सरकार से मांग करता हूं कि अतिशीघ्र उन दोषियों को पकड़ा जाए। कड़ी कार्रवाई की जाए। मैं गिरोधपुरी जाकर 11 सदस्यीय जांच कमेटी का गठन करूंगा। पूरे मामले की जांच की जाएगी।

तक्षशिला लाइब्रेरी पहुंचे कलेक्टर, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने का दिए टिप्स

रायपुर। रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने मोतीबाग परिसर स्थित तक्षशिला पुस्तकालय का निरीक्षण किए। उन्होंने लाइब्रेरी में पढ़ाई कर रहे युवाओं से लाइब्रेरी से जुड़े सुविधाओं और व्यवस्थाओं पर चर्चा की। कलेक्टर गौरव सिंह ने टैरिस एरिया में लाइब्रेरी के छात्र-छात्राओं के बीच पहुंचे और क्लास ली। जिसमें उन्होंने यूपीएससी और पीएससी की तैयारी कर रहे युवाओं को अनेक विषयों पर टू द पॉइंट कैसे तैयारी करना है बताया। खासकर भारतीय संविधान को व्यावहारिक तरीक़े से कैसे समझें एवं मस्तिष्क पटल पर लंबे अंतराल के लिए कैसे रखें, इसपर विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने आधुनिक इतिहास के बिंदुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि विषयों को रटे नहीं बल्कि कॉनसेप्ट क्लीयर करते हुए पढ़ाई करें। युवाओं ने चर्चा-परिचर्चा के दौरान कलेक्टर डॉ. सिंह से सवाल भी किए जिसका उन्होंने ने जवाब भी दिया। तक्षशिला लाइब्रेरी सभी सदस्यों के लिए जिन्होंने लाइब्रेरी की सदस्यता ग्रहण की हैं। सातों दिन 24 घंटा संचालित है।

रिश्वत मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई

रायपुर। संचालक नगर और ग्राम निवेश की ओर से सहायक संचालक (सर्वे) बालकृष्ण चौहान और क्षेत्रीय कार्यालय अंबिकापुर के सहायक मानचित्रकार नीलेश्वर कुमार ध्रुव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। संचालनालय नगर और ग्राम निवेश कार्यालय से जारी आदेश अनुसार, इन दोनों के खिलाफ रिश्वत लेने के अपराध में एन्टी करप्शन ब्यूरो ने गिरफ्तार किया है। अपचारी अधिकारी के खिलाफ धारा-7, पी.सी. एक्ट, 1988 संशोधित 2018 के तहत अपराध पंजीबद्ध किये जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। बालकृष्ण चौहान, सहायक संचालक (सर्वे) और नीलेश्वर कुमार ध्रुव सहायक मानचित्रकार, नगर तथा ग्राम निवेश, क्षेत्रीय कार्यालय अंबिकापुर को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 में निहित प्रावधानों के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में मूलभूत नियम के अंतर्गत नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। निलंबन अवधि में बालकृष्ण चौहान, सहायक संचालक (सर्वे) एवं नीलेश्वर कुमार ध्रुव, सहायक मानचित्रकार का मुख्यालय, कार्यालय संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, बिलासपुर निर्धारित किया जाता है।

निमोरा, गोंदवारा व बोरियाखुर्द में अवैध प्लाटिंग, जिला प्रशासन ने की कार्रवाई

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर जिले में अवैध प्लाटिंग पर निरंतर कार्रवाई की जा रही है। निमोरा, गोंदवारा और बोरियाखुर्द में अवैध प्लाटिंग पर रोक लगाते हुए कार्रवाई की गई है। अवैध प्लाटिंग करते हुए मुरूम का रास्ता बनाया गया था, जिसे जिला प्रशासन की टीम ने नष्ट किया और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान में राजस्व, पुलिस व ग्राम पंचायत की संयुक्त टीम का सहयोग रहा है।

उप-मुख्यमंत्री शर्मा ने किर्गिस्तान में रह रहे छत्तीसगढ़ के छात्रों से बात की

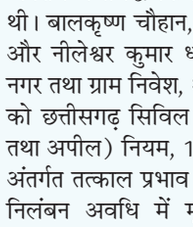

रायपुर। उप-मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने मध्य एशियाई देश किर्गिस्तान में हिंसा के समाचारों के बीच वहां मेडिकल की पढ़ाई करने गए छत्तीसगढ़ के छात्रों से फोन पर बात की। एक छात्र ने खुद को रायपुर का होना बताया। उप-मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने छात्रों से उनकी कुशलता जानी और किसी भी सहायता की आवश्यकता होने पर तत्काल संपर्क करने की बात कहते हुए अपना मोबाइल नंबर सेव करने के लिए कहा। उप-मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने छात्रों से उनके परिवारजनों का भी फोन नंबर मांगा और अपना नम्बर उन्हें भी देने के लिए कहा, ताकि उनसे भी संपर्क बनाए रखते हुए आवश्यक सहायता सुनिश्चित की जा सके।

कांग्रेस राजनीतिक तौर पर खोखली हो चुकी है : संजय श्रीवास्तव

■ **इस बार वही कार्यकर्ता और मातृशक्ति कांग्रेस को इतिहास के कूड़ेदान में डालने जा रही है, जिन्हें कभी भूपेश स्लीपर सेल और डहरिया इलेक्शन मटेरियल बता रहे हैं**

रायपुर। कांग्रेस और उसके नेतृत्व वाले घमंडिया गठबंधन के नेताओं को न तो देश-प्रदेश की मातृ-शक्ति के आत्म-सम्मान से कोई सरोकार है और न ही अपने कार्यकर्ताओं की भावनाओं की फिक्र रह गई है। कांग्रेस और इंडी अलायंस के गलियारों में पोषित इसी सत्तावादी अहंकार ने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को सत्ता से उखाड़ फेंका है और अब लोकसभा चुनाव में कांग्रेस व उसके सहयोगी दलों का गुरूर चूर-चूर होने जा रहा है। छत्तीसगढ़ में करारी शिकस्त खाने के बाद कांग्रेस नेता आज भी कार्यकताओं और नेताओं का केवल मखौल उड़ाने में लगे हैं। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने प्रदेश के पूर्व मंत्री शिव डहरिया के उस बयान पर कटाक्ष कर रहे थे, जिसमें डहरिया ने सिरसा (हरियाणा) में भाजपा के पक्ष में प्रचार करने गए कांग्रेस से त्यागपत्र देने वाले 11 नेताओं को इलेक्शन मटेरियल बताया है। इस लोकसभा चुनाव में तो वही कार्यकर्ता और मातृशक्ति कांग्रेस

को इतिहास के कूड़ेदान में डालने जा रही है, जिन्हें कभी भूपेश बघेल स्लीपर सेल और कभी डहरिया इलेक्शन मटेरियल बता रहे हैं और कांग्रेस में कदम-कदम पर जिनके अपमान की रोज एक कलंक कथा रची जा रही है।

श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस राजनीतिक तौर पर इतनी खोखली हो चुकी है कि कोई अपने ही कार्यकर्ताओं को स्लीपर सेल बताता है तो कोई इलेक्शन मटेरियल। एक परिवार की चाटुकारिता में लगी पूरी कांग्रेस के डीएनए में कार्यकताओं और महिलाओं को इस्तेमाल की चीज समझना रचा-बसा है। यही हाल पूरे घमंडिया गठबंधन का है। जिन कांग्रेस प्रत्याशी शैलजा के हक में डहरिया अपने कसीदे पढ़ रहे हैं, उन्हीं शैलजा को लेकर विधानसभा चुनाव की शिकस्त के बाद हुई घोर अपमानजनक टिप्पणियों पर डहरिया मुँह में दही जमाए क्यों बैठे थे? छत्तीसगढ़ में कांग्रेस शासनकाल में होने वाले बलात्कार को छोटी-मोटी घटना बताकर डहरिया ने जिस राजनीतिक संस्कृति का शर्मनाक प्रदर्शन किया था, उसे छत्तीसगढ़ भूला नहीं है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेत्री नगमा और %लड़की हूं, लड़ सकती हूँ के जुमले की पोस्टर गर्ल अर्चना गौतम से लेकर राधिका खेड़ा के साथ तक जिस शर्मनाक संस्कृति का परिचय दिया गया है, वह नितांत शर्मनाक था। अब अपने इंडी गठबंधन के सहयोगी दल आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल के साथ हुई मारपीट को लेकर किसी कांग्रेसी के मुंह से बोल तक नहीं फूट रहे हैं। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस की महिला नेत्रियों के साथ अवांछनीय व्यवहार हो तो आआपा उसे कांग्रेस का अंदरूनी मामला बताकर चुप्पी साध लेती है और आप सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट हो गई तो कांग्रेस एक लफ्ज तक नहीं कह रही है। गजब का शर्मनाक तालमेल इस घमंडिया गठबंधन में दिख रहा है।

बाल मनुहार के साथ आत्मीय पल को साझा किया साय ने

रायपुर। ओडिशा प्रवास से रायपुर लौटने के बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पुलिस ग्राउंड हेलीपैड में एक नन्हीं बच्ची से मुलाकात हुई। उन्होंने जब बच्ची का नाम पूछा तो उसने अपना नाम इनाया बताया। कवर्धा से आई इस बच्ची ने हैलीकाप्टर में घूमने की इच्छा ज़ाहिर की तो सीएम साय ने मुस्कुराकर कहा कि अभी शाम हो रही है आपको ज़रूर घूमाने ले जायेंगे। दोनों के बीच बहुत ही भावपूर्ण संवाद को देखकर वहाँ मौजूद सभी लोग मुस्कुराने लगे। बच्ची अपने परिजनों के साथ वहाँ हेलीकॉप्टर देखने आई थी।

श्री साय ने बच्ची के साथ हुए आत्मीय संवाद को अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर साझा करते हुए लिखा है कि उन नन्हें-नन्हें कदमों की बात कुछ और थी, उस नन्ही सी दोस्त से मुलाकात की बात ही कुछ और थी। आज शाम ढले ओडिशा से तीन जन सभाओं के बाद रायपुर के पुलिस हेलीपैड ग्राउंड पहुंचा तो नन्हीं सी बच्ची इनाया से मुलाकात हो गई। सुनहरी धूप सी खिली बच्ची को कौतूहल से हेलीकाप्टर निहारता देख कर खुद को उसके पास जाने से न रोक सका। तुतलाती जुबान से उसके मुख से निकले मिश्री जैसे शब्दो ने तो जैसे दिन भर की थकान को ही परे धकेल दिया। हालाकि शाम होने की वजह से हेलीकाप्टर में उडने की उसकी इच्छा तो पूरी न कर सका पर बिटिया से इसका वादा जरूर किया है। बाल मनुहार के साथ यह आत्मीय पल आप सभी के संग साझा करते हुए वात्सल्य से भरा महसूस कर रहा हूं। गौरतलब है कि विष्णु देव साय का नन्हें बच्चों के प्रति प्रेम किसी से छुपा नहीं है।

राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना का नाम बदलना भाजपा की घटिया राजनीति : बैज

■ **5 माह में एक भी मौलिक योजना शुरू नहीं कर पाई भाजपा सरकार अब नाम बदल रही है**

रायपुर। साय सरकार द्वारा राजीव गांधी ग्रामीण कृषि मजदूर न्याय योजना का नाम बदले जाने का कांग्रेस ने कड़ा विरोध किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि यह भाजपा की स्तरहीन राजनीतिक सोच है। पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने प्रदेश के खेतिहर भूमिहीन मजदूरों तथा पौनी पसारी का काम करने वाले ग्रामीण जनों के कल्याण के लिये राजीव गांधी ग्रामीण कृषि मजदूर न्याय योजना शुरू किया था। जिसके तहत भूमिहीन ग्रामीणों को पहले 7000 वार्षिक बाद में 10 हजार वार्षिक दिया जाता था। दुर्भाग्यजनक है कि साय सरकार 5 माह में जनकल्याण की कोई नई योजना शुरू नहीं कर पाई पुरानी सरकार की योजना का नाम बदलकर दीनदयाल भूमिहीन मजदूर न्याय योजना कर दिया। इस योजना से पौनी पसारी के लोगो को अलग करने का भी षड्यंत्र किया जा रहा है। योजनाओं का नाम बदलना सरकार के मानसिक दिवालियेपन को दर्शाता है। 5 माह में एक भी मौलिक योजना शुरू नहीं कर पाई भाजपा सरकार

अब नाम बदल रही है।

बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद जनकल्याणकारी योजनायें दम तोड़ चुकी है। किसानों को मिलने वाली राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किस्त नहीं दिया गया। गौठानों को बंद कर दिया गया जिससे 27 लाख से अधिक बहनें जो स्व-सहायता समूह के माध्यम से गौठानों में काम करती थी बेरोजगार हो गयी। 13800 से अधिक राजीव युवा मितान क्लबों को बंद कर दिया गया जिससे युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिये मिलने वाली एक लाख रू. की सहायता बंद हो गयी। बेरोजगार युवाओं को मिलने वाली बेरोजगारी भत्ता को बंद कर दिया। गोधन न्याय योजना और गोबर खरीदी बंद कर दिया गया। ग्रामीण रोजगार योजना के लिये चलाई जाने वाली रीपा रूरल इंडस्ट्रियल पार्क को बंद करने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है।

पीडिया नक्सली मुठभेड़ पर कांग्रेस की जांच पूरी, बैज बोले-

मुठभेड़ फर्जी, उच्चस्तरीय जांच कराए सरकार

■ **डिप्टी सीएम साव को भी दी चुनौती**

रायपुर। पीडिया नक्सली मुठभेड़ पर कांग्रेस की जांच पूरी हो गई है। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, जांच दल से जानकारी मिली है, मुठभेड़ फर्जी है। नक्सली बताकर ग्रामीणों को मारा गया था। साय सरकार से मांग है कि मुठभेड़ की उच्चस्तरीय जांच कराए। बता दें कि 10 मई को बीजापुर के पीडिया में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ हुइ थी, जिसमें 12 नक्सली मारे गए थे।

अरुण साव ने दीपक बैज के दिखाई नहीं देने की बता कही है। इस बयान पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने चुनौती दी है। बैज ने कहा, मैं चुनौती देता हूं कि 4 जून के बाद हम हर चौक चौराहे पर मिलेंगे। कांग्रेस पार्टी को ढूंढने की जरूरत नहीं पड़ेगी। भाजपा के लोग अस्पतालों में जाएंगे तो वहां भी कांग्रेसी मिलेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के तो

आंसू निकलने लगे हैं।

भाजपा ने 11 कांग्रेस के पूर्व सदस्य को प्रचार करने हरियाणा भेजा। राधिका खेरा को रायबरेली भेजा गया। इस मामले पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, शायद अगर टीम 11 बनाकर मणिपुर, कर्नाटक भेज देते तो बेहतर होता। भाजपा नौटंकी कर रही है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इंडिया गठबंधन की सरकार बन रही है। पीएम मोदी का हर हथियार फेल हो चुका है।

छत्तीसगढ़ में योजनाओं के नाम पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव के बयान पर पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने पलटवार किया है। बैज ने कहा, भाजपा के पास एक भी उपलब्धि नहीं है। केवल नाम बदलने के अलावा और कोई काम नहीं है। छग को कर्जा में डूबा दिया गया है। यह सरकार जनता पार्टी नहीं जनता को लूटने वाली सरकार है।

पहने अपने गिरेबान में झांके भाजपा : पीसीसी चीफ

स्वाति मालवीय विवाद पर पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा के आरोप पर कहा, एक ट्वीट मणिपुर की पीड़ित आदिवासी महिलाओं के लिए भी कर देते। महिला खिलाड़ियों और कर्नाटक की घटना पर कर देते तो अच्छा होता। राजनीति करना आसान है। भाजपा पहले अपने गिरेबान में झांके।

संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा के बाद अब ब्लॉक स्तर के अधिकारियों का होगा राज्य स्तरीय प्रशिक्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी में संभाग और जिले के अधिकारियों के पांच दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सत्र समापन पर शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग में प्रशासनिक कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए संभाग और जिले के अधिकारियों का प्रशिक्षण आवश्यक है। अब ब्लॉक स्तर के अधिकारियों का भी प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नियम कानून की जानकारी रहने पर ही सही निर्णय लिया जा सकता है। इससे काम तेजी से होगा और प्रगति दिखाई देगी।

सचिव परदेशी ने कहा अधिकारियों को यह जानना भी आवश्यक है कि कौन किस कार्यों के लिए सक्षम हैं। अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत दी गई। शक्तियों के अनुसार हमें निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग में पदोन्नति प्रक्रिया का अब अध्ययन करने की आवश्यकता है। स्कूल शिक्षा सचिव ने कहा कि बच्चों को रचनात्मक अवसर देने के लिए ज्यादा से ज्यादा समर कैंप का आयोजन किया जाए। अब हम बच्चों और शिक्षकों के लिए त्वरित उचित निर्णय लेंगे। उन्होंने आगे कहा कि पांच दिवस का प्रशिक्षण प्राप्त कर कुशल प्रशिक्षक बन गए हैं। अब विकासखंड शिक्षा अधिकारियों सहित सभी ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को अपने स्तर पर प्रशिक्षण आयोजित कर सकते हैं।

संचालक लोक शिक्षण दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान का उपयोग बेहतर तरीके से करेंगे। अब शत प्रतिशत योजनाओं को गति देने में आसानी होगी संभाग और जिले के शिक्षा अधिकारियों पांच दिन में रिफ्रेश होकर नई ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे। प्रशासन अकादमी के डायरेक्टर टीसी महावर ने कहा कि विभाग की आवश्यकता अनुसार प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों से अनुशासन में रहकर नियमों का पालन किए जाने की अपेक्षा करते हुए कार्यालय की प्रबंधन क्षमता और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने का सुझाव दिया।

रायपुर जिला प्रशासन ने शुरू किया नि:शुल्क समर कैम्प

19 विधाओं में अनुभवी शिक्षक दे रहे बच्चों को प्रशिक्षण

रायपुर। जिले के छात्र-छात्राओं के लिए जिला प्रशासन की ओर से नि:शुल्क समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कैंप की शुरुआत शनिवार को कलेक्टर डॉ। गौरव कुमार सिंह ने की। कैंप के लिए अब तक 600 से ज़्यादा छात्र-छात्राओं ने पंजीयन करा लिया है।

जिला प्रशासन द्वारा आयोजित समर कैम्प 18 से 31 मई चलेगा, जिसमें अनुभवी शिक्षकों द्वारा बच्चों को 19 विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस समर कैंप को लेकर बच्चों में भारी उत्साह है, काफ़ी बच्चे बढ़-चढ़कर हिस्सा भी ले रहे है। जेआर दानी शासकीय उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय कालीबाड़ी में पंजीयन सुबह 7 से 10 बजे के मध्य करा सकते हैं।

कैंप में स्पोकन इंग्लिश, कैलीग्राफी, रूबिक्स, सांइस मॉडल, हैंडीक्राफ्ट, योगा एवं ध्यान, बेस्ट आउट ऑफ़ बेस्ट, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंट, पेंटिंग, बांसुरी वादन, नृत्य गायन, कठपुतली, मेहंदी, शतरंज, रोप स्कीपिंग, बॉलीबॉल, खो-खो, फुटबॉल, ताईक्वाण्डो जैसे अनेक विधाओं को शामिल किया गया है।

कलेक्टर डॉ। गौरव कुमार सिंह ने बताया कि इस समर कैम्प के दौरान बच्चों द्वारा निर्मित वस्तुओं का जून में चिल्ड्रेन मार्केट के माध्यम से विक्रय भी किया जाएगा जिससे इंटर्नशिप की भावना और संवाद करने की विधा में बच्चों में निपुर्णता आएगी।

कलेक्टर डॉ। गौरव कुमार सिंह ने कहा कि स्कूल की गर्मी छुट्टी में समय का सदुपयोग करते हुए बच्चों को रचनात्मकता की ओर ले जाने के लिए बेहतर प्रयास किया गया है और समर कैम्प की शुरुआत की गई जिस दौरान नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, ज़िला पंचायत सीईओ विश्वदीप सहित भारी संख्या में पालक एवं बच्चे उपस्थित रहे।

पटनायक सरकार से जनता परेशान, ओडिशा में होगा परिवर्तन: साव

रायपुर। ओडिशा में शनिवार शाम को चुनावी शोरगुल थम गया। ओडिशा से लौटे उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, 24 साल से नवीन पटनायक की सरकार है, लेकिन ओडिशा की जनता परेशान है। चारों ओर भ्रष्टाचार का वातावरण है। लोग काम की तलाश में दूसरे राज्यों में जा रहे हैं। माता बहनों की सुरक्षा की व्यवस्था नहीं है इसलिए ओडिशा की जनता इस बार परिवर्तन चाह रही है।

डिप्टी सीएम साव ने कहा, छत्तीसगढ़ की योजनाओं की चर्चा ओडिशा में निचले स्तर तक हो रही है। ओडिशा में भाजपा की सरकार बनने वाली है। छत्तीसगढ़ की योजनाओं का ओडिशा में चर्चा को लेकर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा, ओडिशा हमारा पड़ोसी राज्य है, यहां छत्तीसगढ़ की योजनाओं की चर्चा बहुत है।

आम आदमी पार्टी की सांसद

स्वाति मालीवाल घटना पर अरुण साव ने कहा, अभी हमने देखा कि कांग्रेस पार्टी के कार्यालय में किस तरह से एक बेटी के साथ अपमानजनक व्यवहार हुआ। अब केजरीवाल के निवास पर राज्यसभा के सांसद जैसे सम्माननीय पद को धारण करने वाली बेटे के साथ अपमानजनक स्थिति हुई है। यह ये बताता है कि इंडी गठबंधन वाले लोग माताओं बहनों का कितना सम्मान करते हैं। चाहे राधिका खेड़ा की बात हो या स्वाति मालीवाल, पार्टी ही इनके साथ खड़े नहीं होती। ये अत्यंत दुर्भाग्य जनक है। स्वाति मालीवल के साथ आप पार्टी षड्यंत्र कर रही है।

कांग्रेस के वनवासी कल्याण आश्रम को भाजपा की शरणस्थली बताने पर डिप्टी सीएम साव ने कहा, ये कांग्रेस की मानसिक स्थिति को दर्शाता है। पांच साल में कुछ नहीं दिखा। पांच साल में नक्सलियों को पाला पोसा। अब कांग्रेस सत्ता से बाहर है। अब करवाई हो रही तो दर्द हो रहा है। ये नक्सलियों से कांग्रेस के संबंध को दर्शाता है।

भाजपा के वास्तुदोष वाले पोस्टर पर डिप्टी सीएम साव ने कहा, जब से कांग्रेस पार्टी को जनता ने अपदस्थ किया है, शासन से कांग्रेस के नेता अनावश्यक बयानबाजी कर रहे हैं। चाहे वो नक्सलवाद या अन्य विषय हो। लोकसभा चुनाव में भी करारी शिकस्त कांग्रेस को मिलने वाली है। जिस तरह की बयानबाज़ी कांग्रेस कर रही है ये इनके मस्तिष्क दोष की दिशा में संकेत करता है। छत्तीसगढ़ में योजनाओं का नाम बदलने पर अब बवाल मचा है।

राजीव गांधी भूमिहीन मजदूर योजना का नाम बदलकर दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर रखा। इस पर कांग्रेस के आरोपों पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने पलटवार करते हुए कहा, कांग्रेस सरकार ने 5 साल में नाम बदलने के अलावा कोई काम नहीं किया। भाजपा सरकार की सभी योजनाओं का नाम बदलकर चलाया। हमारी सरकार अच्छा काम कर रही है तो वे बयानबाजी कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कार्यालय में वास्तुदोष पर छत्तीसगढ़ में गरमाई सियासत

रायपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कार्यालय में वास्तुदोष पर छत्तीसगढ़ में सियासत गरमा गई है। छत्तीसगढ़ भाजपा ने सोशल मीडिया में कार्टून पोस्ट कर कांग्रेस पर तंज कसा है। कांग्रेस ने कार्टून पोस्ट पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा मतिहीन हो गई है।

छत्तीसगढ़ भाजपा ने सोशल मीडिया में अपने कार्टून पोस्ट एमपी कांग्रेस के हार का कारण ऑफिस का वास्तुदोष को ठहराए जाने का जिक्र किया है, वहीं छत्तीसगढ़ में नक्सली एनकाउंटर पर सवाल उठाए जाने की खबर के साथ कांग्रेस नेताओं कहते नजर आ रहे हैं कि हमारे यहां (कांग्रेस में) मस्तिष्क दोष है।

भाजपा के कार्टून पोस्टर पर पलटवार करते हुए कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा का पोस्टर स्तरहीन है। भाजपा मतिहीन का शिकार हो गई है। चार चरण के चुनाव में भाजपा की विदाई सुनिश्चित हो चुकी है। 11 सीटों में खाता न खुलने की स्थिति में है। नक्सली बताकर ग्रामीणों को मारा जा रहा है, जिसका ग्रामीण विरोध कर रहे हैं। विपक्ष के नाते जनता का आवाज बुलंद करना हमारा कर्तव्य है।

अब आर या पार के मुहाने पर पहुंचा चुनाव

अमिताभ श्रीवास्तव

लोकसभा चुनाव के लिए मतदान पांचवें और महाराष्ट्र के आखिरी चरण में 13 लोकसभा सीटों पर होगा। मुंबई और आस-पास के क्षेत्र से जनप्रतिनिधि चुने जाएंगे। किंतु राज्य की 35 सीटों पर मतदान हो चुकने के बावजूद 13 निर्वाचन क्षेत्रों पर सभी दलों ने विशेष ध्यान केंद्रित कर लिया है। कांग्रेस, दोनों राकांपा, दोनों शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी के सर्वोच्च नेताओं ने अंतिम मुकाबले को प्रतिष्ठापूर्ण बना कर अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। राज्य के इतिहास में यह पहला ही मौका है कि प्रधानमंत्री से लेकर विपक्ष के नेताओं तक सभी एक दिन, एक ही अवसर पर मुंबई में आमने-सामने आए। इस चुनौती का नतीजा भले ही कुछ निकले या न निकले, किंतु राज्य की राजनीति को भविष्य की दिशा जरूर दिख रही है, जिसमें कुछ महीनों बाद विधानसभा चुनावों को आगे बढ़ते देखा जाएगा। महाराष्ट्र में विदर्भ से आरंभ हुआ लोकसभा चुनाव पश्चिम महाराष्ट्र से मराठवाड़ा, खानदेश होता हुआ उत्तर महाराष्ट्र के मार्ग से मुंबई पहुंचा है। अब अंतिम लड़ाई आर या पार की है। राज्य में हो रहा यह चुनाव केवल लोकसभा के लिए ही नहीं हो रहा है। इसमें अनेक दलों का भविष्य भी दांव पर लगा हुआ है। इस बार विभाजित शिवसेना के दो भाग शिवसेना (उद्धव ठाकरे) और शिवसेना (एकनाथ शिंदे), टूटी राकांपा के दो हिस्से राकांपा (अजित पवार) और राकांपा (शरद पवार) आपस में एक-दूसरे से मुकाबला कर रहे हैं। एक तरफ जहां कांग्रेस से 17 सीटों पर गठबंधन कर उद्धव ठाकरे की पार्टी 21, शरद पवार का दल 10 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ भाजपा से 28 सीटों पर तालमेल कर शिवसेना के शिंदे गुट को 15, राकांपा के अजित पवार गुट को राष्ट्रीय समाज पार्टी की एक सीट मिलाकर पांच सीटें मिली हैं। इन सीटों के बंटवारे के आधार पर दोनों टूटी शिवसेना पिछले चुनाव की तुलना में बेहतर स्थिति में हैं। वहीं टूटी दोनों राकांपा पिछले आम चुनाव की तुलना में नुकसान की स्थिति में हैं। अब चुनाव परिणामों के बाद दोनों की जीत-हार विभाजन के फैसले पर मुहर लगाएंगे। उसके साथ ही गठबंधन के परिणामों की समीक्षा भी होगी। अगले तीन-चार माह बाद होने वाले विधानसभा चुनाव की रूपरेखा तय होगी। आपसी लाभ-हानि की समीक्षा होगी। यही वजह है कि दोनों ही गठबंधन एक साथ मिलकर अपनी पूरी ताकत झोंकने में लगे हैं, ताकि परिणामों पर कोई आंच न आने पाए। यदि राजनीतिक इतिहास देखा जाए तो कांग्रेस और शिवसेना दोनों ने ही अपनी जमीन को हमेशा मजबूत रखा है। भाजपा को सही आधार नब्बे के दशक के आखिर से मिला और ऊंचाई केंद्र में सरकार बनने के बाद ही समझ में आई। किंतु कांग्रेस और शिवसेना दोनों ने विभाजन का लगातार सामना किया। कांग्रेस से अलग-अलग होकर बने दल हर बार गठबंधन में साथ रहे या फिर विलय तक जा पहुंचे। वहीं शिवसेना का विभाजित अंग कभी पार्टी में विलय की नौबत तक नहीं पहुंचा। ताजा समीकरणों में शिवसेना टूट को लेकर किसी किस्म की सुलह या फिर विलय की संभावना नहीं बनती है, लेकिन राकांपा की टूट के भविष्य का अंदाज फिलहाल लगाया नहीं जा सकता है। इसी कारण शिवसेना उद्धव गुट, राकांपा शरद पवार गुट और कांग्रेस अपनी क्षमताओं का जनमानस के मन-मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभाव से आकलन कर रहे हैं। यही नहीं, इसमें कांग्रेस और भाजपा भी अपने गठबंधन के भविष्य के परिणामों की समीक्षा करने पर मजबूर हैं। राज्य की राजनीति में आम तौर पर दो ही गठबंधन सामने रहे हैं, जिनमें से एक धर्म निरपेक्ष चेहरे के तौर पर रहा और दूसरा भगवा छवि के साथ दिखाई दिया। वर्तमान समय में दोनों ही छवि को बनाए रखने की कोशिश में हैं। किंतु एक तरफ जहां महागठबंधन राकांपा के अजित पवार गुट के साथ है, तो महाविकास आघाड़ी शिवसेना जैसे कट्टर हिंदुत्व की भावना को लेकर चलने वाले दल के रूप में है। लोकसभा चुनाव में इन सभी दलों को विपरीत विचारधारा के साथ चलने के परिणामों से दो-चार होना पड़ा। भविष्य में विधानसभा चुनाव में भी यही भावना असर करेगी। जब बात विधानसभा चुनाव की आएगी तो महाविकास आघाड़ी को अपने तीन दलों के प्रदर्शन के आधार पर ही चुनाव मैदान पर उतरना होगा।

सवाल एक महिला सांसद के सम्मान का

संजय तिवारी

जब किसी के साथ कोई घटना होती है और वह इसकी शिकायत पुलिस में करता है तो उसे यह बताना होता है कि उसके साथ क्या हुआ और कहां पर हुआ। दिल्ली पुलिस में दर्ज एफआईआर में राज्यसभा सांसद स्वाती मालीवाल के साथ हुई मारपीट का विवरण तो है ही लेकिन उनके साथ ये घटना कहां हुई, उसकी जगह दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास का पता दर्ज है।

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में संभवत: यह पहली घटना है जब किसी के साथ हुई मारपीट और हिंसा के लिए उसने मुख्यमंत्री आवास का पता दर्ज कराया है। वह भी यह शिकायत करनेवाला कोई सामान्य नागरिक या विरोधी दल का कार्यकर्ता नहीं है। पीड़ित महिला उनकी अपनी ही पार्टी की एक सम्मानित नेता और राज्यसभा सांसद है।

यह घटना निश्चित रूप से एक महिला सांसद और किसी भी राज्य के सीएम हाउस के सम्मान के खिलाफ है। क्या प्रधानमंत्री आवास या मुख्यमंत्री आवास में अगर इस तरह मारपीट या हिंसा की घटना हो तो उसे किसी भी आधार पर सही ठहराया जा सकता है? वह भी तब जब ऐसी घटना किसी पारिवारिक सदस्य के बजाय पार्टी की एक सांसद के साथ हो?

स्वाती मालीवाल ने जो एफआईआर दर्ज करवायी है उसमें उन्होंने यह तो नहीं बताया है कि वो सीएम हाउस में मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल से मिलने क्यों गयी थीं, लेकिन जब वो वहां पहुंची तो उनके साथ क्या हुआ इसे उन्हें विस्तार से एफआईआर में लिखवाया है। एफआईआर के मुताबिक वो सीएम से मिलने गयीं और घर के अंदर उस जगह इंतजार करने लगीं जहां सीएम केजरीवाल लोगों से मिलते जुलते हैं।

मुख्यमंत्री के सहयोगियों द्वारा उन्हें बताया गया कि आप थोड़ी देर इंतजार करिए, जल्द ही सीएम साहब आपसे मिलेंगे। वो बैठक में इंतजार करती रहीं इतने में सीएम के निजी सहायक बिभव कुमार वहां आते हैं और गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरु कर देते हैं। मारपीट करते हुए वो लगातार धमकियां भी देते रहते हैं मानों स्वाती मालीवाल से कुछ करने के लिए कहा गया था, जिसे वो करने के लिए तैयार नहीं थीं। इसी के कारण न सिर्फ उनके साथ गाली गलौज की जाती है बल्कि एफआईआर के मुताबिक उनके ऊपर लात

घूसों से प्रहार भी किया जाता है।

एफआईआर में लिखा है तू कैसे हमारी बात नहीं मानेंगी। कैसे नहीं मानेगी? (गाली) तेरी औकात क्या है कि हमको ना कर दे? समझती क्या है खुद को नीच औरत। तुझे तो हम सबक सिखायेंगे। एफआईआर के मुताबिक इतना कहकर बिभव कुमार ने स्वाती मालीवाल पर थप्पड़ों की बारिश कर दी। सात आठ थप्पड़ मारने के बाद बिभव कुमार ने स्वाती मालीवाल के शर्ट को पकड़कर खींच लिया जिसके कारण न केवल उनके शर्ट की बटन टूट गयी बल्कि उनकी शर्ट भी खुल गयी।

एफआईआर में स्वाती मालीवाल ने लिखवाया है कि वो लगातार मदद के लिए चिल्लाती रहीं लेकिन सीएम हाउस में कोई उनकी मदद के लिए सामने नहीं आया जबकि उस समय मुख्यमंत्री केजरीवाल सहित उनके दर्जनों स्टाफ और सिक्योरिटी पर्सनल सीएम हाउस में मौजूद था। आखिरकार जब स्वाती मालीवाल ने यह कहा कि उसका %पीरियड% चल रहा है इसलिए भगवान के लिए उसे छोड़ दो, तब जाकर बिभव कुमार ने उसे मारना बंद किया।

स्वाती मालीवाल द्वारा दर्ज एफआईआर में आगे लिखा है कि उन्होंने अपना चश्मा उठाकर लगाया। शर्ट व्यवस्थित की और वहीं सोफे पर बैठ गयीं। इसके बाद गेट पर तैनात सिक्योरिटी को अंदर बुलाया गया जिसने उनको वहां से चले जाने के लिए कहा। इस घटना से जुड़ा वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। इसी वीडियो की आड़ में कुछ लोग यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि सीएम हाउस में स्वाति के साथ बहुत %सभ्य व्यवहार% हुआ था।

इस पूरे घटनाक्रम में जो चौंकानेवाला तथ्य है वह यह कि जब सीएम केजरीवाल खुद उस समय सीएम हाउस में मौजूद थे तब उन्होंने यह सारा घटनाक्रम कैसे हो जाने दिया? सवाल यह भी है कि लगभग बीस साल से केजरीवाल के साथ काम कर रही स्वाति मालीवाल को ऐसा क्या करने के लिए कहा जा रहा था जिससे इन्कार करने के कारण उन्हें इस तरह से शारीरिक प्रताड़ना दी गयी?

जो लोग आज उन्हें बीजेपी का एजंट बता रहे हैं उन्हें यह समझना चाहिए कि इतना सब होने के बाद स्वाति मालीवाल सीधे पुलिस स्टेशन नहीं गयीं। उन्होने एफआईआर भी तीन दिन बाद लिखवाई जब उन्हें यह समझ में आ गया कि पार्टी फोरम पर उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। स्वाती मालीवाल न केवल एनजीओ के दिनों से केजरीवाल के साथ हैं बल्कि वो पार्टी लाइन पर चलनेवाली महिला रही हैं। अपने काम और बयान से उन्होंने हमेशा बीजेपी को असहज किया है। इसलिए यह कहना कि आज वो बीजेपी के इशारे पर काम कर रही हैं उनकी चोट पर मरहम के बजाय नमक रगड़ने जैसा काम होगा।

तीस हजारी कोर्ट में उनकी पेशी का वीडियो हो या मेडिकल रिपोर्ट। उन्हें देखकर और उनकी रिपोर्ट दोनों यह साफ साफ बता रही हैं कि उनके साथ मारपीट की गयी है। मेडिकल रिपोर्ट में बताया गया है कि उनके चेहरे और बायें पैर में अंदरुनी चोट लगी है। उनके चलने के अंदाज से भी लग रहा है कि उन्हें भीषण शारीरिक कष्ट से गुजरना पड़ा है जिससे अभी भी वो उबर नहीं पायी हैं।

यह सब देखकर भी अगर कोई उन्हें किसी पार्टी के इशारे पर काम करनेवाला ठहराये तो यह उसकी राजनीतिक चालाकी होगी और कुछ नहीं। अपने सोशल मीडिया एकाउण्ट पर स्वाति मालीवाल ऐसे लोगों को जवाब दे भी रही हैं जो उन्हें बीजेपी का एजंट ठहरा रहे हैं। उन्हें ट्वीट किया है कि एक गुण्डे को बचाने के लिए उनके साथ यह सब किया जा रहा है।

किसी पार्टी की अंदरुनी राजनीति क्या है इससे देश के लोगों को कुछ लेना देना नहीं होता। लेकिन यहां सवाल एक महिला सांसद की सीएम हाउस में हुई पिटाई से जुड़ा है। अगर पार्टी फोरम पर ही इस मामले को निपटा लिया गया होता तो संभवत: स्वाति मालीवाल पुलिस के पास भी नहीं जातीं। लेकिन अब वो पुलिस के पास पहुंच चुकी हैं और एफआईआर दर्ज हो चुकी है। बाकी पुलिस जांच में सामने आयेगा कि सीएम हाउस में उनके साथ क्या हुआ।

लेकिन यह देश के हर नागरिक के लिए शर्म से सिर झुका देने वाली घटना है। अगर किसी सीएम हाउस में किसी महिला सांसद के साथ इस तरह की मारपीट हो सकती है तो नारी सम्मान और नारी अधिकार के राजनीतिक नारे का क्या मतलब रह जाएगा? वैसे भी राजनीति में नैतिकता उस अनाथ बच्चे की तरह होती है जिससे प्यार तो सभी करते हैं लेकिन अपने साथ कोई नहीं रखना चाहता। अतीत में भी राजनीति पूरी तरह से नैतिक रही होगी इसे दावे से नहीं कहा जा सकता लेकिन जैसे जैसे भारत में लोकतंत्र मजबूत हो रहा है नैतिकता कमजोर पड़ती जा रही है।

दिल्ली के सीएम हाउस में स्वाति मालीवाल के साथ 13 मई को हुई मारपीट एक ऐसी ही घटना है जो एक नागरिक के तौर पर हमें शर्म से भर देती है। जिन सरकारी घरों की ओर हम इतने सम्मान से देखते हैं, जहां हमारे द्वारा चुने गये जनप्रतिनिधि जाकर निवास करते हैं अगर उन घरों के भीतर यह सब होता है जो एक राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ हुआ तो एक नागरिक का आत्मविश्वास टूटता है। इस पर सभी राजनीतिक दलों को ध्यान देने की जरूरत है कि नारी सम्मान या अधिकार की बात सिर्फ राजनीतिक नारेबाजी न हो बल्कि राजनीतिक लोग उसका पालन सबसे पहले अपने आचरण और व्यवहार से करके दिखायें।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगचूडामणि उपनिषद् (भाग-6)

गतांक से आगे...

योग के साधक को मधुर और स्निग्ध भोजन ही लेना चाहिए, (आधा पेट भोजन, चौथाई पानी तथा) चौथाई भाग खाली रखे। इस प्रकार भगवान् को समर्पित करके जो भोजन करता है, उसे मिताहारी कहते हैं।

आठ कुण्डलों वाली कन्द के ऊर्ध्वभाग में जो कुण्डलिनी शक्ति है, वह योगियों के लिए मोक्ष देने वाली तथा अज्ञानियों के लिए बन्धनकारक कही गई है। महामुद्रा, नभोमुद्रा, उड्डियान बन्ध, जालन्धर बन्ध और मूलबन्ध को जो जानता है, वह योगी मुक्ति को प्राप्त करता है। एड़ी से दबाव डालकर योनि (सीवन) स्थान को पीड़ित करते हुए दृढ़तापूर्वक संकुचित करे, अपान वायु को ऊपर की ओर खींचने की इस प्रक्रिया को मूलबन्ध कहा जाता है।

इस प्रकार प्राण और अपान को एक में मिलाया जाता है, इससे मल-मूत्र कम हो जाता है। इस प्रकार मूलबन्ध का अभ्यास करने से वृद्ध भी युवा हो जाता है।

महापक्षी (गिद्ध आदि) जिस प्रकार विश्राम के लिए (आकाश में अत्यधिक ऊँचे) उड़ते हैं, उसी तरह उड्डियान बन्ध का अभ्यास मृत्यु रूपी हाथी को पछाड़ने के लिए सिंह के समान है। (बड़े पक्षियों को एक विशेष प्रकार से उड़ने में विश्राम प्राप्त होता है, जिससे उन्हें शक्ति प्राप्त हो जाती है)। पेट को नाभि के नीचे तानना अर्थात् खींचना पश्चिमोत्तान कहलाता है। वहीं पेट में यह उड्डियान बंध भी किया जाता है। जो शरीर में नीचे की ओर प्रवहमान आकाश-जल (खेचरी मुद्रा द्वारा क्षरित होने वाला) को शिरोभाग में रोककर रखता है, उसे जालंधर बंध कहते हैं, यह दु:खों और कष्टों का नाश कर देता है। जालन्धर बंध में सामने की ओर सिर झुकाकर गले से नीचे ठोढ़ी को हृदय से स्पर्श करना होता है।

क्रमश: ...

सुमित्रानंदन पंत एक युगांतकारी साहित्यकार थे

ललित गर्ग

सुमित्रानंदन पंत का जन्म अल्मोड़ा जिले के कौसानी नामक ग्राम में 20 मई 1900 ई. को हुआ। उनका निधन 28 दिसम्बर 1977 को हुआ। सुमित्रानंदन पंत के जन्म के मात्र छ घंटे के भीतर ही उनकी मां का देहांत हो गया और उनका पालन-पोषण दादी के हाथों हुआ। वर्ष 1930 में हुए नमक सत्याग्रह के दौरान वह देश सेवा के प्रति गंभीर हुए। इस दौरान संयोगवश उन्हें कालाकांकर में ग्राम जीवन के अधिक निकट संपर्क में आने का अवसर मिला। उस ग्राम जीवन की पृष्ठभूमि में जो संवेदन उनके हृदय में अंकित होने लगे उससे उनके भीतर काव्य रचना और जीवन संघर्ष में दिलचस्पी घर करने लगी। उन्होंने सात वर्ष की उम्र में ही कविता लिखना आरंभ कर दिया था। उनकी प्रमुख रचनाओं में उच्छवास, पल्लव, मेघनाद वध, बूढ़ा चांद आदि शामिल हैं।

भारतीय संस्कृति, जीवनमूल्य एवं राष्ट्रीय जीवन को निर्मित करने में साहित्य की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हिन्दी साहित्य के आरंभ और विकास में कई महान कवियों और रचनाकारों ने अपना योगदान दिया है, जिनमें से एक हैं छायावादी युग के चार स्तंभों में से एक सुमित्रानंदन पंत। पंत नए युग के प्रवर्तक के रूप में जाने जाते हैं, वह मुख्यत: भारतीय सांस्कृतिक पुनर्जागरण की आदर्शवादिता से प्रेरित थे। जहां तक जीवन की पहुंच है, वहां तक साहित्य का क्षेत्र है। सुमित्रानंदन पंत अपने समय के ही नहीं, इस शताब्दी के प्रख्यात राष्ट्रीय कवि, विचारक, राष्ट्रवादी और मानवतावादी है। उन्होंने साहित्य का जो स्वरूप हमारे सामने प्रस्तुत किया है, उसकी क्रांतवाणी उनके क्रांत व्यक्तित्व की द्योतक ही नहीं, वरन सामाजिक विकृतियों एवं अंधरूढ़ियों पर तीव्र कटाक्ष एवं परिवर्तन की प्रेरणा भी है। वे राष्ट्रीयता एवं भारतीयता के प्रेरक व्यक्तित्व हैं।

हिंदी साहित्य में छायावादी युग के चार प्रमुख स्तंभ हैं जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' और पंत। जिनमें पंत का संपूर्ण साहित्य सत्यम् शिवम् सुंदरम् के आदर्शों से प्रभावित होते हुए भी समय के साथ निरंतर बदलता रहा है। उनके जीवन के सारे सिद्धान्त मानवीयता की गहराई से जुड़े हैं और उस पर वह अटल भी रहते रहे हैं किन्तु किसी भी प्रकार की रूढ़ि या पूर्वाग्रह उन्हें छू तक नहीं पाता। वे हर प्रकार से मुक्त स्वभाव के हैं और यह मुक्त स्वरूप भीतर की मुक्ति का प्रकट रूप है। यह उनके व्यक्ति की बड़ी उपलब्धि है। स्वभाव में एक औलियापन है, फक्कड़पन है और फकीराना अन्दाज है और यह सब नैसर्गिक रूप से उनमें विद्यमान रहा। जहां प्रारंभिक कविताओं में प्रकृति और सौंदर्य के रमणीय चित्र मिलते हैं वहीं दूसरे चरण की कविताओं में छायावाद की सूक्ष्म कल्पनाओं व कोमल भावनाओं के और अंतिम चरण की कविताओं में प्रगतिवाद, राष्ट्रवाद और विचारशीलता के। उनकी सबसे बाद की कविताएं अरविंद दर्शन और मानव कल्याण की भावनाओं से ओतप्रोत हैं। पंत परंपरावादी आलोचकों और प्रगतिवादी व प्रयोगवादी आलोचकों के सामने कभी नहीं झुके। उन्होंने अपनी कविताओं में पूर्व मान्यताओं को नकारा नहीं। वीणा तथा पल्लव में संकलित उनके छोटे गीत विराट व्यापक सौंदर्य तथा पवित्रता से साक्षात्कार कराते हैं।

पीओके को लेकर पशोपेश में क्यों है भारत?

बिक्रम उपाध्याय

पीओके अर्थात पाक अधिकृत कश्मीर को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ा ही कूटनीतिक बयान दिया है। यूपी के बलिया में एक चुनावी सभा में बोलते हुए उन्होने कहा है कि हमें पीओके को कब्जा करने की जरूरत नहीं है। पहले से ही वह हमारा है। हम किसी भी देश पर कब्जा करने के लिए महाशक्ति बनने नहीं जा रहे हैं।

रक्षामंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है जब एक ओर देश में चुनाव चल रहे हैं तो दूसरी ओर पीओके में पाकिस्तानी पुलिस और प्रशासन के खिलाफ स्थानीय लोगों ने मोर्चा खोल रखा है। यहां हमें यह समझने की जरूरत है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की लड़ाई रोटी और बिजली की नहीं है। उनकी लड़ाई इस्लामाबाद द्वारा उनके साथ किए गए धोखे और शोषण के विरुद्ध है।

9 मई से लगातार सड़कों पर आए पीओके के लोग वापस अपने घरों को जाने के लिए तैयार नहीं है। 23 अरब के इस्लामाबाद पैकेज को उन्होंने एक तरह से ठुकरा दिया है। पुलिस और सेना के बल पर पाकिस्तान के हुक्मरान उन्हें एक बार फिर से दबाने की कोशिश कर रहे हैं पर इस बार वहां के लोग अपनी जान को दांव पर लगाकर अपने हक की लड़ाई लड़ लेना चाहते हैं।

दुनिया को दिखाने के लिए पाकिस्तान ने 23 अरब रुपये के एक पैकेज की घोषणा की है। इस पैकेज में आटा 50 रुपये किलो और बिजली 3 रुपये यूनिट देने की बात कही गई है। शाहबाज शरीफ और इस समय पाक अधिकृत कश्मीर के वजीर ए आजम यह कहना नहीं भूलते कि इतनी सस्ती बिजली इस समय दुनिया में कहीं नहीं हो सकती। गुलाम कश्मीर के प्रधानमंत्री अनवर उल हक इस मामले में भारत को खुद ही शामिल कर लेते हैं। यह समझाने के लिए कि नई दिल्ली 3 रुपये प्रति यूनिट बिजली अपने

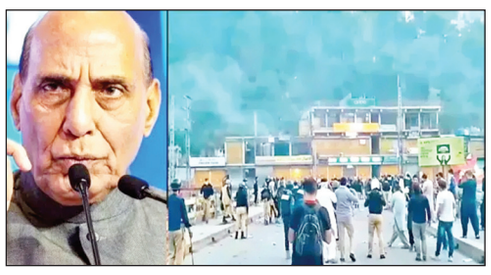

कश्मीर को किसी भी हालत में नहीं दे सकता।

उनकी इस बात से जाहिर है कि गुलाम कश्मीर के लोग भारत के प्रति लालसा की नजर से देख रहे हैं। उनके पास इस बात की पक्की खबर है कि भारतीय कश्मीर में किस तरह का विकास है। उनकी तरह भारतीय कश्मीर के लोग छोटी छोटी सुविधाओं के लिए तरसते नहीं हैं। गुलाम कश्मीर के वाशिंदों ने यह भी देखा है कि भारत सरकार किस तरह अपने कश्मीर को अधिकार संपन्न बना रही है। लोगों की शिक्षा और चिकित्सा का पूरा इंतजाम कर रही है। यहां की सड़कें और आधारभूत संरचनाएं उनके लिए सपने जैसे लगते हैं।

भारतीय कश्मीर की खुशहाली देखकर गुलाम कश्मीर के लोगों को खुद पर पछतावा होता है। उन्हें यह महसूस होता है कि इस्लामाबाद में बैठी सरकार ने उनके पैंरों में जंजीर बांध रखी है। पाकिस्तान की सेना ने उन्हें अपना गुलाम समझ लिया है और उनका दैहिक, भौतिक और मानसिक शोषण कर रहा है। तभी वे एक सुर से यह नारा बुलंद करते हैं- ये जो दहशतगर्गी है, उसके पीछे वर्दी है और पाकिस्ताानी फौजियों, छोड़ दो कश्मीर को। गुलाम कश्मीर के लोगों की इस आवाज और चीत्कार को केवल रोटी और बिजली की कमी के रूप में नहीं देख सकते।

गुलाम कश्मीर के साथ पाकिस्तान का धोखा ऐतिहासिक है। खुद गुलाम कश्मीर के एक रिटायर्ड जज का कहना है कि पाकिस्तान के संविधान, जिसे वे आइन कहते हैं, में ही कश्मीर के साथ भेदभाव है। 77 साल में भी पाकिस्तान की आइन ने गुलाम कश्मीर के लोगों के लिए कोई जगह नहीं बनाई। इस्लामाबाद की हुकूमत ने सिर्फ एक जागीर की तरह गुलाम कश्मीर का इस्तेमाल किया। पाकिस्तान के संविधान में वहां के कश्मीर की कोई पहचान नहीं है। ना तो वह पाकिस्तान का सूबा है और ना आजाद मुल्क। एक एक कैबिनेट नोट के जरिए इस्लामाबाद कश्मीर पर हुकूमत करता है। वहां की सभी संपतियों को हासिल करने, संसाधनों का इस्तेमाल पूरे पाकिस्तान के लिए करने और बदले में जिंदा रहने लायक कुछ फंड जारी करने के अलावा इस्लामाबाद और कोई अधिकार गुलाम कश्मीर को नहीं देता।

यही नहीं एक साजिश के तहत पाकिस्तान के हुक्मरान गुलाम कश्मीर के लोगों को अपने पांव पर खड़ा होने नहीं देते। ना यहां कोई उद्योग लगाते हैं और ना ही यहां पढाई लिखाई की सुविधा बढ़ाते हैं। इसका सीधा कारण यह समझ में आता है कि पाकिस्तान अंदर से डरता है कि एक विकसित गुलाम कश्मीर उनके कंट्रोल में नहीं रह सकता।

जो फॉर्मूला भारत के कश्मीर के साथ पाकिस्तान 77 साल से लगाने की कोशिश कर रहा है, उसी फार्मूले को गुलाम कश्मीर में आने देने से डरता है। वह नहीं चाहता कि गुलाम कश्मीर के लोग खुद मुख्तारी की बात करें। यह इस छोटे से उदाहरण से समझा जा सकता है कि गुलाम कश्मीर के कुल बजट में सिर्फ 7 या 8 प्रतिशत राजस्व ही वहां से कर के रूप में मिलता है, बाकी सारा बजट इस्लमाबाद की हुकूमत जारी करती है और वह भी इस शर्मनाक बयान के साथ कि पाकिस्तान के आर्थिक हालात ठीक नहीं होने के बावजूद उसकी सरकार गुलाम कश्मीर को पैसा दे रही है।

गुलाम कश्मीर सीधे तौर पर इस्लामाबाद में बनने वाली हुकूमत के अधीन होता है। पाकिस्तान में जिसकी सरकार होती है, गुलाम कश्मीर में भी उसी का वजीरे आजम होता है। इस समय वहां पीएमएलएन के नेतृत्व में मिली जुली सरकार है, तो गुलाम कश्मीर में भी पीएमएलएन का ही वजीरे आजम है और सरकार में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के लोग भी हैं। एक बात और है, इस्लामाबाद में किसी भी परिवर्तन का असर भले ही गुलाम कश्मीर की सरकार पर तत्काल पड़ता है, लेकिन गुलाम कश्मीर को एक टेररिस्ट लांचिग पैड बनाए रखने की नीति में कोई बदलाव नहीं होता।

अभी कुछ ही दिन पहले इमरान खान की पार्टी तहरीक ए इंसाफ की गुलाम कश्मीर इकाई के नेता सरदार अब्दुल क्यूम नाजी का खुला बयान आया था कि %कश्मीर ना तो सूबा है, ना आजाद मुल्क है, बल्कि यह तो भारत के खिलाफ कश्मीर मामले को जिंदा रखने का लांच पैड की तरह है।% नाजी ने यह भी कहा कि इस कश्मीर में जनता की जो बगावत सामने आई, वैसी बगावत तो 1971 में भी नहीं हुई और यह बगावत भारत में मोदी के चुनाव को फायदा पहुंचाएगी।

एक ओर पाकिस्तान के नेता पीओके में बगावत को भारत से जोड़कर उसे इलेक्शन में लाभ पहुंचाने वाली बता रहे हैं तो वहीं हमारे यहां रक्षा मंत्री अलग ही लाइन ले रहे हैं। वो ये तो कह रहे हैं कि तकनीकी तौर पर पीओके तो हमारा है ही इसलिए उस पर कब्जा करने की जरूरत क्या है? लेकिन देश के लोगों के मन में यह सवाल तो उठता ही है कि नक्शे पर अखण्ड रूप से भारत का हिस्सा दिखनेवाला गिलगित और पीओके जमीन पर भारत के साथ कब एकाकार होगा? सवाल यह भी है कि राजनाथ सिंह चुनावी सभा में भी अगर पीओके को लेकर इस तरह से गोलमोल बात कर रहे हैं तो क्या सरकार के स्तर पर भी इसी तरह की गोलमोल नीति के साथ पीओके को डील किया जा रहा है जो कश्मीर में आतंकवाद का लांचिग पैड बना हुआ है।

आज का इतिहास

1542 वर्तमान समय में बर्मा में क्रोम साम्राज्य, टंगू राजवंश को जीत लिया गया था।
1571 मिग्यूल लोपेज डी जगाज्पी ने फिलीपींस की राजधानी मनीला की स्थापना की।
1714 ग्रेट ब्रिटेन की रानी ने अपने जीवनकाल में हनोवर के सदन के सदस्यों को ब्रिटेन में रहने की इजाजत देने से इनकार किया।
1743 फ्रांसीसी भौतिक विज्ञानी जीन-पियरे क्रिस्टिन ने सेंट्रिग्रेड थर्मामीटर के डिजाइन को सेंटीग्रेड स्केल के साथ प्रकाशित किया, जिसमें 0 पानी की चोरी बिंदु और 100 इसके क्वथनांक का प्रतिनिधित्व करता है।
1776 अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध- मॉन्ट्रियल के पश्चिम में एक महाद्वीपीय सेना ने सीडर की लड़ाई में ब्रिटिश सैनिकों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।
1776 अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध-एक महाद्वीपीय सेना ने पश्चिमी देशों के पश्चिम में देवदारों के युद्ध में ब्रिटिश सैनिकों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।
1780 घने धुएं, कोहरे और भारी बादल कवर का एक संयोजन दोपहर तक कनाडा और न्यू इंग्लैंड के न्यू इंग्लैंड क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर गिर सकता है।
1802 नेपोलियन बोनापार्ट ने साहब फ्रेंच लेजन (साहब की सेना) स्थापना की।
1817 कनाडा के सबसे पुराने चार्टर्ड बैंक, एसोसिएशन ऑफ द बैंक ऑफ मॉन्ट्रियल इन-मॉन्ट्रियल, क्यूबेक के लेखों को अपनाया गया।
1845 कप्तान सर जॉन फ्रैंकलिन और उनके बेहोश आर्कटिक अभियान ग्रीनहिथ, इंग्लैंड से चले गए; पूरे 129-आदमी के पूरक को खो दिया जाएगा।
1885 जर्मन चांसलर बिस्फार्क ने अफ्रीकी देश कैमरून और टोंगोलैंड पर कब्जा किया।
1900 दुनिया के तब के सबसे बड़े रेल सुरंग सिंपलन यात्रियों के लिए खुला, इटली-स्विट्जरलैंड मार्ग से जुड़े।
1911 पार्क कनाडा, दुनिया की पहली राष्ट्रीय पार्क सेवा, आंतरिक विभाग के तहत डोमिनियन पार्क्स शाखा के रूप में स्थापित की गई थी।
1926 बेनितो मुसोलिनी ने इटली को फांसीवादी राष्ट्र घोषित किया।
1930 श्वेत महिलाओं को साउथ अफ्रीका में वोट देने का अधिकार प्राप्त हुआ।

मुंशीगंज में नेहरू की गलती से मारे गए थे किसान, प्रियंका की जानकारी अधूरी

विष्णु शर्मा

जब से प्रियंका गांधी ने रायबरेली चुनाव की कमान संभाली है, कई बार आजादी से पहले रायबरेली के किसान आंदोलन और उसमें पंडित नेहरू की भूमिका का जिक्र कर चुकी हैं। बुधवार को उन्होंने दावा कर दिया कि कैसे अंग्रेजों ने 600 किसानों को गोलियों से भून दिया था। रायबरेली का जलियां वाला बाग कांड कहे जानेवाले मुंशीगंज नरसंहार की याद में बने स्मारक पर पहुंचकर प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया। प्रियंका ने लिखा, आज से 103 साल पहले असहयोग आंदोलन के दौरान अवध में बाबा रामचंद्र और मदारी पासी जी के नेतृत्व में किसान आंदोलन चला था।

इस दौरान रायबरेली के मुंशीगंज में सैकड़ों किसानों को गोलियों से भून दिया गया। इसके बाद पंडित मोतीलाल नेहरू और जवाहरलाल नेहरू जी रायबरेली आए थे। इस आंदोलन में ही पहली बार मोतीलाल नेहरू जी और जवाहरलाल नेहरू जी को गिरफ्तार किया गया था। उसी समय रायबरेली और अमेठी की जनता से कांग्रेस का जो रिश्ता जुड़ा वह आजतक कायम है। सेवा के सौ सालों का यह सफर आजतक जारी है।

यह हास्यास्पद है कि जवाहरलाल नेहरु को श्रेय देने के प्रयास में प्रियंका तथ्यों के साथ छेड़छाड़ कर रही हैं। हकीकत यह है कि जवाहलाल नेहरु इस नरसंहार के बाद वहां नहीं पहुंचे थे बल्कि उस नरसंहार के वक्त वो वहीं पर थे। जवाहर लाल नेहरू ने खुद अपनी आत्मकथा में लिखा है कि वो न केवल वहां मौजूद थे बल्कि किसानों की भीड़ उन्हीं के चलते वहां इकट्ठा हुई थी। पुलिया के एक तरफ फायरिंग होती रही और दूसरी तरफ नेहरूजी किसानों को समझाते रहे, लेकिन फायरिंग रुकवाने के लिए आगे नहीं बढ़े।

घटना के मूल में नेहरूजी की किसान नेता बनने की इच्छा बताई जाती है। 1920 में प्रतापगढ में जब कुछ किसानों को गिरफ्तार किया गया तो किसानों ने अदालत में धावा बोल दिया था। वो हजारों की संख्या में आ गए और मजिस्ट्रेट ने सुनवाई टाल दी। फिर किसानों ने जेल को घेर लिया, आखिरकार प्रशासन को किसान नेताओं को छोड़ना पड़ा था। इस मामले में कामयाब होकर उन किसान नेताओं ने जनवरी 1921 की शुरूआत में रायबरेली के एक मामले में भी वही रणनीति अपनाई। इस बार जवाहर लाल नेहरू को भी बुलाया गया और उनकी सभा के लिए हजारों की संख्या में किसान पहुंच गए। लेकिन इस बार ब्रिटिश सरकार भी तैयार थी। बड़ी संख्या में मिलिट्री मंगा ली गई थी।

जवाहर लाल नेहरू स्टेशन पर उतरे तो उन्हें पता चला कि किसान नेताओं को शहर के बाहर सई नदी पर ही रोक लिया गया है। नेहरू वहीं पहुंचे। मुंशीपुलिया पर पहुंचते ही उनको वहां के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट का पत्र मिला कि %गो बैक%। लेकिन नेहरु वहीं रुक गए। नेहरू ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि दूसरी तरफ से फायरिंग की आवाज आ रही थी। वह वहीं थोड़ी देर रुके तो डरे हुए किसानों ने उन्हें घेर लिया, जो अब तक नदी के किनारे खेतों में छुपे हुए थे।

नेहरू ने लिखा है कि कुछ हजार किसान थे। वहीं सभा शुरू हो गई और दूसरी तरफ फायरिंग हो रही थी। मीटिंग काफी कामयाब रही, किसानों का डर काफी हद तक उन्होंने दूर कर दिया था। फिर डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट फायरिंग लाइन से लौटा और नेहरु को अपने साथ अपने घर ले गया। जवाहर लाल आगे लिखते हैं, मैंने पाया कि उस गोलीबारी में कई लोग मारे गये थे। किसानों ने पीछे

हटने या लौटने से मना कर दिया था। इसके अलावा सबकुछ बहुत शांतिपूर्ण था।

जवाहरलाल ने बस इतना लिखा कि कई किसान मारे गए थे। संख्या नहीं दी। लेकिन उनके अखबार नेशनल हेराल्ड ने कई दशक बाद लिखे गए लेख में ये संख्या 13 बताई है। अखबार ने कहां से ये आंकड़ा लिया उसने नहीं बताया। हकीकत तो गणेश शंकर विद्यार्थी के अखबार %प्रताप% ने बताई थी कि सैकड़ों किसान मारे गए थे। जवाहरलाल नेहरू ने तो पूरी कहानी भी नहीं लिखी। कहानी की शुरूआत इस अफवाह से हुई कि लखनऊ जेल में दो किसानों की मौत हो गई है। विरोध स्वरूप मुंशीगंज की सई नदी के एक छोर पर विशाल किसान सभा के आयोजन की घोषणा की गयी जिसमें नेहरू के आने के सूचना पाकर हजारों किसान जुट गये थे। वहां वीरपाल नाम के तालुकदार ने एक किसान पर गोली चला दी। वहां मौजूद मिलिट्री ने इसे ऑर्डर माना और फायरिंग शुरू कर दी। इसी दौरान वहां जवाहर लाल नेहरू पहुंचे। अगर वो हिम्मत करके फायरिंग वाली जगह की तरफ बढ़ते तो सैकड़ों किसानों की जान बच जाती लेकिन वो तो फायरिंग की आवाज सुनते रहे और किसानों को समझाते रहे। उसके बाद डीएम के साथ उसके घर चले गए। क्या गांधीजी या पटेल होते तो ऐसा ही करते?

गणेश शंकर विद्यार्थी के अखबार %प्रताप% के दावे और तमाम स्थानीय रिपोर्ट्स के आधार पर किसानों की मौत का आंकड़ा 750 माना जाता है। आज प्रियंका गांधी जिस केस में मोतीलाल नेहरु को जेल होने का झूठ बोल रही हैं, सच्चाई तो यह है कि इसी मामले में केस होने पर मोतीलाल नेहरू के अखबार ने माफी तक मांग ली थी। लेकिन गणेश शंकर विद्यार्थी ने माफी मांगने से साफ इनकार कर दिया था और उन्हें जेल जाना पड़ा था।

मुंशीपुलिया पर किसानों का नरसंहार जवाहर लाल नेहरू की आंखों के सामने हो रहा था। इतिहास के किसी कोने में खो चुके इस नरसंहार को मुंशीगंज किसान नरसंहार के नाम से जाना जाता है। लेकिन ताज्जुब की बात है कि जहां जवाहरलाल नेहरु के सामने ही 600 लोगों को गोलियों से भून दिया गया था, दशकों तक कांग्रेस सरकारें रहीं लेकिन कभी भी इसे जलियांवाला बाग घटना जैसा महत्व नहीं दिया।

असल में अवध के क्षेत्र में किसानों में जवाहर लाल नेहरू की रुचि बाबा रामचंद्र की वजह से पैदा हुई। फिजी में एक मजदूर की तरह ले जाए गए महाराष्ट्र के बाबा रामचंद्र ने लौटकर अवध के रायबरेली, प्रतापगढ़ और फैजाबाद में 1920 में किसानों को संगठित करने के लिए काम करना शुरू किया था। नेहरू की सभाओं में जब भी हजारों किसानों की भीड़ जुटी, वह बाबा रामंचद्र की वजह से थी। नेहरू ने पाया कि %सीता राम% जैसे सामान्य अभिवादन को बाबा रामचंद्र ने एक आंदोलन का हथियार बना दिया है। नेहरू को लगता था कि बाबा रामचंद्र ने ये क्षेत्र भी इसीलिए चुना था क्योंकि यहां कभी अयोध्या के राजा राम का राज था।

बाबा रामचंद्र की इस क्षमता को जानते हुए भी नेहरु उन्हें कम पढा लिखा और जिम्मेदारियों से भागने वाला मानते थे। असल में बाबा रामचंद्र खुद नेता बनने की बजाय लोगों को आगे बढाते थे जो नेहरु को पसंद नहीं था। इसलिए अपनी आत्मकथा में उन्होंने बाबा रामचंद्र के बारे में यहां तक लिखा कि %बाद के दिनों में वो (बाबा रामचंद्र) गैरजिम्मेवार और अविश्वसनीय व्यक्ति हो गये थे। संभव है बाबा रामचंद्र की नेहरु में ही कोई रुचि न रही हो लेकिन आज नेहरु वंश की ही प्रियंका गांधी बाबा रामचंद्र को अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन का मसीहा बताकर गलती सुधार रही हैं।

जो भी हो लेकिन मुंशीगंज नरसंहार के घाव कुरेदने वाली प्रियंका गांधी से अब जनता पूछ सकती है कि नेहरू की आंखों के सामने इतना बड़ा नरसंहार हुआ तो जलियां वाला बाग की तरह हमको उन शहीद किसानों के बारे में पढ़ाया क्यों नहीं जाता? इतने दशकों तक इसे छुपाया क्यों गया? आज अगर उसकी याद उन्हें आ रही है तो क्या वो किसान आंदोलन और नरसंहार के वक्त नेहरु की मौजूदगी का सच स्वीकार करने के लिए तैयार हैं?

स्वाति पर सियासी दलों की खामोशी

प्रवीण बागी

राजनीतिक दलों ने समाज को तो बांट ही दिया है, महिलाओं से दुर्व्यवहार और दुष्कर्म जैसी घटनाओं को भी वोट के तराजू में तौलने से वे बाज नहीं आते। ताजा उदाहरण स्वाति मालीवाल का है। वे दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष और आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य हैं। आप की फाउंडर सदस्य हैं। जब अरविंद एनजीओ चलाया करते थे तब से वे उनके साथ हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री के आवास में उनकी पिटाई और दुर्व्यवहार का मामला अब पुलिस तक पहुंच गया है। पिटाई का आरोप मुख्यमंत्री के निजी सहायक विभव कुमार पर है। केजरीवाल दुनिया जहान की बारे में बोल रहे हैं, लेकिन पिटाई मामले पर मौन ओढ़ रखी है। आरोप है कि केजरीवाल के कहने पर पिटाई हुई। इधर पूरा इंडी गठबंधन इस पर चुप है। केजरीवाल के साथ है। यह अकेला मामला नहीं है। इसके पहले पश्चिम बंगाल के संदेशखाली दुष्कर्म कांड पर भी इंडी गठबंधन इसी तरह चुप था। वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी केजरीवाल की ही तरह खामोश थीं। महिला नेत्री सोनिया गांधी और %लड़की हूं लड़ सकती हूं% का नारा बुलंद करने वाली प्रियंका गांधी ने भी कुछ बोलना मुनासिब नहीं समझा। लेकिन ठीक इसके उलट महिला पहलवान यौन उत्पीडन कांड पर वे खूब मुखर रहीं। पूरा विपक्ष पहलवानों के साथ खड़ा नजर आया जबकि भाजपा इस मामले पर चुप रही। दूसरी ओर भाजपा संदेशखाली और स्वाति मामले पर खूब मुखर है। सच तो यह है कि राजनीतिक दलों ने महिलाओं को तमाशा बना दिया है। न उनमें महिलाओं के प्रति सम्मान है न दुष्कर्म के खिलाफ गुस्सा। राजनेता ऐसे मामलों में सेलेक्टिव हो जाते हैं। भाजपा शासित राज्यों में दुष्कर्म होता है तो विपक्ष में जोश आ जाता है। वे सबसे बड़े महिला हितैषी हो जाते हैं। लेकिन जब विपक्ष शासित राज्यों में दुष्कर्म होता है तो तो उन्हें सांप सूंघ जाता है। दरअसल, वे घटना को ही झुठलाने में लग जाते हैं। ठीक ऐसा ही सत्ता पक्ष भी करता है। उनके राज्यों में दुष्कर्म होता है तो वे लीपापोती में जुट जाते हैं। महिला नेत्रियां चुप हो जाती हैं। लेकिन विपक्ष शासित राज्यों में उनकी सक्रियता देखने लायक होती है। यानी अपना दुष्कर्मी राजा बेटा और दूसरे का दुष्कर्मी हैवान! यह कैसी सोच है, कैसी मानसिकता है? मजे की बात यह है कि इसमें महिलाएं भी इस्तेमाल होती हैं। महिला के खिलाफ महिला को ही खड़ा कर दिया जाता है। महिला राजनेताओं को दुष्कर्मी के पक्ष में खड़ा होने में रत्ती भर भी शर्म महसूस नहीं होती। इसके साथ ही एक और पहलू भी जुड़ा है। जो महिला नेत्रियां पार्टी के इशारे पर निसंकोच दुष्कर्म को झुठलाने की कोशिश करती हैं उनका अपनी पार्टियों में भी बड़े नेताओं द्वारा यौन शोषण होता है। यह बहुत आम बात है। ऐसे ढेरों प्रसंग सार्वजनिक भी हुए हैं। और यह आज से नहीं आजादी के पहले से होता चला आ रहा है। सभी नेत्रियों के साथ ऐसा होता है, यह नहीं कहा जा सकता, लेकिन शिकार होनेवाली नेत्रियों की अच्छी खासी संख्या है। कोई पार्टी इसका अपवाद नहीं है। कई महिलाओं ने तो इसकी वजह से राजनीति छोड़ना श्रेयकर समझा।

मोदी और राहुल की प्रचार शैली एकदम विपरीत

हरीश गुप्ता

यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने व्यापक जनसमुदाय तक पहुंचने के लिए आक्रामक प्रचार नीति अपनाई है, तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तस्वीर इसके बिल्कुल विपरीत है। यदि मोदी प्रमुख राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार पत्रों और टीवी चैनलों को लंबे साक्षात्कार दे रहे हैं, तो राहुल गांधी ने उनसे दूरी रखने का विकल्प चुना है। यदि मोदी अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए तीसरे चरण के मतदान के बाद पटना, वाराणसी और अन्य जगहों पर अपने रोड शो के दौरान टीवी चैनल के पत्रकारों को छोटी बाइट और लंबे साक्षात्कार देने की हद तक चले गए हैं, तो राहुल गांधी ने अब तक मीडिया से दूरी बनाए रखी है।

यदि मोदी का पत्रकारों को अपने रथ पर चढ़ने और उनसे बात करने की खुली छूट देने का अभूतपूर्व निर्णय आगे आने वाली कड़ी लड़ाई का संकेत है, तो राहुल गांधी अपने मीडिया विभाग के ऐसा ही तरीका अपनाने के लिए दबाव डालने के बावजूद अपनी शैली नहीं बदलने पर अड़े हैं। यदि मोदी ने बड़ी फैन फालोइंग वाले सोशल मीडिया के प्रभावशाली लोगों को अपने आवास पर आमंत्रित किया और अपने आउटरीच कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार किया, तो राहुल गांधी ने ऐसी बातचीत को पूरी तरह से गुप्त रखने का विकल्प चुना। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी ने 3-4 बैच में कई यूट्यूबर्स, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और अन्य सोशल मीडिया पर्सन्स से मुलाकात की, लेकिन इसमें शर्तें लागू थीं। राहुल चाहते थे कि ऐसी बातचीत को निजी माना जाए और कुछ भी रिपोर्ट न किया जाए।

राहुल गांधी ने अब तक किसी भी अखबार या टीवी चैनल को एक भी इंटरव्यू नहीं दिया है, जबकि लोकसभा चुनाव लगभग खत्म होने वाले हैं। यहां तक कि प्रचार के दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा ने साइड बाइट्स के अलावा किसी भी अखबार को औपचारिक इंटरव्यू नहीं दिया है। इंटरव्यू देने का जिम्मा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, जयराम रमेश या जिसके पास भी मीडिया से बातचीत का जिम्मा हो, उसे सौंपा गया है।

एक महत्वपूर्ण निर्णय में, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले, जो पिछले महीने तीन साल के लिए फिर से इस पद पर चुने गए, को नई दिल्ली में

तैनात किया गया है। होसबले, जो कर्नाटक के रहने वाले हैं और पहले लखनऊ में तैनात थे, उन्हें यहां तैनात किया गया है। होसबले 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे। आरएसएस पदानुक्रम में दूसरे सबसे शक्तिशाली नेता होसबले आने वाले महीनों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हालांकि भाजपा महासचिव (संगठन) बीएल संतोष आरएसएस और भाजपा के बीच पुल का काम करने वाले प्रमुख पदाधिकारी हैं, लेकिन कर्नाटक विधानसभा चुनावों में भाजपा की हार के बाद वह हाल ही में लो प्रोफाइल हो गए हैं। होसबले आरएसएस और भाजपा नेतृत्व के बीच मुद्दों पर किसी भी तरह की गलतफहमी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इससे पहले, यह महसूस किया गया था कि आरएसएस भाजपा द्वारा लिए गए कुछ फैसलों से खुश नहीं था, जिसमें अन्य दलों के अत्यधिक भ्रष्ट नेताओं को भाजपा में शामिल करना और कुछ अन्य मुद्दे शामिल थे। 19 अप्रैल को पीएम मोदी के नागपुर में रात्रि विश्राम को भी आरएसएस को परेशान करने वाले किसी मुद्दे को सुलझाने के हिस्से के रूप में देखा गया था. पता चला है कि आरएसएस की पूरी मशीनरी चुनाव में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरे दिल से काम कर रही है। 4 जून को जैसे ही चुनाव नतीजे आएंगे, सरकार गठन को लेकर भाजपा का अपने मातृ संगठन से सलाह-मशविरा का दौर भी तेज हो जाएगा। इसलिए, होसबले की तैनाती महत्वपूर्ण मानी जा रही है। तेलंगाना के कांग्रेसी मुख्यमंत्री एक चतुर राजनेता बन गए हैं जिनकी रणनीतिक क्षमताओं ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को भी आश्चर्यचकित कर दिया है। कांग्रेस नेतृत्व भी हैरान रह गया क्योंकि ऐसी खबरें आईं कि रेड्डी ने हाल ही में 13 मई को संपन्न लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू की मदद की। ऐसा प्रतीत होता है कि रेवंत रेड्डी वाईएसआरसीपी नेता और आंध्र के मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी के अपने तेलंगाना समकक्ष बीआरएस नेता के.चंद्रशेखर राव के साथ हाथ मिलाने से बहुत परेशान थे।

वाईएसआरसीपी-बीआरएस मित्रता का कारण यह था कि जगनमोहन रेड्डी चाहते थे कि केसीआर हैदराबाद में रहने वाले खम्मा समुदाय से संबंधित व्यापारियों को परेशान करें। समृद्ध खम्मा समुदाय चंद्रबाबू नायडू की मदद कर रहा है जो उनके समुदाय के एक शक्तिशाली नेता भी हैं। रेवंत रेड्डी ने अपने पार्टी आलाकमान को तर्क दिया कि उन्होंने वाईएसआरसीपी को ध्वस्त करने में नायडू की मदद की। इससे अंततः आंध्र प्रदेश कांग्रेस प्रमुख वाईएस शर्मिला को राज्य में जगनमोहन रेड्डी के राजनीतिक प्रभुत्व को ध्वस्त करने में मदद मिलेगी। दूसरे, रेवंत रेड्डी पड़ोस में एक मित्रवत सरकार चाहते थे। एक तीर से दो निशाने!!

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हाल ही में राजनीतिक विवादों के बीच आ गए जब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सितंबर 2025 में 75 वर्ष का होने के बाद मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। केजरीवाल ने यह भी भविष्यवाणी की कि अगर भाजपा लोकसभा चुनाव जीतेगी तो योगी आदित्यनाथ यूपी के सीएम नहीं रहेंगे और उन्हें दिल्ली लाया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विशेष रूप से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में जोर देकर कहा, ''भाजपा के संविधान में 75 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले कार्यकर्ताओं को सेवानिवृत्त करने का कोई प्रावधान नहीं है।''

हालांकि, योगी आदित्यनाथ पर केजरीवाल की टिप्पणी पर वह चुप रहे। हो सकता है उन्होंने जवाब देना प्रधानमंत्री के विवेक पर छोड़ दिया हो। मोदी ने कई रैलियों के दौरान योगी की प्रशंसा की और 14 मई को एक साक्षात्कार में कहा, योगी के नेतृत्व में राज्य ने विकास देखा है। यूपी के लोग 'परिवारवाद' (वंशवाद की राजनीति) को स्वीकार नहीं कर सकते। उन्होंने एक वैकल्पिक मॉडल देखा है जिसने लोगों के जीवन को बदल दिया है और योगी आदित्यनाथ के शासन में फर्क दिखाई दे रहा है।''

झूठे वायदों एवं वादों से चुनाव को बचाना होगा

ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव के चार चरण पूरे हो गये हैं, पांचवें चरण की ओर बढ़ते हुए चुनावी सरगर्मी बढ़ रही है। तमाम राजनीतिक दलों में वास्तविकता से दूर झूठे, तथ्य-आधारहीन, भ्रामक एवं बेबुनियाद वादे करने की आपसी होड़ बढ़ती जा रही है। राजनीतिक दल चार चरणों के बाद जिस तरह के जीत के तथ्य प्रस्तुत कर रहे हैं, वह हास्यास्पद एवं अविश्वसनीय है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के 4 चरण पूरा होने के बाद विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' यानी इंडिया गठबंधन मजबूत स्थिति में है और चार जून के बाद सरकार बनाएगा। इसी तरह ममता बनर्जी, अरविन्द केजरीवाल एवं अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी की करारी हार की बात कही है। वर्ष 2019 के चुनाव के दौर भी इन नेताओं ने ऐसे ही बयान दिये थे, जो चुनाव परिणाम के बाद झूठे साबित हुए। इस तरह के अतिश्योक्तिपूर्ण, आधे-अधूरे, सत्यता से परे के बयानों से राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता अपने निचले पायदान पर पहुंच चुकी है और तेज़ी से घट रही है। जिस प्रकार विभिन्न दलों के नेताओं की भाषा, बयान एवं लोकलुभावन वायदे निम्न स्तर पर पहुंच रहे है, उसे देखकर कहा जा सकता है कि हमारे लोकतंत्र का स्वास्थ्य कहीं-ना-कहीं खराब जरूर हो रहा है।

आम आदमी पार्टी (आप) के वादे और उनके काम के बीच फ़ासला लगातार बढ़ता रहा है, देश की भोली भाली जनता को आपका बेटा, आपकी बेटी कहकर सहानुभूति पाने की उसकी कुचेष्टाओं का पर्दापाश पहले ही हो गया है। 'आप' ने अपने कामकाज के तरीक़े में पूरी पारदर्शिता का वादा किया था, लेकिन लोकसभा के लिए उम्मीदवारों के चयन में इसका ख्याल नहीं रखा गया है। हाल ही में पंजाब की चुनावी सभाओं में पार्टी नेता अरविन्द केजरीवाल ने बृजभूषण पर तो गंभीर आरोप लगाते हुए भाजपा को दागगार घोषित किया लेकिन वे अपने ही मुख्यमंत्री निवास पर राज्यसभा सांसद एवं पूर्व दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाती मालीमाल के साथ हुई मारपीट एवं अशिष्टता को भूल गये। निश्चित ही आप की कथनी और करनी में गहरा फासला है। इन्हीं केजरीवाल ने जनता को गुमराह करने एवं

ठगने के लिये पिछले गुजरात के विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान एक सादे कागज पर अपने हस्ताक्षर करते हुए गुजरात में आप की सरकार बनने का दावा किया, जबकि उन चुनावों में आप के 4-5 सीटों पर जीत के अलावा सभी सीटों पर आप उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गयी थी। एक बार फिर इन लोकसभा चुनावों में वे ऐसा ही करते हुए झूठे दावे कर रहे हैं। इससे आप पार्टी की विश्वसनीयता एवं पारदर्शिता के दावों पर सवालिया निशान लग रहे हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में दावा किया है कि उनकी पार्टी 2009 के आम चुनाव से बेहतर प्रदर्शन करेगी। यह दावा वास्तविकता से कोसों दूर है और राजनीतिक हलकों में उपहास का विषय बन गया है। जब कांग्रेस ने इन चुनावों में कोई लक्ष्य ही तय नहीं किया है तो कौन से लक्ष्य को पाने एवं जीत की बात कांग्रेस कर रही है? जैसे भाजपा ने 400 पार का लक्ष्य बनाया है, क्या कांग्रेस का ऐसा कोई लक्ष्य है? पार्टी के कार्यकर्ता बिना लक्ष्य के किसे अपना मिशन बनाये? कांग्रेस का एक दावा ये भी है कि वो लोकसभा में साफ सुथरी छवि वाले उम्मीदवारों को उतार रही है लेकिन वास्तविकता इसके उलट है। कई उम्मीदवारों को भ्रष्टाचार के उन आरोपों के बाद भी टिकट दिए गए हैं जिसकी जांच सीबीआई कर रही है। हाल के दिनों में, प्रत्येक राजनीतिक दल के घोषणापत्र में वादों की लंबी चौड़ी फेहरिस्त सामने आयी है। जबकि अतीत में किए उनके काम बताते हैं कि सत्ता में आने के बाद वे अपने घोषणा पत्र के कुछ ही हिस्सों को लागू कर पाते हैं। जो सत्ता में नहीं आ पाते वो अपने घोषणापत्र को कूड़े के डब्बे में डाल देते हैं। विडम्बना तो यह भी है कि जिन दलों को चुनाव जीतने की आशा नहीं है, वे बेतूके वायदे एवं घोषणाएं करके आम मतदाता को भ्रमित करते हैं। शुरुआत से ही राजनीतिक दल वादे इसलिए करते हैं कि लोग उन्हें सत्ता की चाभी सौंपें। लेकिन चुनावी मौसम में राजनीतिक दल और राजनेता अपने अपने कामों के बारे में बढ़ चढ़कर दावे करते हैं और उन्हें भरोसा रहता है कि मासूम और भोली जनता उनके दावों पर यकीन कर लेगी, इसलिए वे लुभावने वादों की झड़ी लगा देते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने उत्तरप्रदेश की एक सभा में चार चरण पूरे होने के बाद भाजपा के 5 किलो मुफ्त अनाज की जगह 10 किलो मुफ्त अनाज की घोषणा कर है। बेवक्त पर की गयी यह घोषणा भी पार्टी की अपरिपक्वता को उजागर कर रही है। हालांकि ऐसे वादे हमेशा खाली जाते हैं या अधूरे रहते हैं। वादे करने का मतलब उसे पूरा करना ही नहीं होता। अतीत में, कांग्रेस की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ग़रीबी हटाओ के नारे के साथ 1971 का चुनाव ज़रूर जीता था। लेकिन लगातार दो बार सत्ता में आने के बाद भी देश से ग़रीबी नहीं हटी क्योंकि ज्यादातर सरकारी योजनाएं आम ग़रीबों तक पहुंची ही नहीं। अतीत गवाह है विगत दावों और वादों की हक़ीक़त का। हालांकि यह देखना बाक़ी है कि किसने सबक लिया और कौन अपने वादों और दावों के प्रति गंभीर रहेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ में एक ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सपा प्रमुख ने दावा किया कि विपक्षी इंडिया' गठबंधन उत्तर प्रदेश में 79 लोकसभा सीटें जीतेगा, और सिर्फ एक सीट पर ही मुकाबला है। ऐसे अतिश्योक्तिपूर्ण बयान कभी सच होते हुए नहीं देखें गये हैं। निश्चित ही चुनाव परिणाम भविष्य के गर्भ में है एवं इसकी 4 जून को घोषणा सभी के लिये आश्चर्यकारी एवं चमत्कृत करने वाली होगी। देश का अगला प्रधानमंत्री चुनने के लिए चार चरणों की वोटिंग पूरी हो चुकी है। लोकसभा की कुल 543 सीटों में 380 सीटों के लिए वोट डाले चुके हैं। इन चार चरणों की वोटिंग के बाद हर राजनीतिक दल हवा का रुख भांपने को कोशिश कर रहा है लेकिन उनका यह आकलन सत्य से परे हो, बिलकुल ही आधारहीन हो, इसे लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये अनुकूल नहीं माना जा सकता। यहां सत्ताधारी भाजपा से लेकर विपक्षी कांग्रेस सभी अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं।

योगी को लेकर कोई एजेंडा सेट कर रहे केजरीवाल

अंकित सिंह

लोकसभा चुनाव को लेकर प्रचार जबरदस्ती तरीके से चरम पर है। जेल से बाहर आने के बाद केजरीवाल भी चुनावी दंगल में कड़ी मेहनत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने हाल के दिनों में बार-बार यह दावा किया कि अगर केंद्र में भाजपा की सरकार आती है तो नरेंद्र मोदी और अमित शाह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 2 महीने में हटा देंगे। उनके इस बयान से एक अलग चर्चा शुरू हो गई। हालांकि, योगी आदित्यनाथ ने अब जाकर केजरीवाल के बयान पर पलटवार किया है। योगी आदित्यनाथ ने साफ तौर पर कह दिया की जेल से बाहर आने के बाद केजरीवाल भ्रम की स्थिति में है और वह अपनी स्थिति को मुझसे जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। जाहिर सी बात है कि चुनावी मौसम में अगर केजरीवाल ने कोई दावा किया है तो उसके कुछ राजनीतिक मायने होंगे। केजरीवाल को भी पता है कि सियासी फायदे के लिए भाजपा के वोटों में अगर बिखराव लाना है तो इस तरीके के दावे करने होंगे। बिना किसी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा के खुद को योगी कहते हुए, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष किया और हमीरपुर-महोबा में एक रैली में कहा कि जब से वह जेल से रिहा हुए हैं, उन्होंने अपना सब कुछ खो दिया है। रैली में आदित्यनाथ ने कहा, जेल से रिहा होने के बाद से केजरीवाल अपना दिमाग खो बैठे हैं। सनातन और हिंदू धर्म के प्रति मेरी प्रतिबद्धता अटल है और मैं इसके लिए 100 जन्मों के बाद भी सत्ता छोड़ सकता हूं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वह मुख्यमंत्री पद के लिए इतने लालची हो गए हैं कि वह अपनी समस्या को मुझसे जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी खाँसी कम हो गई थी। 11 मई को केजरीवाल ने कहा था कि अगर बीजेपी लोकसभा चुनाव जीतती है तो योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के सीएम नहीं रहेंगे। केजरीवाल ने बीजेपी के दिग्गज नेताओं लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, शिवराज सिंह चौहान, वसुंधरा राजे, एमएल खट्टर और रमन सिंह का उदाहरण देते हुए कहा कि योगी दो महीने के अंदर हट जाएंगे। उन्होंने कहा कि लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, शिवराज सिंह चौहान, वसुंधरा राजे, एमएल खट्टर, रमन सिंह का राजनीतिक करियर खत्म हो चुका है। अगले नंबर पर योगी आदित्यनाथ हैं, अगर भाजपा यह चुनाव जीतती हैं, तो वे 2 महीने के भीतर उत्तर प्रदेश के सीएम को बदल देंगे। उन्होंने आगे दावा किया कि प्रधानमंत्री का मिशन एक राष्ट्र, एक नेता है। लखनऊ दौरे पर भी उन्होंने यही दावा किया। इसमें कोई दो राय नहीं है कि योगी आदित्यनाथ भाजपा के बड़े नेता है। मोदी-शाह के अलावा वह भी विपक्ष के निशाने पर रहते हैं। अरविंद केजरीवाल को राजनीति में एजेंडा सेट करने में महारत हासिल है। जेल से बाहर निकलते ही उन्होंने एक तरीके का एजेंडा सेट करने की कोशिश की। पहली कि पीएम मोदी अमित शाह के लिए वोट मांग रहे हैं क्योंकि वे 75 साल के हो जाएंगे फिर अमित शाह को प्रधानमंत्री बना देंगे। दूसरा यह था कि अगर भाजपा चुनाव जीतती है तो वह योगी आदित्यनाथ को हटा देगी। केजरीवाल इसके जरिए भाजपा के उन वोटर को संदेश देने की कोशिश कर रहे थे जो योगी आदित्यनाथ की वजह से पार्टी से जुड़े हैं या फिर योगी आदित्यनाथ को मोदी के बाद पीएम पद का प्रबल दावेदार मानते हैं। हालांकि, भाजपा के तमाम नेताओं ने अमित शाह को लेकर केजरीवाल की टिप्पणी को पूरी तरीके से खारिज कर दिया और साफ तौर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2029 तक देश का नेतृत्व करेंगे। लेकिन योगी आदित्यनाथ वाले दावे को किसी ने कुछ नहीं कहा। इसी से केजरीवाल को बल मिला और उन्होंने यह बात फिर से लखनऊ में दोहरा दी। देखना दिलचस्प होगा कि इस चुनाव में केजरीवाल की इन दावों को जनता कितनी गंभीरता से लेती है।

3 बैक-टू-बैक फ़्लॉप के बाद कम हुई टाइगर की मार्केट वैल्यू ; हाथ में नहीं कोई फ़िल्म 70% तक फ़ीस कम करने की मिली सलाह

कोविड महामारी से पहले टाइगर श्रॉफ हिंदी सिनेमा के सबसे महत्वाकांक्षी और उभरते हुए अभिनेता में से एक थे। अपनी डांसिंग स्किल और खतरनाक एक्शन सीक्वंस के चलते टाइगर श्रॉफ बॉलीवुड के सबसे यंग एक्शन स्टार में शुमार हो गए थे। लेकिन टाइगर श्रॉफ की पिछली कुछ फ़िल्में बॉक्स ऑफ़िस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई जिसके चलते उनका फ़िल्मी करियर ग्राफ़ काफ़ी नीचे आ गया है । हीरोपंती 2,गणपत और बड़े मियां छोटे मियां की बॉक्स ऑफ़िस नाकामी के बाद अब टाइगर श्रॉफ को हिट फ़िल्म की सख्त जरूरत है। अब कहा जा रहा है कि टाइगर श्रॉफ के पास फिलहाल कोई फिल्म नहीं है और इसके उनका फ़िल्मी करियर में सकंट में आ गया है। रेम्बो इस गर्मी में शुरू होने वाली थी, लेकिन बजट की समस्या के कारण इसे अब स्थगित कर दिया गया है । जियो का मानना है कि इस मार्केट में टाइगर के साथ महंगी एक्शन फिल्म बनाना संभव नहीं है । 11 रिलीज में से, टाइगर ने हाल ही में 3 बैक-टू-बैक फ्लॉप के साथ कुल 6 फ्लॉप फिल्में दी हैं। कोई खरीददार नहीं, खाली कैलेंडर और कोई लक भी नहीं होने के कारण उनका करियर मंदी में है । बॉक्स ऑफिस पर गिरावट के बाद इस समय में उनके हाथों में कुछ भी नहीं है। एक अंदरूनी सूत्र ने बॉलीवुड हंगामा को बताया। फ्लॉप फिल्मों की हैट्रिक के बाद, निर्माताओं ने टाइगर से अपनी फीस को सिंगल डिजिट तक कम करने के लिए कहा है । एक प्रमुख निर्माता ने हाल ही में टाइगर को अपनी फीस 70त्न से अधिक कम करने और 9 करोड़ रुपये चार्ज करने पर विचार करने की सलाह दी । क्योंकि अभी टाइगर की कोई मार्केट वैल्यू नहीं है । इससे टाइगर को झटका लगा क्योंकि उन्होंने बड़े मियां छोटे मियां और गणपत के लिए 30-30 करोड़ रु चार्ज किए हैं । अंदरूनी सूत्र ने हमें बताया ।

करोड़ों की मालकिन मलायका किराये पर दिया आलीशान घर

बॉलीवुड अभिनेत्री मलायका अरोड़ा के बांद्रा पश्चिम स्थित घर, जो पाली हिल के शांत स्थान पर स्थित है, को प्रतिभाशाली कॉस्ट्यूम डिजाइनर कशिश हंस के रूप में एक नया किरायेदार मिल गया है। तीन साल की अवधि के लिए किए गए पट्टे के समझौते में हंस को रु. 1.57 लाख का मासिक किराया देना होगा। हालाँकि, यह एक समान दर नहीं है। समझौते में 5% वार्षिक वृद्धि का एक खंड शामिल है। इसका मतलब है कि पहले साल का किराया रु.1.5 लाख प्रति माह है, जो दूसरे साल में बढ़कर रु.1.57 लाख हो जाता है और तीसरे साल में बढ़कर रु.1.65 लाख हो जाता है। जैपकी द्वारा प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार, 29 अप्रैल, 2024 को पंजीकृत इस लेनदेन में किरायेदार द्वारा भुगतान की गई रु.4.5 लाख की सुरक्षा जमा राशि भी शामिल थी। दिलचस्प बात यह है कि यह पहली बार नहीं है जब मलाइका ने अपना बांद्रा अपार्टमेंट किराए पर दिया है। जैपकी के अनुसार, पहले, जेफ गोल्डनबर्ग स्टूडियो के मालिक जेफरी गोल्डनबर्ग रु.1.2 लाख के मासिक किराए पर किरायेदार थे। इससे केवल यह पता चलता है कि मलायका अरोड़ा सिर्फ एक ग्लैमर दिवा नहीं बल्कि एक स्मार्ट निवेशक भी हैं और जानती हैं कि अपने निवेश से कैसे पैसा कमाया जाए। इस रियल एस्टेट कथा में एक और परत जोड़ते हुए, मलायका के प्रेमी अर्जुन कपूर ने पहले उसी क्षेत्र में 81 ऑरेट बिल्डिंग में अपना अपार्टमेंट 2022 में 16 करोड़ में बेचा था। यह विशाल 4,364 वर्ग फुट का फ्लैट है। केसी मार्ग पर इमारत की 19वीं मंजिल पर स्थित है।

मलाईका खुद भी ऑरेट बिल्डिंग के लिए अजनबी नहीं हैं। उसके पास वहां एक फ्लैट है और उसने पहले रु.14.5 करोड़ में बुक किए गए अपार्टमेंट का कब्जा सौंपने में देरी के लिए डेवलपर्स के खिलाफ रियल एस्टेट नियामक महारेरा में शिकायत दर्ज कराई थी। हालाँकि, नवंबर 2021 में, दोनों पक्षों ने महारेरा को सूचित किया कि इस मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल कर लिया गया है, डेवलपर ने अंततः फ्लैट का कब्ज़ा मलाइका को सौंप दिया है।

रणवीर की रामायण की विस्तारित शूटिंग भंसाली की फिल्म लव एंड वार के शेड्यूल में बाधा नहीं बनेगी

रणबीर कपूर नितेश तिवारी की रामायण में कास्ट होने के बाद से ही सुर्खियां बटोर रहे हैं। यह साल रणबीर के लिए भाग्यशाली साबित हो रहा है, क्योंकि वह संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में भी नजर आएंगे।

रणबीर कपूर नितेश तिवारी की रामायण में कास्ट होने के बाद से ही सुर्खियां बटोर रहे हैं। यह साल रणबीर के लिए भाग्यशाली साबित हो रहा है, क्योंकि वह संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में भी नजर आएंगे। जबकि रामायण की शूटिंग शुरू हो चुकी है, अटकलें लगाई जा रही थीं कि नितेश तिवारी की महान कृति एसएलबी के लव एंड वॉर की शूटिंग में बाधा बन सकती है। हालाँकि,न्यूज18 की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, यह संभावना नहीं है कि रामायण की शूटिंग लव और वॉर के शेड्यूल को प्रभावित करेगी। फिल्म इस साल नवंबर में फ्लोर पर जाने वाली है और इसमें आलिया भट्ट और विक्की कौशल होंगे। उद्धृत एक सूत्र ने कहा, रणबीर रामायण की शूटिंग जारी रखेंगे और लव एंड वॉर की तैयारी अगस्त के दूसरे भाग या सितंबर की शुरुआत में एक साथ शुरू करेंगे। जहां आलिया शरवरी वाघ के साथ वाईआरएफ की आगामी जासूसी थ्रिलर की शूटिंग में व्यस्त हो जाएंगी, वहीं रणबीर इसकी शूटिंग शुरू करने से पहले स्क्रिप्ट पढ़ने के सत्र और भंसाली के साथ चर्चा करेंगे। असल में, भंसाली उनके साथ लव एंड वॉर की शुरुआत करेंगे क्योंकि नवंबर तक रामायण त्रयी के पहले भाग की शूटिंग पूरी हो सकती है। सूत्र ने आगे कहा, लव एंड वॉर की शूटिंग मुंबई में शुरू होगी, लेकिन इसके लिए एक सेट का निर्माण अभी बाकी है। फिल्म में कुछ विस्तृत गीत दृश्य होंगे और इनके लिए, भंसाली व्यक्तिगत रूप से अभी भी अपनी प्रोडक्शन डिजाइन टीम के साथ चर्चा कर रहे हैं। जहां तक विक्की का सवाल है, वह शूटिंग में कब शामिल होंगे यह अभी भी स्पष्ट नहीं है। रामायण के संबंध में, नमित मल्होत्रा के नेतृत्व में निर्माताओं ने रणनीतिक रूप से सेट को पूरी तरह से घेरने और किसी भी तस्वीर को लीक होने से रोकने के लिए सभी फिल्मांकन घर के अंदर करने का निर्णय लिया है। सूत्र ने कहा निर्माता नहीं चाहते थे कि आधिकारिक घोषणा से पहले फिल्म की कोई झलक सामने आए, और अपनी पूरी कोशिश करने के बावजूद ङ्क जिसमें सेट पर फोन न करने की नीति शामिल थी.

अनिल कपूर और रानी मुखर्जी 23 साल बाद सीक्वल के लिए फिर साथ आएंगे?

नायक 2 के लिए अनिल कपूर और रानी मुखर्जी 23 साल बाद फिर से एक साथ आने के लिए तैयार हैं। नायक में उनकी भूमिकाओं के लिए दोनों की सराहना की गई थी और यह फिल्म शिवाजी राव की यात्रा के बारे में थी जो एक दिन के लिए मुख्यमंत्री का पद संभालते हैं। नायक अब तक की सबसे पसंदीदा राजनीतिक एक्शन चश्मों में से एक है जिसे सभी ने पसंद किया है। खैर, 23 साल बाद, कथित तौर पर नायक 2 पर काम चल रहा है और इसमें अनिल कपूर और रानी मुखर्जी का पुनर्मिलन होगा। एक मीडिया पोर्टल ने सूत्र के हवाले से कहा कि नायक 2 वहीं से शुरू होगी जहां पहला भाग छोड़ा गया था। निर्माता मुकुट ने परियोजना की प्रगति की पुष्टि की। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि टीम जल्द ही एक घोषणा करने का इरादा रखती है। निर्माता मुकुट ने कहा कि फिलहाल पटकथा पर काम चल रहा है और वे अपनी भूमिकाओं के लिए अनिल कपूर और रानी मुखर्जी को बनाए रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मुकुट ने मिडडे को बताया कि वे सीक्वल की योजना बना रहे हैं और मौजूदा किरदारों के साथ कहानी को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने बहुत समय पहले निर्माता एएम रत्नम से अधिकार खरीदे थे और अब मुख्य किरदारों को ध्यान में रखकर स्क्रिप्ट लिख रहे हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि उनके मन में कुछ निर्देशक हैं, लेकिन अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने अनिल कपूर और रानी मुखर्जी के साथ प्रारंभिक चर्चा शुरू कर दी है, जो शुरुआती चरण में है। उन्होंने सीक्वल में नए कलाकारों को शामिल करने का भी जिक्र किया। नायक 2 भ्रष्टाचार, नौकरशाही और जनता के प्रभाव के विषयों पर केंद्रित होगी। नायक की बात करें तो यह शंकर की 1999 की तमिल भाषा की फिल्म मुधलवन की रीमेक थी। फिल्म में अमरीश पुरी, परेश रावल और जॉनी लीवर प्रमुख भूमिकाओं में थे। यह फिल्म 2001 में रिलीज हुई थी और इसे सराहा गया था।

रश्मिका ने अटल सेतु पुल का बनाया वीडियो, मोदी देखकर हुए गदगद, एक्ट्रेस की करी तारीफ

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना हाल ही में मुंबई में थीं जब उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी सेवरी-न्हावा शेवा अटल सेतु, उर्फ ??अटल सेतु का दौरा किया। उन्होंने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक प्रमोशनल वीडियो साझा किया कि कैसे मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक इतना अच्छा नवाचार है और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। शेयर किए गए वीडियो में वह घंटों की यात्रा को महज मिनटों में छोटा करने के लिए पुल की सराहना करती हैं। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, दक्षिण भारत से उत्तर भारतज पश्चिम भारत से पूर्वी भारतज लोगों को जोड़ रहे हैं, दिलों को जोड़ रहे हैं! ह्ममेरा भारत। पीएम मोदी ने उनके पोस्ट को दोबारा साझा करते हुए कहा कि लोगों को जोड़ने से ज्यादा संतुष्टिदायक कुछ नहीं है, उन्होंने लिखा, बिल्कुल! लोगों को जोड़ने और जीवन को बेहतर बनाने से ज्यादा संतुष्टिदायक कुछ भी नहीं है। प्रधानमंत्री को जवाब देते समय रश्मिका अभिभूत लग रही थीं, उन्होंने कहा कि देश की वृद्धि को देखना एक सम्मान था, उन्होंने लिखा, सर! क्या सम्मान है! एक अत्यंत गौरवान्वित युवा भारतीय के रूप में अपने देश के विकास को देखना अविश्वसनीय रूप से संतुष्टिदायक है। वीडियो की शूटिंग के दौरान, रश्मिका ने एएनआई से बात की और इसी तरह की भावना साझा की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अब कम से कम भारत कहीं नहीं रुक रहा है. अब देश के विकास को देखिए. यह आश्चर्यजनक है कि पिछले 10 वर्षों में देश ने कितना विकास किया है। हमारे देश में बुनियादी ढांचा, योजना, सड़क योजना, सब कुछ, यह बहुत शानदार है - मुझे लगता है कि अब यह हमारा समय है! मुझे अभी पता चला कि यह सब सात साल में पूरा हो गया है और यह 20 कि.मी. है। यह आश्चर्यजनक है! इसे देखो। ईमानदारी से कहूं तो मैं अवाक हूं... भारत सबसे स्मार्ट देश है, मैं कहना चाहूंगा! रश्मिका के पास हिंदी और तेलुगु में छह फिल्में हैं। वह सुकुमार की पुष्पा 2 द रूल में श्रीवल्ली के रूप में अपनी भूमिका फिर से निभाएंगी। वह शेखर कम्मुला की कुबेरा में धनुष, नागार्जुन और जिम सर्भ के साथ, राहुल रवींद्रन की द गर्लफ्रेंड और तेलुगु में शांतारूबन की रेनबो में भी अभिनय करेंगी। हिंदी में, उनके पास सलमान खान के साथ एआर मुरुगादॉस की सिकंदर और विक्की कौशल के साथ लक्ष्मण उटेकर की छावा है।

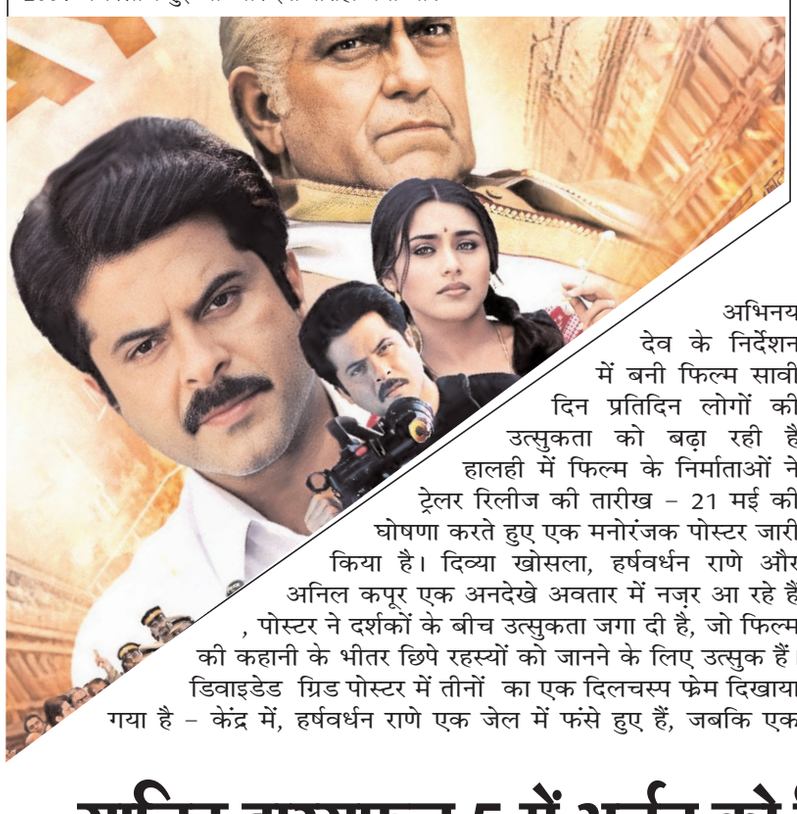

दिव्या खोसला और हर्षवर्धन राणे स्टारर सावी का ट्रेलर 21 मई को होगा रिलीज ; अनिल कपूर का दिखेगा अनदेखा अवतार

अभिनय देव के निर्देशन में बनी फिल्म सावी दिन प्रतिदिन लोगों की उत्सुकता को बढ़ा रही है हालही में फिल्म के निर्माताओं ने ट्रेलर रिलीज की तारीख - 21 मई की घोषणा करते हुए एक मनोरंजक पोस्टर जारी किया है। दिव्या खोसला, हर्षवर्धन राणे और अनिल कपूर एक अनदेखे अवतार में नज़र आ रहे हैं , पोस्टर ने दर्शकों के बीच उत्सुकता जगा दी है, जो फिल्म की कहानी के भीतर छिपे रहस्यों को जानने के लिए उत्सुक हैं। डिवाइडेड ग्रिड पोस्टर में तीनों का एक दिलचस्प फ्रेम दिखाया गया है - केंद्र में, हर्षवर्धन राणे एक जेल में फंसे हुए हैं, जबकि एक तरफ दिव्या चुलबुली और हंसमुख है, दूसरी तरफ, उसकी नाक से खून बह रहा है, जो गहन और रोमांचकारी यात्रा का संकेत देता है। जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है।

टीज़र में दिखाई गयी रहस्यमय झलकियों और मुख्य अभिनेताओं, दिव्या खोसला और हर्षवर्धन राणे की आगामी आकर्षक केमिस्ट्री को प्रदर्शित करने वाले गीत हमदम के हालिया रिलीज़ के बाद, दर्शकों के बीच ट्रेलर के लिए प्रत्याशा बढ़ गई है। 21 मई को ट्रेलर देखने और सावी के भीतर छिपे रहस्यों को उजागर करने का मौका न चूकें, यह 31 मई को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

साजिद हाउसफुल 5 में अर्जुन को मिला अहम रोल

हिंदी सिनेमा को एक से बढ़कर एक फ़िल्में देने वाले साजिद नाडियाडवाला भारतीय फिल्म उद्योग के अग्रणी निर्माताओं में से एक हैं और इन दिनों वह आने वाले दो वर्षों की कुछ सबसे रोमांचक फिल्मों पर काम कर रहे हैं। जहां एक तरफ़ वह सलमान खान के साथ सिकंदर फ़िल्म, जो कि अगले साल ईद के दौरान रिलीज होगी, पर काम कर रहे हैं वहीं अक्षय कुमार के साथ अपनी हिट कॉमेडी फ्रेंचाइजी हाउसफुल की पांचवीं किस्त, हाउसफुल 5 की तैयारी भी शुरू कर चुके हैं । और अब साजिद नाडियाडवाला की हाउसफुल 5 को लेकर लेटेस्ट अपडेट ये है कि, फ़िल्म में एक नए स्टार की एंट्री होने जा रही है । हालांकि ये स्टार पहले भी हाउसफ़ुल की किस्त में नजर आ चुका है और अब एक बार फ़िर मेकर्स फ़िल्म को और भी रोमांचक बनाने के लिए, अर्जुन रामपाल को हाउसफुल 5 में शामिल कर चुके हैं ।

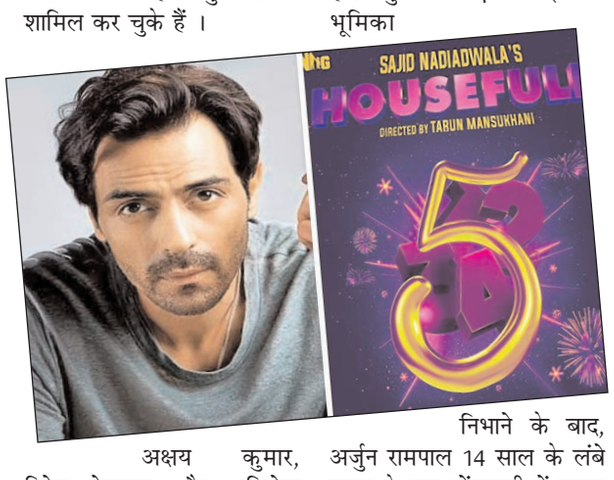

अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन को शामिल करने के बाद, हाउसफुल गैंग में सबसे नया सदस्य अर्जुन रामपाल हैं । हमारे सूत्रों के मुताबिक, अर्जुन रामपाल हाउसफुल 5 में अहम भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं । हाउसफुल में एक भाई की भूमिका निभाने के बाद, अर्जुन रामपाल 14 साल के लंबे समय के बाद फ्रेंचाइजी में वापस लौट आए हैं । यह रामपाल के लिए एक और गंभीर लेकिन मज़ेदार किरदार है और वह इस फिल्म में आने के लिए उत्साहित हैं। जब साजिद नाडियाडवाला हाउसफुल 5 के विचार के साथ उनके पास आए, तो उन्होंने इस अवसर को हाथ से जाने नहीं दिया और हाउसफुल 5 में रोल निभाने के लिए तैयार हो गए । एक सूत्र ने हमें सीक्रेटली बताया ।

सूत्र ने आगे बताया कि अक्षय भी हाउसफुल की दुनिया में अर्जुन रामपाल का वापस स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं । बता दें कि, हाउसफुल 5, एक हाउसफुल यूनिवर्स फिल्म है, जहां पिछली किस्त के सभी किरदार अलग-अलग स्किल के साथ फ़िल्म में आते हैं । हाउसफुल 5 की कहानी इस बार एक क्रूज पर आधारित है और यूके में मैराथन शेड्यूल के साथ अगस्त 2024 में इसकी शूटिंग शुरू होगी । हाउसफुल फ़्रेंचाइजी भारत में 5 पार्ट्स का आंकड़ा छूने वाली पहली कॉमेडी फ्रेंचाइजी बन गई है।

जैकी को अंतर्राष्ट्रीय बायोपिक फ़िल्म स्लो जो में मिला लीड रोल

सिंगापुर प्रोडक्शन हाउस हेज़लनट मीडिया के को-सीईओ इसाबेला श्रेयाशी सेन और ओलिवियर डॉक द्वारा निर्मित, बहुप्रतीक्षित बायोपिक स्लो जो को प्रसिद्ध फ्रांसीसी अभिनेत्री और निर्देशक सैंड्रिन बोनेयर के निर्देशन में कदम रखा था । प्रतिष्ठित अभिनेता जैकी श्रॉफ के साथ सहयोग करते हुए, बोनेयर दिवंगत भारतीय संगीतकार जोसेफ मैनुअल दा रोचा, जिन्हें प्यार से स्लो जो के नाम से जाना जाता है, के जीवन की इस मनोरम सिनेमाई यात्रा को संचालित करने के लिए अपनी अद्वितीय विशेषज्ञता लेकर आए हैं। सेन और डॉक ने कहा, हम आशा की इस अंतर्राष्ट्रीय कहानी को स्क्रीन पर लाने के लिए बेहद उत्साहित हैं, और इस परियोजना में जैकी और सैंड्रिन को लेकर हम बेहद खुश हैं

बोनेयर की निर्देशकीय क्षमता, श्रॉफ के मेग्नेटिक प्रदर्शन के साथ मिलकर,

स्लो जो की उल्लेखनीय कहानी का एक मार्मिक और प्रामाणिक चित्रण देने का वादा करती है। मुंबई में जन्मे स्लो जो के विरासत की कोई सीमा नहीं है , जो उन्हें इस सिंगापुर-फ्रांस-भारत सह-निर्माण के लिए एक उपयुक्त विषय बनाती है।

अपने उत्साह को व्यक्त करते हुए जैकी श्रॉफ कहते हैं ,मैं स्लो जो निर्देशक सैंड्रिन बोनेयर के साथ काम करने के लिए बेहद उत्साहित हूँ । उनकी असाधारण प्रतिभा और दूरदृष्टि निस्संदेह फिल्म को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी। ऐसे सम्मानित फिल्म निर्माता के साथ काम करना एक सम्मान की बात है, और मैं स्लो जो की असाधारण यात्रा को दुनिया भर के दर्शकों के सामने लाने के लिए उत्सुक हूं ।बोनेयर कहती हैं ।सेफ मैनुअल दा रोचा की कहानी मूविंग और एक्सट्राऑडिनरी है, जो दर्शाती है कि प्रतिकूल परिस्थितियों पर काबू पाने और अपने सपनों को हासिल करना नामुमकिन नहीं है । मैं प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं और फिल्म की शूटिंग शुरू होने का बेसब्री से इंतज़ार है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

सीएम हाउस से केजरीवाल के पीए विभव कुमार गिरफ्तार

नईदिल्ली। स्वाति मालीवाल केस में विभव कुमार को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। मुख्यमंत्री के आवास से विभव कुमार को हिरासत में लिया गया है। पुलिस को एक मेल भी विभव कुमार की तरफ से किया गया था कि उसे जानकारी मिली है कि उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। वो पुलिस को कॉपरेट करने के लिए तैयार है। इसके बाद पुलिस की टीम वहां पहुंची। विभव कुमार पर स्वाति मालीवाल से मारपीट करने का आरोप है। पुलिस ने मालीवाल की शिकायत के आधार पर दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल के पूर्व निजी सचिव और सहायक विभव कुमार पर केस दर्ज कर लिया है। दिल्ली पुलिस जिसके बाद से विभव कुमार की तलाश कर रही थी। एनसीडब्ल्यू चीफ की तरफ से उन्हें पूछताछ के लिए तलब किया गया था। लेकिन वो पेश नहीं हुए थे। हिरासत में लेने के बाद विभव कुमार को सिविल लाइंस थाने ले जाया गया है।

जनता के सामने बेनकाब हुए केजरीवाल : जेपी नड्डा

नईदिल्ली। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट मामले में आम आदमी पार्टी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर कड़ा प्रहार करते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि आप की कोई विश्वसनीयता नहीं है, साथ ही उन्होंने कहा कि केजरीवाल जनता के सामने बेनकाब हो गए हैं। नड्डा ने कहा कि आम आदमी पार्टी भी अपने नेताओं की तरह झूठ की बुनियाद पर बनी है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी झूठ की बुनियाद पर बनी पार्टी है और इसकी विश्वसनीयता शून्य नहीं, माइनस में है। आज अरविंद केजरीवाल देश की जनता के सामने, दिल्ली की जनता के सामने बेनकाब हो गये हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अगर यह बात बीजेपी ने रची है तो आप (लखनऊ में पीसी के दौरान) माइक को इधर से उधर क्यों कर रहे थे? आप चुप क्यों हैं? आपको कौन रोक रहा है? आम आदमी पार्टी की संस्कृति से पता चलता है कि वे लोगों को अपने घरों में बुलाते हैं और उनकी पिटाई करते हैं।

भाजपा ने मालीवाल को साजिश में शामिल किया : आतिशी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी नेता आतिशी ने शनिवार को दावा किया कि उनकी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल अवैध भर्ती मामले में गिरफ्तारी का सामना कर रही हैं और उन्हें भारतीय जनता पार्टी ने 'ब्लैकमेल' कर मुख्यमंत्री केजरीवाल के खिलाफ साजिश का हिस्सा बनाया। मालीवाल ने अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार पर मारपीट का आरोप लगाया है। दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री आतिशी ने बातचीत में आरोप लगाया कि मालीवाल सोमवार को मिलने का समय लिये बिना मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर पहुंचीं। आतिशी ने कहा, ''वह अंदर क्यों प्रवेश कर गईं? वह मिलने का समय लिये बिना मुख्यमंत्री के आवास पर क्यों पहुंचीं? उस दिन अरविंद केजरीवाल व्यस्त थे और उनसे नहीं मिले। अगर वह उस दिन उनसे मिले होते, तो बिभव कुमार के खिलाफ लगाए गए आरोप उनके (केजरीवाल के) खिलाफ लगाए जा सकते थे।

मालीवाल की मेडिकल रिपोर्ट सामने आई, जख्म की पुष्टि

नईदिल्ली। स्वाति मालीवाल मारपीट मामले में ताजा घटनाक्रम में आप सांसद की मेडिकल रिपोर्ट सामने आ गई है। मेडिकल रिपोर्ट से साफ पता चलता है कि उनके बाएं पैर में चोट है और दाहिनी आंख के नीचे चोट के निशान हैं। कुल चार जगह चोट के निशान हैं। जब स्वाति इलाज के लिए अस्पताल पहुंची तो उन्होंने कहा कि उनके सिर पर चोट लगी है। वह गिर गई और उसके पैरों में चोट लगने के साथ-साथ पेट, पैर, श्रोणि और छाती में चोटें आईं। एक अन्य घटनाक्रम में, 13 मई का एक ताजा सीसीटीवी फुटेज जिसमें आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल को दिल्ली में मुख्यमंत्री आवास से बाहर ले जाते हुए दिखाया गया है, वह शनिवार को सामने आया। स्वाति मालीवाल ने एक्स पोस्ट में कहा कि पार्टी में कल के आए नेताओं से 20 साल पुरानी कार्यकर्ता को भाजपा का एजेंट बता दिया। दो दिन पहले पार्टी ने प्रेस कांफ्रेंस में सब सच क़बूल लिया था और आज -यू टर्न।

भाजपा के अन्याय का बदला लेगा बंगाल : ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा कि राज्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ''अन्याय'' का बदला लेगा और ''निश्चित रूप से बांग्ला विरोधियों का सफाया होगा।'' बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''गरीबों के विकास के लिए निर्धारित धन को रोककर प्रचार प्रसार पर पैसा खर्च करते रहना पाप है।'' तृणमूल प्रमुख पिछले करीब तीन साल से मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी विभिन्न योजनाओं के तहत राज्य को 1.65 लाख करोड़ रुपये से अधिक बकाया राशि का केंद्र द्वारा कथित रूप से भुगतान नहीं करने को लेकर मुखर रही हैं। उन्होंने कहा, ''बंगाल भाजपा द्वारा किए गए इस अन्याय का बदला लेगा।'' बनर्जी ने कहा, ''झारग्राम, घाटाल और मेदिनीपुर के लोगों ने एक स्पष्ट संदेश दिया है - बांग्ला विरोधियों का विसर्जन निश्चित है।

उत्तर प्रदेश के बांदा में केंद्रीय गृहमंत्री ने कांग्रेस और सपा पर जमकर निशाना साधा

देश चलाने के लिए मजबूत प्रधानमंत्री चाहिए : शाह

लखनऊ। अमित शाह शनिवार को बुंदेलखंड में थे। उन्होंने ललितपुर में अनुराग शर्मा तो बांदा में आरके पटेल के लिए जनसभा को संबोधित किया। बांदा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और सपा पर जमकर निशाना साधा। अमित शाह ने कहा कि ये चुनाव सांसद बनाने का नहीं है, ये चुनाव, रामभक्तों पर गोली चलाने वाले और श्रीराम मंदिर बनाने वालों के बीच का चुनाव है। यूपी में समाजवादी पार्टी की सरकार थी, रामभक्तों पर कारसेवकों पर गोली चला दी, सरयू खून से लाल हो गई, आज वहीं लोग आपसे वोट मांगने निकले हैं।

शाह ने कहा कि अखिलेश बाबू, डिंपल भाभी, राहुल बाबा, सोनिया जी... सबको राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण भेजा गया था, लेकिन ये लोग नहीं गए, क्योंकि ये अपने वोट बैंक से डरते हैं। इन लोगों ने वोट बैंक की राजनीति करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। अपना हमला जारी रखते हुए शाह ने कहा कि जब पत्रकारों ने इंडी अलायंस वालों से पूछा कि आपका प्रधानमंत्री प्रत्याशी कौन है? तो उन्होंने कहा, हम बारी बारी से बन जाएंगे। अरे राहुल बाबा, ये परचून की दुकान नहीं है, ये इतना बड़ा देश है। देश चलाने के लिए मजबूत प्रधानमंत्री चाहिए, 56 इंच के सीने वाला प्रधानमंत्री चाहिए।

भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस के नेता मणिशंकर अय्यर कहते हैं, पाकिस्तान के पास एटम बम है, पीओके मत मांगो। अरे मणिशंकर अय्यर, हम भाजपा वाले हैं, डरना नहीं जानते, आपको डरना है तो डरो। पीओके भारत का है, भारत का रहेगा और हम पीओके को प्राप्त करके रहेंगे। फारुख अब्दुल्ला और मणिशंकर अय्यर हमको डराते हैं। इस देश का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी है, इस महान देश को डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि ये पूरा घमंडिया गठबंधन परिवारवादियों का गठबंधन है, ये अपने बेटे-बेटियों के लिए काम करते हैं। शरद पवार अपनी बेटी सुप्रिया सुले को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। उद्धव ठाकरे अपने बेटे आदित्य ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। ममता अपने भतीजे को मुख्यमंत्री बनाना चाहती हैं। सोनिया जी अपने बेटे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि पूरे बुंदेलखंड में सपा के जमाने में बड़े-बड़े गुंडों का राज था, गैंग चलती थीं, अपहरण होते थे, फिरौती ली जाती थी, पूरे यूपी में दंगे होते थे। 2017 में आपने भाजपा सरकार बनाई, योगी जी मुख्यमंत्री बने और उन्होंने यहां के सारे गुंडों को सीधा कर दिया। उन्होंने कहा कि ये चुनाव देश के विकास का चुनाव है...ये चुनाव देश को सुरक्षित करने और हमारे धर्म एवं संस्कृति के रक्षण का चुनाव है, ये चुनाव भारत को महान बनाने और देश के गरीबों का कल्याण करने का चुनाव है, और ये चुनाव बुंदेलखंड के लोगों की प्यास बुझाने का चुनाव है।

अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने हमारे अर्थतंत्र को 11वें नंबर से तीसरे नंबर पर लाने का काम किया है। 2004 से 2014 तक कांग्रेस की सरकार थी। पाकिस्तान से लोग घुस जाते थे, बम धमाके करते थे। मोदी जी प्रधानमंत्री बने उड़ी और पुलवामा में हमला हुआ, 10 ही दिन में सर्जिकल स्ट्राइक करके, उनका सफाया करने का काम नरेंद्र मोदी ने किया।

उन्होंने कहा कि खरगे कह रहे हैं कि बांदा के लोगों को कश्मीर की क्या जरूरत। खरगे महाराज आप 80 के हो गए, आप जानते नहीं हो, बांदा का बच्चा का बच्चा कश्मीर के लिए अपनी जान दे सकता है। मोदी जी ने कश्मीर से धारा 370 को खत्म करके आतंकवाद को समाप्त किया। ये मुकाबला एक ओर चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए राहुल गांधी और अखिलेश यादव के बीच और दूसरी ओर गरीब घर का चाय बेचने वाला है। ये पूरा घमंडिया गठबंधन परिवारवादियों को गठबंधन है। ये अपने बेटे-बेटियों को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं।

अमित शाह ने कहा कि मोदी ने 10 करोड़ से ज्यादा माताओं को गैस सिलेंडर दिया। 14 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाया। 10 करोड़ से अधिक शौचालय बनाया। बिजली दी, पांच किलो अनाज फ्री दे रहे हैं। पांच लाख तक सारा खर्चा नरेंद्र मोदी उठा रहे हैं। उन्होंने पूछा कोरोना का दोनों टीका लगा है। क्या चार आना भी देना पड़ा। उस वक्त अखिलेश और राहुल बाबा कहते थे, ये मोदी टीका है, बीमार हो जाएगा। अच्छा हुआ बांदा वालों ने उनकी कहना नहीं माना। तब राहुल और प्रियंका ने रात के अंधेरे में टीका लगवा लिया। जब देश कोरोना से मजबूती से लड़ रहा था। तब ये राजनीति कर रहे थे।

अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी जी ने बुंदेलखंड में एक्सप्रेसवे दिया, केन बेतवा पर काम हो रहा है, डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है। मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बना दो बुंदेलखंड का एक भी खेत ऐसा नहीं होगा, जहां केन बेतवा का पानी नहीं पहुंचे। 35 हजार करोड़ से मोदी जी ने केन बेतवा का काम शुरू किया है। बांदा से प्रत्याशी आरके पटेल की तारीफ करते हुए उनके काम गिनाए।

गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को बीजेपी के प्रत्याशी अनुराग शर्मा के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा एक ओर 12 लाख करोड़ घपले घटाले करने वाला इंडी एलायंस राहुल बाबा एंड टीम और दूसरी ओर मोदी है। 23 साल तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहे, उन पर 25 पैसे का कोई आरोप नहीं लगा सकता।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में देशी कट्टे बनते थे। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने बुंदेलखंड में डिफेंस कॉरिडोर बनाया और अब यहां तोप के गोले बनते हैं। मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने और उत्तर प्रदेश के विकास की शुरुआत हुई। एक जमाना था जब उत्तर प्रदेश में देशी कट्टे बनते थे, लेकिन मोदी ने बुंदेलखंड में डिफेंस कॉरिडोर बनाया और अब यहां तोप के गोले बनते हैं। पाकिस्तान ने अगर कोई भी गलती की तो ये बुंदेलखंडी गोला पाकिस्तान पर गिरेगा और उसका सफाया कर देगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का आरोप

लोगों को भड़का रहे हैं मोदी, चुनाव आयोग को कार्रवाई करनी चाहिए

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस आरोप पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि, सपा, कांग्रेस सत्ता में आने पर राम मंदिर पर बुलडोजर चलाएगी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री लोगों को उकसा रहे हैं और चुनाव आयोग को कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने पीएम मोदी पर महाराष्ट्र में अवैध महायुति सरकार का समर्थन करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमने आज तक बुलडोजर नहीं चलाया...भड़काऊ भाषण देने वालों के खिलाफ चुनाव आयोग को कार्रवाई करनी चाहिए। प्रधानमंत्री स्वयं ऐसा कर रहे हैं। वह लोगों को भड़का रहे हैं।

खड़गे ने कहा कि हमारी सरकार आने के बाद हमारे संविधान के अनुसार सभी चीजों की रक्षा की जाएगी, हम संविधान का पालन करेंगे। वह मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) के शरद पवार और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक महाराष्ट्र में 48 में से 46 सीटें जीतेगा। ये बात लोग खुद कह रहे हैं। हमारा गठबंधन अधिकतम सीटें जीतेगा और भाजपा को हराएगा। कांग्रेस प्रमुख ने शिव सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का जिक्र करते हुए इस बात पर भी अफसोस जताया कि महाराष्ट्र में असली पार्टियों से पार्टी का चिन्ह छीन लिया गया और भाजपा को समर्थन करने वाली पार्टियों को दे दिया गया।

खरगे ने अनुच्छेद 370 पर उनकी पार्टी के रुख के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''मैं मोदी के प्रति जवाबदेह नहीं हूं। हमने अपने घोषणापत्र में जो वादा किया है हम उसे पूरा करेंगे।'' उन्होंने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, ''वह जहां भी जाते हैं, विभाजन करने की कोशिश करते हैं, समाज को बांटने की बात करते हैं।'' खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस के घोषणापत्र को मुस्लिम लीग का घोषणापत्र बताया था लेकिन अब वह कहते हैं कि यह माओवादी घोषणापत्र है। कांग्रेस प्रमुख ने आश्वासन दिया कि संविधान में दिया गया आरक्षण जारी रहेगा और कोई इसे छू नहीं सकता।

राहुल-प्रियंका पर स्मृति ईरानी का सीधा वार

अमेठी। केंद्रीय मंत्री और उत्तर प्रदेश के अमेठी से भाजपा की लोकसभा उम्मीदवार स्मृति ईरानी ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा कि निर्वाचन क्षेत्र में उनकी असली चुनौती प्रियंका गांधी वाड्रा हैं। उन्होंने कहा कि वाड्रा मंच के पीछे से लड़ रही हैं और कम से कम उनके भाई राहुल गांधी सामने से लड़े। लेकिन जब उनसे पूछा गया कि प्रियंका चुनाव में सीधे क्यों नहीं है, इस पर स्मृति ईरानी ने कहा कि उन्हें हारने का डर है। वह हार से अपना राजनीतिक जीवन की शुरूआत नहीं करना चाहतीं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस बार प्रियंका गांधी वाड्रा पर्दे के पीछे से रायबरेली और अमेठी दोनों में कांग्रेस के अभियान का प्रबंधन कर रही हैं। अमेठी में स्मृति ईरानी का मुकाबला गांधी परिवार के वफादार किशोरी लाल शर्मा से है। स्मृति ईरानी ने कहा मेरी प्रतिद्वंद्वी प्रियंका वाड्रा हैं, वह मंच के पीछे से लड़ रही हैं। भाई तो सामने था; 2014 में भी राहुल केवल 1.07 लाख वोटों से जीते और वह भी मुलायम सिंह यादव की मदद से। स्मृति ईरानी ने राहुल और प्रियंका गांधी पर लगाए विस्फोटक आरोप लगता हुए कहा जो लोग बूथ कैप्चरिंग करते थे उन्हें अब एक साधारण बीजेपी कार्यकर्ता हरा रहा है।

खेल
प्रमुख समाचार

इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम ने खेल का संतुलन बिगाड़ा : विराट

नईदिल्ली। कप्तान रोहित शर्मा से सहमति जताते हुए स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम की आलोचना करते हुए कहा कि इससे खेल का संतुलन बिगड़ रहा है। आईपीएल के पिछले सत्र से पारी के बीच में स्थानापन्न खिलाड़ी को उतारने का नियम शुरू हुआ है जिस पर रोहित ने भी नाराजगी जताई थी। अब कोहली ने कहा मैं रोहित का समर्थन करता हूं। मनोरंजन खेल का एक पहलू है लेकिन संतुलन भी होना चाहिए। इससे खेल का संतुलन बिगड़ा है और कई लोगों को ऐसा लगता है , सिर्फ मुझे नहीं।

रोहित ने पॉडकास्ट में कहा ,'' मैं इस नियम का मुरीद नहीं हूं। इससे हरफनमौलाओं पर विपरीत असर पड़ेगा। क्रिकेट 11 खिलाड़ियों का खेल है, 12 का नहीं।'' आईपीएल के इस सत्र में आठ बार 250 रन से अधिक का स्कोर बना और कोहली गेंदबाजों का दर्द समझते हैं। उन्होंने कहा ,' गेंदबाजों को लग रहा है कि हम क्या करें । मैने कभी ऐसा नहीं देखा जब गेंदबाजों को लगता है कि वे हर गेंद पर चार या छह रन देंगे। हर टीम के पास बुमराह या राशिद खान तो है नहीं ।''उन्होंने कहा ,'' एक अतिरिक्त बल्लेबाज के कारण पावरप्ले में मैं 200 प्लस के स्ट्राइक रेट से खेल रहा हूं क्योंकि मुझे पता है कि आठवें नंबर पर भी एक बल्लेबाज है । मेरा मानना है कि शीर्ष स्तर पर क्रिकेट में इस तरह का दबदबा नहीं होना चाहिये। बल्ले और गेंद के बीच समान संतुलन होना चाहिये।''

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा था कि यह नियम प्रयोग के तौर पर लागू किया गया है ताकि दो भारतीय खिलाड़ियों को एक मैच में मौका मिल सके । कोहली ने कहा ,'' मुझे यकीन है कि जय भाई ने कहा है कि वह इसकी समीक्षा करेंगे और मुझे यकीन है कि ऐसा निष्कर्ष निकलेगा कि खेल में संतुलन पैदा हो सके । सिर्फ चौके या छक्के की क्रिकेट में रोमांचक नहीं होते । 160 का स्कोर बनाकर जीतना भी रोमांचक होता है।''

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

विशेष कारोबारी सत्र में सेंसेक्स निफ्टी बढ़त के साथ बंद

नईदिल्ली। शेयर बाजार में शनिवार को विशेष कारोबार सत्र में बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी बढ़त के साथ बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन तेजी रही। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 88.91 अंक या 0.12 प्रतिशत चढ़कर 74,005.94 पर बंद हुआ। सत्र के दौरान यह 245.73 अंक या 0.33 प्रतिशत उछलकर 74,162.76 पर पहुंच गया था। एनएसई निफ्टी 35.90 अंक या 0.16 प्रतिशत बढ़कर 22,502 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में नेस्ले, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय स्टेट बैंक में उल्लेखनीय बढ़त हुई। दूसरी ओर जेएसडब्ल्यू स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति और कोटक महिंद्रा बैंक लाल निशान में बंद हुए। अमेरिका के अधिकांश शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे।

भारत-ब्रिटेन ने वार्ता में एफटीए पर जताई प्रतिबद्धता

लंदन। भारत और ब्रिटेन ने एक बार फिर दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई। भारत और ब्रिटेन के बीच सालाना होने वाली रणनीतिक बातचीत के लिए भारत के विदेश सचिव विनय क्वात्रा ब्रिटेन दौरे पर हैं। इस दौरान क्वात्रा ने ब्रिटेन के विदेश, कॉमनवेल्थ एंड डेवलेपमेंट ऑफिस के स्थायी अवर सचिव सर फिलिप बार्टन से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद सर फिलिप बार्टन ने कहा कि दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर प्रतिबद्धता जताई गई। साथ ही साल 2030 के रोडमैप की समीक्षा भी की गई। सर फिलिप बार्टन ने कहा कि 2030 के रोडमैप की समीक्षा के दौरान दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने माना कि जनवरी में हुई बैठक के बाद इस दिशा में अच्छी प्रगति हुई है। जिसके तहत दुनिया की पहली मलेरिया वैक्सीन पर सहयोग बढ़ा है।

वोडाफोन आइडिया की चुनिंदा शहरों में 5जी लाने की योजना

नईदिल्ली। कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया छह महीने में चुनिंदा शहरों और जगहों पर 5जी सेवाओं की पेशकश करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। वोडाफोन आइडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अक्षय मूंदड़ा ने कहा कि अगले तीन वर्षों में 4जी नेटवर्क के विस्तार और मजबूती पर ध्यान देने के साथ कंपनी का पूंजीगत व्यय 50,000-55,000 करोड़ रुपये के बीच रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता 4जी कवरेज है क्योंकि मेरी नजर में इस इकलौती वजह से हम लगातार ग्राहक गंवा रहे हैं। उस पूंजीगत व्यय में काफी तेजी लाई जाएगी। मूंदड़ा ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि अब से छह महीने में हमें 5जी को बड़े पैमाने पर शुरू करना चाहिए। मुख्य जोर मुख्य शहरों या अन्य क्षेत्रों पर होगा जहां 5जी उपकरणों की बड़ी मौजूदगी है।

ओयो दोबारा करेगी आईपीओ के लिए अप्लाई

नईदिल्ली। ग्लोबल हॉस्पिटैलिटी टेक्नोलॉजी कंपनी ओयो आईपीओ के लिए एक बार फिर से आवेदन करने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के अनुसार, कंपनी डॉलर बॉन्ड की बिक्री के जरिए 45 करोड़ डॉलर जुटाने की अपनी री-फाइनेंसिंग की प्लानिंग को जल्द फाइनल करने वाली है। बता दें कि ओयो में जापान के जापान के सॉफ्टबैंक ग्रुप का भी पैसा लगा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जेपी मॉर्गन 9 से 10 फीसदी की अनुमानित सालाना ब्याज दर पर डॉलर बॉन्ड की बिक्री के माध्यम से री-फाइनेंसिंग के लिए संभावित लीड बैंकर है। ओयो ने अपने मौजूदा ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस को वापस लेने के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास एप्लीकेशन फाइल कर दिया है। कंपनी की प्लानिंग पहले री-फाइनेंसिंग करके अपनी फाइनेंशियल स्थिति को मजबूत करने की है।

भारत सहित एशियाई देश विश्व की अर्थव्यवस्था में देंगे 60 प्रतिशत का योगदान

प्रह्लाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। अभी तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकसित देशों का दबदबा बना रहता आया है। परंतु, अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2024 में भारत सहित एशियाई देशों के वैश्विक अर्थव्यवस्था में 60 प्रतिशत का योगदान होने की प्रबल सम्भावना है।

एशियाई देशों में चीन एवं भारत मुख्य भूमिकाएं निभाते नजर आ रहे हैं। प्राचीन काल में वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत का योगदान लगभग 32 प्रतिशत से भी अधिक रहता आया है। वर्ष 1947 में जब भारत ने राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी उस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत का योगदान लगभग 3 प्रतिशत तक नीचे पहुंच गया था क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था को पहिले अरब से आए आक्राताओं एवं बाद में अंग्रेजों ने बहुत नुक्सान पहुंचाया था एवं भारत को जमकर लूटा था। वर्ष 1947 के बाद के लगभग 70 वर्षों में भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारतीय अर्थव्यवस्था के योगदान में कुछ बहुत अधिक परिवर्तन नहीं आ पाया था। परंतु, पिछले 10 वर्षों के दौरान देश में लगातार मजबूत होते लोकतंत्र के चलते एवं आर्थिक क्षेत्र में लिए गए कई पारदर्शी निर्णयों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था को तो जैसे पंख लग गए हैं। आज भारत इस स्थिति में पहुंच गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में वर्ष 2024 में अपने योगदान को लगभग 18 प्रतिशत के आसपास एवं एशिया के अन्य देशों यथा चीन, जापान एवं अन्य देशों के साथ मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था में एशियाई देशों के योगदान को 60 प्रतिशत तक ले जाने में सफल होता दिखाई दे रहा है।

भारत आज अमेरिका, चीन, जर्मनी एवं जापान के बाद विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। साथ ही, भारत आज पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में तो भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत से अधिक रहने की प्रबल सम्भावना बन रही है क्योंकि वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली तीन तिमाहियों में भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत से अधिक रही है, अक्टोबर-दिसम्बर 2023 को समाप्त तिमाही में तो आर्थिक विकास दर 8.4 प्रतिशत की रही है। इस विकास दर के साथ भारत के वर्ष 2025 तक जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने की प्रबल सम्भावना बनती दिखाई दे रही है। केवल 10 वर्ष पूर्व ही भारत विश्व की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था और वर्ष 2013 में मोर्गन स्टैनली द्वारा किए गए एक सर्वे के अनुसार भारत विश्व के उन 5 बड़े देशों (दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, इंडोनेशिया, टर्की एवं भारत) में शामिल था जिनकी अर्थव्यवस्थाएं नाजुक हालत में मानी जाती थीं।

आज भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.7 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है। साथ ही, वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में लगातार तेज वृद्धि आंकी जा रही है, जिससे भारत के वित्तीय संसाधनों पर दबाव कम हो रहा है और भारत पूंजीगत खर्चों के साथ ही गरीब वर्ग के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के लिए वित्त की व्यवस्था आसानी से कर पा रहा है। केंद्र सरकार के बजट में न केवल वित्तीय घाटा कम हो रहा है बल्कि आने वाले समय में केंद्र सरकार को अपने सामान्य खर्च चलाने के लिए ऋण लेने की आवश्यकता भी कम पड़ने लगेगी।

दूसरे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत लगातार स्थिर बनी हुई है, जिससे विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विश्वास भी बढ़ रहा है और भारत में विदेशी निवेश भी लगातार बढ़ता जा रहा है। तीसरे, भारत में मुद्रा स्फीति पर भी तुलनात्मक रूप से नियंत्रण पाने में सफलता मिली है। अन्य देश अभी भी मुद्रा स्फीति की समस्या से जूझ रहे हैं। आर्थिक क्षेत्र में उक्त कारकों के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर 8 प्रतिशत से अधिक बने रहने की प्रबल सम्भावनाएं बनी रहेंगी।

ओडिसा में सरकार बनने पर भाजपा बाहरी की बजाय ओडिसा के बेटे को बनाएगी मुख्यमंत्री: चौधरी

ओडिसा बृजराजनगर विधान सभा के रंगाली में आयोजित सभा में बीजेडी सरकार पर जमकर बरसे छत्तीसगढ़ के वित मंत्री ओपी

रायपुर/रायगढ़। ओडिसा में पदम फूल की सरकार बनने पर ओडिसा के बेटे को मुख्यमंत्री बनाए जाने मोदी के वादे से अवगत कराते हुए छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ओडिसा बृजराजनगर विधान सभा के रंगाली में आयोजित सभा में बीजेडी सरकार पर जमकर बरसे और पांड्यांन को बाहरी बताकर आड़े हाथो भी लिया। ओपी के धुआंधार प्रचार से सत्ता धारी बीजेडी बैकफुट में नजर आ रही और ओडिसा छत्तीशगढ़ सीमा से लगे विधान सभा एवम लोकसभा सीटो में ओपी चौधरी बतौर स्टार प्रचारक धुंआधार प्रचार कर रहे।ओपी ने कहा चंद दूरी में स्थित छत्तीसगढ़ राज्य की भाजपा सरकार किसानों को प्रति एकड़ 3100 क्विंटल के हिसाब से 65100 रूपए दे रही वही यहां की बीजेडी सरकार किसानों का शोषण कर रही है और प्रति एकड़ 27800 दे रही। बीजेडी की जगह यदि भाजपा की सरकार बनी तो भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा के नाम पर शुरू की जाने वाली योजना के तहत ओडिसा की महिलाओ पचास हजार रूपए का लाभ मिलेगा। ओडिसा की हर सभा में ओपी अपने चिर परिचित अंदाज में यह बता रहे है कि छह महीने पहले ही छत्तीशगढ़ में भी कांग्रेस की सरकार थी बतौर विपक्ष छत्तीसगढ़ की जनता को भाजपा ने यह विश्वास दिलाया था कि भाजपा की सरकार ना केवल मोदी की गारंटी को पूरा करेगी बल्कि भूपेश सरकार के मफियाराज व आतंक से मुक्ति भी दिलाएगी। मोदी जी की गारंटी पर छत्तीसगढ़ की जनता ने भरोसा जताया और विष्णु देव सरकार बनते ही मोदी की गारंटी के तहत राम लला दर्शन योजना महतारी वंदन योजना 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से एक मुश्त भुगतान करने के वादे को पूरा किया गया। राम लला दर्शन योजना की जानकारी देते हुए ओपी ने बताया मोदी सरकार ने 500 साल का वनवास खत्म कर राम मंदिर निर्माण का वादा पूरा किया। राम लला दर्शन योजना के तहत आम जनता का सारा खर्चा विष्णु देव साय सरकार वहन करती है। भाजपा पर महिलाओ के भरोसे का उल्लेख करते हुए ओपी ने कहा छत्तीस गढ़ में हर माह की पहली तारीख को सत्तर लाख महिलाओ को खाते में प्रति महिला को एक हजार हस्तांतरित किए जाते है। ओडिसा और छत्तीसगढ़ के मध्य रिश्तेदारी का उल्लेख करते हुए ओपी ने कहा ओडिसा की जनता को छत्तीशगढ़ में निवास रत अपने रिश्तेदारों से विष्णु देव साय सरकार के भरोसे की सच्चाई जान कर ओडिसा में भी पदम फूल की सरकार बनानी चाहिए।

भाजपा की सरकार ओडिसा की दशा ओर दिशा बदलने में कामयाब रहेगी। ओपी ने स्वयं को पड़ोसी राज्य का बताते हुए कहा मोदी सरकार ने राम मंदिर बनाकर धारा 370 हटाकर एवम भारत को विश्व गुरु बना कर 2014 से लगातार आपके द्वारा दिए गए एक एक वोट का सदुपयोग देश हित में किया हैं। ओपी ने ओडिसा के मतदाताओं को बताया पदुम फूल के पक्ष में दिया गया।

आदिवासी बहन द्रोपदी मुर्मू जी को राष्ट्रपति बनाया जाना ओडिसा वासियों के लिए गर्व का विषय- ओपी

दशकों तक राज करने वाली कांग्रेस ने आदिवासियों के साथ न्याय नहीं किया लेकिन नरेंद्र मोदी जी ने ओडिसा की आदिवासी बहन द्रोपदी मुर्मू को देश के सर्वोच्च सम्मान का पद दिया। द्रोपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर मोदी जी ने आदिवासी समाज की यथोचित सम्मान दिया। ओडिसा वासियों के लिए यह गर्व का विषय है।

ओडिसा की सभाओं में लग रहे नारे... एति ओती चारो कोति ओपी..ओपी....

रंगाली की चुनावी सभा में प्रवेश करते ही यूवाओ महिलाओ ने ओपी चौधरी जिंदाबाद के नारे लगाए । ओपी के स्वागत हेतु खड़ी भीड़ ओपी के आगमन पर जिंदाबाद के नारे लगाने लगी। ओडिसा के स्थानीय नेताओं में भी ओपी के साथ मंच साझा करने एवम फोटो खिंचाने की होड़ मची रही। एकत्रित भीड़ भी ओपी चौधरी को सुनने के लिए उत्सुक नजर आई। महिलाओ में भी ओपी को लेकर खासा उत्साह रहा।

ओडिशा में बदलाव की बयार है: किरण सिंह देव

रायपुर।/बरगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने ओड़िसा में भाजपा प्रत्याशियों के प्रचार का मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने ओडिशा के बंदबहाल अंतर्गत लोकसभा बरगढ़ में रोड शो कर लोकसभा प्रत्याशी प्रदीप पुरोहित, विधानसभा प्रत्याशी, सुरेश पुजारी के पक्ष में प्रचार किया। इस अवसर पर आयोजित सभा में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर ओडिशा के सर्वांगीण विकास के लिए भाजपा के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा ओडिशा के संसाधनों पर केवल ओडिशा के लोगों का अधिकार होना चाहिए। जबकि पटनायक सरकार पिछले कई सालों से मूल ओडिशा वासियों को छल रही है। किरण सिंह देव ने कहा जहां जहां भाजपा की सरकार बनती है 10 दिनों के भीतर भाजपा मोदी की गारंटी पूरे करती है। मोदी की गारंटी, गारंटी पूरी होने की गारंटी है। इसलिए अधिक से अधिक वोट भाजपा को देकर जिताने की बात कही।

जहां भाजपा की सरकार बनी है वहां विकास का नया स्तर लोगों ने देखा है- पुरंदर मिश्रा

इस दौरान सह प्रभारी एवं भाजपा उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा भाजपा केवल पार्टी नही बल्कि देशभक्तों की टोली है जो देश के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए अंत्योदय के लिए दिन-रात मेहनत करती है। भाजपा की सरकार जहां भी बनी है वहां विकास का नया स्तर लोगों ने देखा है। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र आज विकास के अगले दौर में प्रवेश कर चुके है जबकि बीजेडी एक ऐसी भ्रष्ट राजनीति पार्टी है जो केवल एक परिवार के विकास की बात करती है और लगातार ढाई दशकों तक ओडिशा के लोगों का शोषण कर रही है। जनता इस बार इन्हे सबक सिखाने जा रही है एवं भाजपा को जिताने जा रही है। इस रैली में प्रभारी विजय तोमर,प्रत्याशी सुरेश पुजारी, पूर्व सांसद प्रभात सिंह देव, पूर्व विधायक बैदू राम कश्यप समेत बड़ी संख्या में भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वी के पंडियन के अनुमति के बिना एक कदम भी नहीं चलते नवीन: केदार कश्यप

रायपुर/सुंदरगढ। वनमंत्री केदार कश्यप ने ओडिशा लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों के लिए अपना प्रचार तेज कर दिया है। उन्होंने आज सुंदरगढ़ लोकसभा क्षेत्र (ओडिशा) के ग्राम सालेपारी एवं बीरबीरा में आयोजित आम सभा को संबोधित किया एवं लोकसभा प्रत्याशी जुएल उरांव एवं क्षेत्र की विधान सभा प्रत्याशी कुसुम टेटे के समर्थन में वोट देने की अपील की। इस दौरान उन्होंने नवीन पटनायक सरकार पर तीखा प्रहार किया एवं पूरी तरह भ्रष्टाचार में लिप्त बताया। मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि नवीन पटनायक केवल मुखौटा मुख्यमंत्री है एवं वीके पांडियन की हाथों की कठपुतली है। वीके पांडियन के इशारों पर चलते है एवं जनता के जनादेश का अपमान करते है। जो लोग ओडिशा से संबंध नहीं रखते वे क्या ओडिशा के लोगों की तकलीफ जानेंगे? ऐसे लोगों को विकास से कोई मतलब नहीं होता.

गुरु रुद्र कुमार के बयान पर बोले गुरु बालदास

जब कांग्रेस राज में हमारे समाज के बच्चों को नग्न प्रदर्शन करना पड़ा तब कहां थे गुरु रुद्र?

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी ने गिरौदपुरी में जैतखाम को क्षति पहुँचाए जाने की घटना की निंदा करते हुए कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार इस मामले की सूक्ष्मता से जाँच कर दोषियों पर कार्रवाई करेगी। भाजपा नेता व सतनामी समाज के धर्मगुरु संत बालदास साहेब ने इस घटना को लेकर कांग्रेस के प्रलाप को घड़ियाली आँसू बहाना बताया और कहा कि प्रदेश सरकार की तत्परता से इस घटना में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की तहकीकात शुरू की जा चुकी है।

भाजपा नेता व धर्मगुरु संत बालदास साहेब ने कहा कि निहित राजनीतिक स्वार्थ साधने के लिए कांग्रेस के लोग तमाम तरह के ओछे हथकंडों पर पहले भी उतरते आए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उससे पहले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कूटरचित वीडियो वायरल करके कांग्रेस निम्न स्तर की राजनीति करती रही है। इसलिए भाजपा की सरकार इस घटना को लेकर इस पहलू से भी जाँच करेगी कि क्या यह सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने का कांग्रेस का कोई टूलकिटिया षड्यंत्र है? संत बालदास ने कहा कि मामले की जाँच में इन सारे तथ्यों का खुलासा होगा और फिर जो भी दोषी होगा, वह बख्शा नहीं जाएगा। संत बालदास साहेब ने कहा कि आज जैतखाम को पहुँची क्षति को लेकर घड़ियाली आँसू बहा रहे प्रदेश के पूर्व मंत्री गुरु रुद्र कुमार यह न भूलें कि

जब भूपेश ने समाज के युवाओं को भौंकने वाला कहा तब गुरु रुद्र क्यो चुप रहे?, घटना की सूक्ष्मता से होगी जांच, दोषियों पर होगी कड़ी कार्यवाही

सतनामी समाज के साथ भेदभाव कर सामाजिक हितों को सबसे ज्यादा चोट कांग्रेस के शासनकाल में पहुँचाई गई। भाजपा नेता और धर्मगुरु संत बालदास साहेब ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल में कुतुबमीनार से भी ऊँचा जैतखाम बनाया गया और सतनामी समाज के साथ सतत सम्मानजनक व्यवहार किया गया। गुरु बालदास साहेब ने सवाल दागा कि जब कांग्रेस शासनकाल में अनुसूचित जाति वर्ग के युवकों को राजधानी की सड़कों पर नग्न प्रदर्शन के लिए मजबूर होना पड़ा था और तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सतनामी समाज के युवाओं को सार्वजनिक रूप से भौंकने वाला कहकर अपमानित किया था तब रुद्रकुमार कहाँ थे? उस समय सतनामी समाज के आत्म-सम्मान के लिए उन्होंने क्यों नहीं आवाज उठाई?

छत्तीसगढ़ पूर्व भाजपा अध्यक्ष कौशिक ने मोदी की विशाल आमसभा को सफल बनाने का आह्वान किया

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ विधायक भाजपा धरमलाल कौशिक ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की प्रस्तावित तैयारियों का निरीक्षण किया. 19 मई को जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र (झारखंड) के घाटशिला मे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी का विशाल आमसभा होगी. कार्यक्रम स्थल का पूर्व निरीक्षण करते हुए. छत्तीसगढ़ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, इसमें अधिक से अधिक जनता पहुंचे, इसके लिए सभी कार्यकर्ता तथा पदाधिकारी सक्रिय हों. उन्होंने तैयारी में जुटे पदाधिकारियों से गर्मी को देखते हुए सभी जनों के सुविधाओं को ध्यान मे रखते हुए व्यवस्थाएं करने की सलाह दी है.

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

ओडिशा में विकास ही अवकाश पर है-ओपी चौधरी

रायपुर। मंत्री ओपी चौधरी ने उड़ीसा लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव की कमान संभाल रखी है उन्होंने बरगढ़ एवं संबलपुर क्षेत्र में धुआंधार जनसंपर्क एवं प्रचार अभियान चला रहे हैं ।जनसंपर्क में हिस्सा लेते हुए मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि उड़ीसा के विकास में सबसे बड़े बाधक नवीन पटनायक सरकार है जिन्होंने सालों से उड़ीसा के विकास को वेंटिलेटर पर रखा है। प्रत्येक 5 वर्ष बाद चुनाव आते ही वे लोक लुभावनवाद का सहारा लेकर जनता की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश करते है उनका उद्देश्य किसी भी प्रकार से केवल सत्ता हथियाना होता है। जबकि विकास को अवकाश पर भेज दिया गया है। ओडिशा की जनता इस बार उन्हें सबक अवश्य सिखायेगी।

उत्तम ओडिशा के सपनों को हम पूरा करके रहेंगे: संतोष पांडे

रायपुर। राजनांदगांव सांसद संतोष पांडे ओडिसा लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशियों के लिए जोर शोर से प्रचार ने जुटे है आज ओडिशा के क्योंझर लोकसभा क्षेत्र में प्रचार के दौरान उन्होंने कहा ओडिशा की विकास विरोधी सरकार ने समूचे ओडिशा वासियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यो से दूर रखा है। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, आयुष्मान भारत योजना, नलजल योजना, आदिवासी समुदाय के लिए योजनाएं सभी योजनाओं पर पटनायक सरकार ने टोटी लगा दिया है।

झारखंड में महिलायें सुरक्षित नहीं है

कोडरमा लोकसभा की प्रवासी प्रभारी व विधायक श्रीमती गोमती साय ने कहा कि झारखंड में महिलायें सुरक्षित नहीं है। यहां जिस तरह अनाचार के मामले दर्ज हो रहें, यह बेहद ही पीड़ादायक है। यहां पर महिलाओं को न्याय नहीं रहा है और केवल मामलों पर पर्दा ड़ालने का काम किया जा रहा है। यह किसी से छिपा नहीं है। झारखंड के एक जेल में जिस तरह से महिला के साथ अनाचार की घटना सामने आई है। 20 मई को मातृशक्ति भाजपा को भारी मतों के साथ अपना आशीर्वाद देगी.

मंत्री नेताम ने पूर्व स्वास्थ्य मंत्री से की भेंट

रायपुर। झारखंड के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री व विश्रामपुर के विधायक रामचंद चंद्रवंशी से छत्तीसगढ़ के कृषिमंत्री रामविचार नेताम ने गिरिडीह में जनसंपर्क अभियान के दौरान मुलाकात की। पूर्व मंत्री श्री चंद्रवशी ने उन्हें मंत्री बनने पर बधाई देते कुशलक्षेम पूछा। उल्लेखनीय है कि कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने गिरीडीह लोकसभा के प्रवासी प्रभारी के नाते लगातार चुनाव अभियान में जुटे हैं। शनिवार को उन्होंने पदाधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने भाजपा जिला कार्यालय हरिचक, गिरिडीह में टुण्डी, गिरिडीह, डुमरी के पदाधिकारियों की बैठक लेकर जीत के जरूरी टिप्स दिये।

झारखंड में भ्रष्टाचार बढ़ा, विकास थमा- अनुराग सिंहदेव

रायपुर। झारखंड में 20 मई को पांचवें चरण के लिए होने वाले मतदान के अंतर्गत 3 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। इनमें चतरा और कोडरमा का प्रभार छत्तीसगढ़ के नेताओं को दिया गया है। इसी क्रम में चतरा लोकसभा प्रभारी छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा प्रवक्ता अनुराग सिंहदेव ने कहा कि झारखंड में ठगबंधन सरकार ने भ्रष्टाचार के अलाव कुछ भी नहीं किया है। जिसके कारण यहां का विकास पूरी तरह थम गया है। यहां की जनता ने भाजपा को समर्थन देने का मन बना लिया है। हम यहां विशाल विजय की ओर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री समेत उनके कई नेता और अधिकारी जेल में हैं। इससे यह पता चलता है कि यहां भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं। अनुराग सिंह देव ने कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार की विदाई की बेला आ गई है। इस लोकसभा चुनाव में जनता इन्हें सबक सिखाएगी।

बृजमोहन अग्रवाल ने कांटाबांजी में जनसभा को संबोधित किया

रायपुर। ओडिशा में चुनाव प्रचार कर रहे छत्तीसगढ़ के मंत्री बृजमोहन अग्रवाल शनिवार को कांटाबांजी के हल्दी में जनसभा के पश्चात ग्रामीण सुभाष पोढ़ के घर पहुंचे ।जहां परिवारजनों ने उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। जिसके बाद बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव जी और अन्य साथियों के साथ जमीन पर बैठकर भोजन किया। इस अवसर पर पारंपरिक ओड़िया व्यंजन कांदुल दाल, भाजी साग, बड़ी साग, लिया बड़ी, काखर बड़ी, दही सलाद, मिक्स सब्जी, दाल-भात, रोटी के स्वाद लिया। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, अतिथि सत्कार ओड़िया परंपरा का एक अभिन्न अंग है यहां जिस तरह से उनका स्वागत किया गया वो वास्तव में आत्मीय सुख प्रदान करने वाला है।

छत्तीसगढ़ के स्कूलों में समर कैंप का आयोजन

बच्चों में छिपी प्रतिभा और हुनर में आ रहा निखार

रायपुर। कहीं दीवारों पर तो कहीं किताबों पर नन्हे हाथों से ड्राइंग करते दिखाई दे रहे हैं बच्चे। कोई गा रहा है, कोई डांस कर रहा है और कोई अभिनय। पत्तों से कलाकारी, सब्जियों से चित्रकारी, रंगीन चावल की कला, मिट्टी से खिलौना निर्माण, धागे से डिजाइन बनाना और मुखौटा निर्माण जैसी रोचक गतिविधियों में बच्चे डूबे हुए हैं। अलग-अलग भाव के साथ बच्चों के चेहरे पर विजय मुस्कान दिखाई दे रही है। यह नजारा है छत्तीसगढ़ राज्य की स्कूलों का। गर्मी की छुट्टियों में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने बच्चों में रचनात्मकता के लिए सकारात्मक व नवाचारी पहल की है। बस्तर, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर व सरगुजा संभाग तक बच्चे खुशनुमा माहौल में खेल-खेल में बुनियादी साक्षरता व संख्या ज्ञान सीखने की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिश को छत्तीसगढ़ के स्कूलों के माध्यम से

बालक-पालक व शिक्षकों तक पहुंचाने का यह अनूठा तरीका है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस समर कैंप का उद्देश्य बच्चों का मनोरंजन के साथ स्वस्थ वातावरण में उनकी छिपी हुई प्रतिभा को उभारना और उनमें आत्मविश्वास को बढ़ावा देना है। समर कैंप को सफल बनाने सचिव श्री परदेसी द्वारा प्रतिदिन एक-एक कड़ी जोड़ी जा रही है। शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत एनजीओ को जहां प्रदेश में स्वेच्छा से समर कैंप आयोजित करने कहा गया है। वहीं खेल संघो एवं अन्य संस्थाओं को भी इस कार्यक्रम से जोड़ा जा रहा है। यह उल्लेखनीय है कि समर कैंप बच्चों के एक साथ आने और मौज मस्ती करने का एक विशेष शिविर है। वे घर से दूर सुरक्षित वातावरण में नए साहसिक प्रयास करते हैं और नई चीज़ सीखते हैं। इस प्रकार उनमें स्वतंत्रता की भावना विकसित होती है। वे नए दोस्त भी बनाते हैं और मेल जोड़ बढ़ाते हैं, जिससे उनके सामाजिक कौशल और आत्मविश्वास का विकास होता है।

किशोर बच्चों के लिए विपश्यना ध्यान शिविर दो जून से

मन को एकाग्र करने और ऊर्जा को सही दिशा देने में कारगर है ध्यान

रायपुर। किशोर होते बच्चे ऊर्जा से भरे होते हैं और उनका मन बड़ा चंचल होता है। प्रतिस्पर्धा का तनाव भी आज बच्चों में अधिक है ऐसे में विपश्यना ध्यान बच्चों के मन को विचलन से बचाता है और एकाग्रता को बढ़ाता है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए किशोरों के लिए आठ दिवसीय विपश्यान ध्यान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 2 से 10 जून तक आयोजित ये शिविर 15 से 19 वर्ष के किशोर और किशोरियों के लिए अलग ङ्क अलग आयोजित हैं। दुर्ग जिले के थनौद स्थित धम्मकेतु विपश्यना ध्यान केन्द्र में किशोरियों और बिलासपुर के भरारी स्थित धम्मगढ़ विपश्यना ध्यान केन्द्र में किशोरों के लिए ये शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। विपश्यना ध्यान के शिविर निशुल्क आयोजित किए जाते हैं। शिविर में हिस्सा लेने हेतु पूर्व पंजीयन अनिवार्य है। इच्छुक प्रतिभागी इस लिंक पर

https://www.dhamma.org/en/schedules/schketu

https://www.dhamma.org/en/schedules/schgarh

जाकर अपना पंजीयन कर सकते हैं। विपश्यना आचार्य डॉ सीताराम साहू ने बताया कि इस शिविर में शामिल होने वाले बच्चों को मौन रहते हुए ध्यान का अभ्यास कराया जाता है। साथ ही बच्चों को कुछ शील (नियमों) का पालन करना होता है। किशोर बच्चे अपने जीवन में नया करने की चाह रखते हैं ।

उनके अंदर हो रहे बदलाव को कई बार समझ पाना मुश्किल होता है। ऐसे में बच्चे अधिक आक्रामक और कई बार गुमसुम हो जाते हैं। इन्हीं बातों से निपटने के लिए किशोर बच्चों को विपश्यना ध्यान के लिए प्रेरित किया जाता है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.